ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯ ಮುಕ್ತವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾನಿಲಯ
ಮಾನಸಗಂಗೋತ್ರಿ, ಮೈಸೂರು – 570 006.

Karnataka State Open University
Manasagangothri, Mysore - 570 006.

अनुवाद और प्रयोजनमूलक हिन्दी

M.A. Previous HINDI
Course / Paper - V

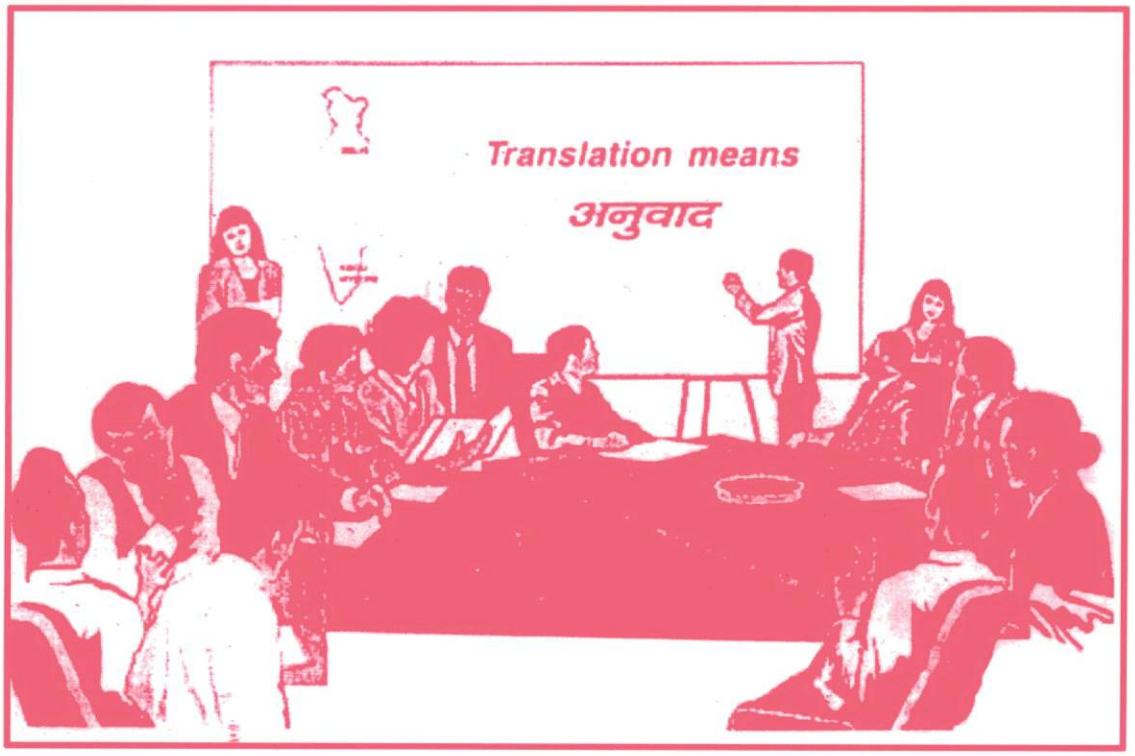

Block - 4

ಉನ್ನತ ಶಿಕ್ಷಣಕ್ಕಾಗಿ ಇರುವ ಅವಕಾಶಗಳನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸುವುದಕ್ಕೆ ಮತ್ತು ಶಿಕ್ಷಣವನ್ನು ಪ್ರಜಾತಂತ್ರೀಕರಿಸುವುದಕ್ಕೆ ಮುಕ್ತ ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾನಿಲಯ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯನ್ನು ಆರಂಭಿಸಲಾಗಿದೆ.

ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಶಿಕ್ಷಣ ನೀತಿ **1986**

ಮುಕ್ತ ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾನಿಲಯವು ದೂರಶಿಕ್ಷಣ ಪದ್ಧತಿಯಲ್ಲಿ ಬಹುಮಾಧ್ಯಮಗಳನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸುತ್ತದೆ. ..... ವಿದ್ಯಾಕಾಂಕ್ಷಿಗಳನ್ನು ಜ್ಞಾನ ಸಂಪಾದನೆಗಾಗಿ ಕಲಿಕಾ ಕೇಂದ್ರಕ್ಕೆ ಕೊಂಡೊಯ್ಯುವ ಬದಲು, ಜ್ಞಾನ ಸಂಪತ್ತನ್ನು ವಿದ್ಯೆ ಕಲಿಯುವವರ ಬಳಿ ಕೊಂಡೊಯ್ಯುವ ವಾಹಕವಾಗಿದೆ.

ಡಾ || ಕುಳಂದೈಸ್ವಾಮಿ

The Open University system has been initiated in order to augment opportunities for higher education and as an instrument of democratising education.

National Education Policy 1986

The Open University system makes use of Multi-media in distance education system. ..... it is a vehicle which transports knowledge to the place of learners rather than transport people to the place of learning.

Dr. Kulandai Swamy

प्रथम एम.ए. - कोर्स पाँचवाँ

Course - V, Paper - V

4

''अनुवाद और प्रयोजनमूलक हिन्दी''

'' अनुवाद ''

Unit No. 14 to 18		Page No.
अनुक्रमणिका		

इकाई	14	वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली का अनुवाद	1 - 22
इकाई	15	अनुवाद एवं भाषा विज्ञान	23 - 39
इकाई	16	अनुवाद : अन्य भाषा से हिन्दी में	40 - 63
इकाई	17	पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद	66 - 94
इकाई	18	पारिभाषिक शब्द	95 - 155

पाठ्यक्रम अभिकल्प तथा संपादकीय समिति

प्रो.एम.जी.कृष्णन
उप कुलपति तथा अध्यक्ष
क.रा.मु.वि.विद्यालय,
मैसूर - 6

प्रो.एस.एन.विक्रमराज अरस
डीन (शैक्षणिक) - संयोजक
क.रा.मु.वि. विद्यालय
मैसूर - 6

डॉ.कांबले अशोक — संयोजक
अध्यक्ष , हिन्दी विभाग
क.रा.मु.वि.विद्यालय
मैसूर - 6

डॉ.मिथाली भट्टाचार्य — संपादिका
रीडर, हिन्दी विभाग
ज्ञानभारती, बेगलूर वि.विद्यालय
बेंगलूर - 56

पाठ्यक्रम के लेखक

डॉ.सरगु कृष्णमूर्ति
प्रोफेसर
बेंगलूर विश्वविद्यालय

कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूर, शैक्षणिक अनुभाग द्वारा निर्मित ।
सभी अधिकार सुरक्षित । कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय से लिखित अनुमति प्राप्त किए बिना, इस कार्य के किसी भी अंश को किसी भी रूप में अनुलिपित या किसी अन्य माध्यम द्वारा प्रतिकृति नहीं किया जाएगा ।

कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम पर अधिक जानकारी विश्वविद्यालय के कार्यालय, मानस गंगोत्री, मैसूर - 6 से प्राप्त की जा सकती है ।

कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से **रजिस्ट्रार (प्रशासन)** द्वारा मुद्रित व प्रकाशित ।

ब्लाक परिचय

प्रिय विद्यार्थी,

आपने **ब्लॉक - एक** में अनुवाद की परिभाषा एवं प्रतीकांतर, अनुवाद का महत्त्व, प्रक्रिया तथा अनुवाद कला, विज्ञान और तंत्र अनुवाद के प्रकार आदि के बारे में और **ब्लॉक - दो** में अनुवाद की शैलियाँ, आदर्श अनुवादक की योग्यताएँ एवं गुण, अनुवाद की समस्याएँ तथा अनुवाद के विभिन्न सिद्धांतों के बारे में तथा **ब्लॉक - तीन** में आप काव्यानुवाद और उसका महत्व, नाटक का अनुवाद तथा मुहावरे और लोकोक्तियों का अनुवाद, कार्यालयी अनुवाद के बारे में जानकारी प्राप्त कर ली । अब **ब्लाक - चार** में आप वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली का अनुवाद, अनुवाद एवं भाषा विज्ञान, अन्य भाषा से हिन्दी में अनुवाद, तथा पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद, पारिभाषिक शब्द की भी जानकारी प्राप्त करेंगे ।

शुभकामनाओं के साथ,

डॉ.कांबले अशोक
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
क.रा.मु.वि. विद्यालय
मैसूर - 6.

इकाई चौदह

वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली का अनुवाद

14.0. प्रस्तावना

14.1. उद्देश्य

14.2. वैज्ञानिक साहित्य का सृजन : डॉ.मिताली जी का कथन

14.3. साहित्यिक अनुवाद एवं वैज्ञानिक अनुवाद में अंतर

14.4. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की आवश्यकता

- 14.4.1. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद में विषय ज्ञान की आवश्यकता
- 14.4.2. वैज्ञानिक अनुवाद में विषयज्ञता : डॉ.मिताली जी व डॉ.गोपीनाथन जी के मत
- 14.4.3. बैज्ञानिक अनुवाद की भाषा में स्पष्टता

14.5. वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद की प्रगति

- 14.5.1. वैज्ञानिक क्षेत्र में सहयोगिता अनुवाद

14.6. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद में शैली का स्थान

14.7. तथ्य प्रधान साहित्य

14.8. वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली के अनुवाद में आवश्यक गुण

- 14.8.1. वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली के अनुवाद में स्पष्टता

14.9. निष्कर्ष

14.10. सारांश

14.11. प्रश्न

14.12. उत्तर के अंश अभ्यास के प्रश्नों के संबंध में

14.13. शब्दावली

14.14. संदर्भग्रंथ एवं निर्बंध

14.0. प्रस्तावना

प्रिय पाठक बंधुओ, आप जानते ही हैं कि हम जिस युग में साँस ले रहे हैं, वह वैज्ञानिक युग है । जन्म से लेकर मरण तक मानव का जीवन विज्ञान के संपर्क से उपकृत है । अतः हम सब लोगों का संबंध दिन-ब-दिन वैज्ञानिक साहित्य के साथ संप्रवर्धित हो रहा है । वैज्ञानिक साहित्य के बिना कोई भी देश अब उन्नति के शिखरों का स्पर्श कर नहीं सकता । प्रस्तुत घटक में वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली के अनुवाद के विभिन्न आयामों का विवेचन किया जा रहा है । वैज्ञानिक साहित्य की महत्ता, वैज्ञानिक शब्दावली का गठन, वैज्ञानिक अनुवाद में विषय ज्ञान का महत्व, विशेषता, भाषा की स्पष्टता, शैली आदि तत्वों की जानकारी आप इस घटक में प्राप्त करेंगे ।

14.1. उद्देश्य

विज्ञान की प्रगति के साथ-साथ वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली की अभूतपूर्व उन्नति हो रही हे । ब्रिटन, अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, रूस, चीन आदि देशों में विज्ञान और वैज्ञानिक साहित्य की रत्नराशी का रूपायन हुआ है । वैज्ञानिक साहित्य विषय प्रधान होता है । उसमें शैली के श्रृंगार के लिए कोई स्थान नहीं है । प्रत्येक संकल्पना के लिए एक सुनिश्चित शब्द गठित होता है । उन्हीं शब्दों का प्रयोग वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद में करना पड़ता है । जब तक अन्य भाषाओं में उपलब्ध वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद अपनी भाषाओं में नहीं कर लेते, तब तक हमारी पीढ़ियाँ विज्ञान के महत्तर ज्ञान से वंचित रहेंगी । अतः वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद इस युग की सबसे बड़ी माँग का रूप धारण कर रहा है ।

प्रस्तुत घटक में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद के विभिन्न आयाम यथा - वैज्ञानिक साहित्य की महत्ता, उसके प्रकार, उसके अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का गठन आदि का पूर्ण विवेचन किया गया है । इस निबंध का लक्ष्य यह है कि वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशा में हमारे छात्रगण शीघ्रगति से आगे बढ़े तथा हमारी भाषाओं की साहित्य संपत्ति की प्रगति हो सके ।

वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली के अनुवाद की समस्या साहित्य के अनुवाद की समस्या से भिन्न है । वैज्ञानिक शब्दावली या पदबंध की निश्चित परिभाषा होती है । अतः यह शब्दावली पारिभाषिक शब्दावली कहलाती है । विशेष संकल्पना या अर्थ के लिए एक विशेष शब्द निर्धारित होता है । अमुक भाषा में उस संकल्पना या अर्थ के लिए सदा उसी शब्द का प्रयोग होना चाहिए यथा - रासायनिक के लिए पारिभाषिक शब्द केमिकल है । यदि कोई अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कर रहा है तो स्रोत भाषा के केमिकल शब्द के लिए लक्ष्य भाषा में रासायनिक शब्द का ही प्रयोग करना चाहिए । कोई भी अनुवादक इस संकल्पना के लिए अपनी इच्छा या पांडित्य के बल पर अन्य शब्द का प्रयोग नहीं कर सकता । इसमें कल्पना एवं अभिव्यक्तिपरक इच्छा के लिए कोई स्थान नहीं है । स्टाटिस्टिक्स के लिए सांख्यिकी शब्द का ही प्रयोग होना चाहिए । रसात्मक साहित्य में एक अर्थ या संकल्पना के लिए कई पर्याय हो सकते हैं, यथा - स्त्री के लिए भामिनी, कामिनी, महिला, औरत आदि कई पर्यायों का प्रयोग किया जा सकता है । किन्तु वैज्ञानिक साहित्य में पर्याय परंपरा

नहीं है । अतः वैज्ञानिक विषय तथा शब्दावली का पूर्ण ज्ञान अनुवादक को होना चाहिए ।

14.2. वैज्ञानिक साहित्य का सृजन : डॉ.मिताली जी का कथन

यह वस्तुतः वैज्ञानिक युग है । विज्ञान ने जन्म से लेकर मृत्यु तक मानव को घेर लिया है । बिजली, विभिन्न यंत्र, विमान, दूरदर्शन, आकाशवाणी - ये सभी विज्ञान के वरदान हैं । इनके निर्माण, प्रयोग आदि से संबंधित कई शब्दावलियाँ उन देशों में गठित हैं, जहाँ इन वस्तुओं का सृजन हुआ है । यह शब्दावली वैज्ञानिक शब्दावली कहलाती है । ये वस्तुएँ सभी देशों में आ गई हैं । इससे संबंधित साहित्य एवं शब्दावली आवश्यक हैं ।

डॉ.मिताली भट्टाचारजी निश्चित रूप से कहती हैं कि अन्य भाषाओं में उपलब्ध वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावलियों का सा गठन तथा उनका अनुवाद हमारी भाषाओं में होना चाहिए, अन्यथा हमारे युवती-युवक इस वैज्ञानिक साहित्य से वंचित हो जायेंगे ।

14.3. साहित्यिक अनुवाद एवं वैज्ञानिक अनुवाद में अंतर

डॉ.जी.गोपीनाथनजी लिखते हैं कि साहित्यिक अनुवाद एवं वैज्ञानिक व तकनीकी अनुवाद के बीच मूलभूत अंतर यह है कि साहित्यिक अनुवाद में प्रमुखता उसकी शैली, अभिव्यंजना एवं भाव भंगिमा के लिए है, जबकि वैज्ञानिक अनुवाद में अभिव्यक्त विचार ही प्रमुख हैं । वैज्ञानिक अनुवाद में 'कैसे' की अपेक्षा 'क्या' का अधिक महत्व है । यहाँ विषय मुख्य है और शैली गौण । वैज्ञानिक पुस्तकों के पाठकों की रुचि केवल उसमें दी गयी सूचनाओं,

संकल्पनाओं तथा तथ्यों तक ही सीमित रहती है । वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य का अनुवाद प्रायः वैज्ञानिकों एवं तकनीकी विषय के विद्वानों एवं छात्रों के लिए ही होता है । उनके लिए महत्वपूर्ण तो केवल उसमें अभिव्यक्त विचार ही हैं ।

14.4. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की आवश्यकता

विज्ञान की प्रगति के साथ साथ विज्ञान से संबंधित साहित्य का सृजन हो रहा है । प्रत्येक देश में वैज्ञानिक अनुवाद की आवश्यकता बढ़ रही है । अंग्रेज़ी, रूसी, जापानी, जर्मन आदि भाषाओं में वैज्ञानिक साहित्य का अत्यधिक सृजन हुआ है । इन ग्रंथों का अनुवाद हिन्दी, कन्नड, तेलुगु आदि भाषाओं में होना चाहिए । यह अनुवाद तभी संभव है जब हमारी भाषाओं में वैज्ञानिक शब्दावली का निर्माण हो, अर्थात् वैज्ञानिक शब्दावली का अनुवाद होना चाहिए । हिन्दी में वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली का अनुवाद अधिकतः अंग्रेजी से हुआ है ।

14.4.1. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद में विषय ज्ञान की आवश्यकता

ललित साहित्य में शैली प्रधान होती है, जब कि वैज्ञानिक साहित्य में विषय प्रधान होता है । अतः वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद विषय का पूर्ण ज्ञान रखनेवाला अनुवादक ही कर सकता है ।

डॉ.भोलानाथ निवारी ने गणित एवं जीव विज्ञान के विषय की कठिनाई का यह उदाहरण दिया है -

1) गणित से

A finite point set has no limit points. इस वाक्य में अगर has का अनुवाद 'में' कर दिया जाये तो अनवाद बिलकुल गलत होगा । यहाँ has का अनुवाद 'के' के रूप में करना होगा -

परिमिति समुच्चय के सीमा बिन्दु नहीं होते ।

2) जीवविज्ञान से

In the preparation of plant material for human consumption, we eliminate most of the cellulose in the woody portions. इसके अनुवाद के संबंध में डॉ.भोलानाथ तिवारी लिखते हैं - विषय से अपरिचित अनुवादक woody portion का अर्थ काष्ठमय कर देगा, जबकि वस्तुतः यहाँ woody portion का अर्थ है साग सब्जी, फसल आदि के डंठल, छिलके आदि भाग ।

14.4.2. वैज्ञानिक अनुवाद में विशषज्ञता : डॉ.मिताली जी व डॉ.गोपीनाथन जी के मत

डॉ.मिताली के शब्दों में वैज्ञानिक व तकनीकी अनुवाद में अनिवार्य शर्त यह है कि अनुवादक विषय का सम्यक् जानकर हो । इस कारण से वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों में प्रशिक्षित व्यक्ति ही इस तरह का अनुवाद कर पाते हैं । डॉ.जी.गोपीनाथन जी के शब्दों में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद का क्षेत्र वास्तव में विशेषज्ञता का क्षेत्र है । विश्व में वैज्ञानिक व तकनीकी अनुवादकों का जो विशिष्ट वर्ग विकसित हुआ है, उसका प्रमुख कारण यही विशषज्ञता है । अनूदित सामग्री जितनी विशिष्ट होगी, अनुवादक को भी उतना ही विशेषज्ञ होना पड़ेगा ।

इसलिए हर वैज्ञानिक व तकनीकी विषय के लिए विशेष प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्तियों की आवश्यकता है । भारत में दिल्ली का वैज्ञानिक अनुवादकों का संगठन (ISTA) तथा यूरोप के अनेक वैज्ञानिक तकनीकी अनुवादकों के संगठन ऐसे विशषज्ञ अनुवादकों की सूची अपने पास रखते हैं । डॉ. मितालीजी के शब्दों में अभिव्यक्त विचारों की प्रामाणिकता वैज्ञानिक अनुवादों का अनिवार्य तत्व है और प्रामाणिक अनुवाद तो केवल विषय के अधिकारी अनुवादक ही प्रस्तुत कर सकते हैं ।

14.4.3. वैज्ञानिक अनुवाद की भाषा में स्पष्टता

विषय ज्ञान की तरह भाषा ज्ञान भी वैज्ञानिक अनुवाद में अत्यंत महत्वपूर्ण है । डॉ.गोपीनाथन के शब्दों में वैज्ञानिक भाषा की सबसे बड़ी विशेषता है उसकी वस्तुनिष्ठता एवं तथ्य परकता । तकनीकी भाषा की प्रकृति को उसके तकनीकी शब्दों एवं मुहावरों से समझा जा सकता है । मनोविकारों एवं वैयक्तिकता का वर्जन इस भाषा की विशेषता है, जबकि साहित्यिक भाषा में वैयक्तिकता का मोड़ वर्तमान रहता है । साहित्यिक भाषा में अर्थ की संदिग्धता संभव है जबकि वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद में अर्थ की स्पष्टता एवं सुबोधता पर अत्यन्त बल रहता है । डॉ.जी.गोपीनाथन ठीक ही बताते हैं कि सरल सुबोध भाषा का प्रयोग वैज्ञानिक अनुवाद में अनिवार्य है ।

14.5. वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद की प्रगति

आज सभी देशों के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद की अत्यन्त आवश्यकता होती है । भारत जैसे विकासशील देशों में वैज्ञानिक एवं तकनीकी

अनुवाद अभी प्रारंभिक अवस्था में है । स्रोत भाषा में व्यक्त वैज्ञानिक एवं तकनीकी सूचनाओं का लक्ष्य भाषा में इस तरह अंतरण करना है कि मूल की सूचनाएँ अनुवाद में नष्ट न हों । संसार के विभिन्न राष्ट्रों के बीच वैज्ञानिक सूचनाओं का अंतरण परम आवश्यक होने के कारण वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद आधुनिक ज्ञान विज्ञान की बुनियाद-सा बन गया है ।

14.5.1. वैज्ञानिक क्षेत्र में सहयोगिता अनुवाद

वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद के लिए विषय का ज्ञान आवश्यक है । साथ ही दोनों भाषाओं की जानकारी भी अनिवार्य है । यदि ऐसा अनुवादक न मिलता हो तो विषय का ज्ञान रखनेवाले अनुवादक से अनुवाद कराकर लक्ष्य भाषा के अच्छे ज्ञाता से अनुवाद का पुनरीक्षण कराना चाहिए । यहाँ अनुवाद का कार्य एक व्यक्ति से न होकर दो या तीन व्यक्तियों से संपन्न होता है । इसे सहयोगिता अनुवाद कहते हैं ।

14.6. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद में शैली का स्थान

विषय ज्ञान तथा भाषा ज्ञान के अतिरिक्त वैज्ञानिक साहित्य के सफल अनुवाद हेतु शैली की स्पष्टता, पूर्णता, सटीकता, सरलता एवं असंदिग्धता अत्यंत आवश्यक हैं । इस में अनुवाद में शैली को सुन्दर बनाने का प्रयत्न नहीं होना चाहिए । रसात्मक साहित्य में शैली की अस्पष्टता कभी कभी गुण हो सकती है, पर वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद में यह सबसे बड़ा दोष है । वैज्ञानिक अनुवाद स्पष्ट और पूर्ण होना चाहिए । सृजनात्मक साहित्य में पाठक की कल्पना के लिए एकाध विषय छोड़ सकते हैं, पर वैज्ञानिक अनुवाद में न

कुछ छोड़ सकते हैं, न कुछ जोड़ सकते हैं । इसमें मूल सामग्री में दी गई सूचना अपरिवर्तित होनी चाहिए ।

14.7. तथ्य प्रधान साहित्य

साहिन्य के दो प्रकार हैं -

1) शक्ति साहित्य
2) ज्ञान साहित्य ।

काव्य, उपन्यास, कहानी, नाटक आदि शैली प्रधान साहित्य के अन्तर्गत आते हैं । विज्ञान कथ्य-प्रधान साहित्य है, जिसमें विषय की प्रधानता होती है, न कि शैली की । यह सूचना प्रधान साहित्य है । अनुवादक को इसमें विषय पर ध्यान देना पड़ता है, न कि शैली पर । यह शैली सपाट होती है । विषय और शब्दावली का जो पूर्ण ज्ञान रखता है, वही वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद कर सकता है ।

14.8. वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली के अनुवाद में आवश्यक गुण

1) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद में सटीकता एवं पूर्णता - ये दोनों अत्यंत आवश्यक गुण हैं ।
2) इस प्रकार के अनुवाद में अनुवादक को चाहिए कि वह साहित्यिक शैली का कौशल न दिखाए ।
3) मूल और अनुवाद के बीच में कभी रुचि तथा व्यक्तित्व को न आने दे।
4) वैज्ञानिक अनुवाद में आकर्षक अभिव्यंजना के लोभ में शब्दजाल, अलंकार, ध्वनि आदि से उसे कठिन नहीं बनाये ।
5) वैज्ञानिक अनुवाद की भाषा अत्यंत सरल और अभिधा-प्रधान होनी चाहिए । लक्षणा एवं व्यंजना लाने के प्रयत्न से अनुवाद में दुरूहता एवं संदिग्धता आ जायेगी ।
6) **गद्य प्रयोग** - वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद पद्य में नहीं होना चाहिए । प्राचीन काल में इस प्रकार के अनुवाद में पद्य का प्रयोग होता था ।

आधुनिक युग में अनुभव के बल पर रायल सोसाइटी ने घोषित किया है कि वैज्ञानिक साहित्य की शैली अत्यंत सरल होनी चाहिए तथा उसे गद्य में ही लिखना चाहिए ।

7) शब्द चयन - वैज्ञानिक साहित्य में शब्द चयन अर्थात् शब्दों को चुनने की प्रक्रिया नहीं होती है । पारिभाषिक शब्द के लिए निश्चित प्रतीक शब्द का ही इसमें प्रयोग होना चाहिए । इसमें द्वयत्ता नहीं होती । समूचे अनुवाद में एक ही शब्द का प्रयोग एक ही अर्थ में होता है । Calculation शब्द किसी वाक्य में आया हो अथवा कई बार इसका प्रयोग हुआ हो तो इसके लिए निश्चित प्रतीक शब्द का ही प्रयोग होना चाहिए । इस शब्द के बदले दूसरे शब्द का गठन करने का प्रयत्न नहीं होना चाहिए ।

8) वैज्ञानिक शब्दावली के गठन में एक सूचना के लिए स्वीकृत शब्द की सहायता से इस सूचना से संबंधित अन्य शब्द का गठन किया जाना चाहिए, यथा Chemistry शब्द से इसी सूचना से संबंधित अन्य शब्दों का गठन इस प्रकार होगा -

Chemistry	रसायन शास्त्र
Chemical	रासायनिक
Chemist	रसायन शास्त्रज्ञ

9) वैज्ञानिक शब्दावली के गठन में परिभाषिक शब्दों के गठन के नियमों का पालन होना चाहिए, अर्थात् पारिभाषिक शब्द सरल, सटीक, स्पष्ट, सुबोध एवं असंदिग्ध होना चाहिए । एक ही शब्द से यदि एक सूचना व्यक्त की जाती है तो यह शब्द गठन आदर्श माना जाएगा, यथा –

Computer	-	संगणक
Calculation	-	गणना
Body	-	शरीर
Heart	-	हृदय
Agriculture	-	कृषि

10) वैज्ञानिक शब्दावली के अनुवाद में प्रचलित अन्य भाषा शब्दों को ग्रहण करना चाहिए, यथा Rail - रेल, Vitamin - विटमिन ।
अन्य भाषा शब्दों को ग्रहण करते समय उन शब्दों को अपनी भाषा में प्रचलित शब्दों के आधार पर रूपायित करना चाहिए - Signal - सिगनल, Machine - मशीन ।

11) **प्रतीक चिह्न प्रयोग** - वैज्ञानिक अनुवाद में उन्हीं प्रतीक चिह्नों को रखना चाहिए, जिनसे लक्ष्य भाषाभाषी परिचित हों । यदि कोई नया सिंबल हो तो उसका अर्थ स्पष्टतः समझाना चाहिए ।

12) व्यक्तिवाचक संज्ञाओं का अनुवाद न करे ।

13) **पारिभाषिक शब्द और सिंबल का प्रयोग** - वैज्ञानिक अनुवाद में किसी भी शब्द का प्रयोग नये अर्थ में नहीं करना चाहिए । यदि कभी ऐसा करना हो तो उसका स्पष्ट संकेत देना चाहिए ।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली का अनुवाद स्पष्ट एवं पूर्ण होना चाहिए । यह अनुवाद मूलपाठ का पूर्ण प्रतिबिंब एवं प्रतिनिधि होना चाहिए । उसमें अनुवादक अपनी ओर से न कुछ जोड़े और उससे न कुछ छोड़े ।

14.8.1. वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली के अनुवाद में स्पष्टता

डॉ.जी.गोपीनाथन जी लिखते हैं कि वैज्ञानिक अनुवाद में स्पष्टता एवं बोधगम्यता अत्यन्त अनिवार्य है, इसलिए अनुवादक को हर प्रकार से अभिव्यक्त विचारों को सुबोध बनाने का प्रयास करना चाहिए । इसके लिए पहली आवश्यक बात यह है कि संकल्पनाओं और विचारों को हू-ब-हू लक्ष्य पाठ में उतारने की आवश्यकता होते हुए भी शब्दानुवाद की प्रकृति से बचकर रहे । नियत अर्थ पर बल देने पर भी शब्दानुवाद की प्रवृत्ति से अनुवादक को बचना चाहिए, नहीं तो मूल के विचार अक्सर स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त नहीं हो पाते । आवश्यक स्थलों पर व्याख्या, पादटिप्पणी आदि देकर तथ्यों को समझाना भी आवश्यक हो जाता है ! यहाँ पर अनुवादक व्याख्याता बन जाता है । मूल की व्याख्या रचना का अंधानुकरण न कर, स्रोत भाषा की सहज अभिव्यक्तियों एवं वाक्य-विन्यास के अनुसार विचारों को गूँथने का कौशल भी वैज्ञानिक अनुवादक में होना चाहिए ।

युनेस्को के एक प्रकाशन में इस तथ्य पर विशेष जोर दिया गया है कि मूल की जो बातें मूल भाषाभाषी प्रदेश के विद्वानों के लिए स्पष्ट नहीं हों तो उनको स्पष्ट बनाना अनुवादक का कर्तव्य है । अंग्रेजी तथा अन्य युरोपीय भाषाओं की जटिल वाक्य रचना भी अनुवाद में दुरूहता का एक कारण बन जाती है । जहाँ तक भारतीय भाषाओं में उन विदेशी भाषाओं से अनुवाद करने की समस्या है, वाक्य रचना की दृष्टि से सरलता एवं स्पष्टता का मानदंड अनुवादक को अपनाना चाहिए । जिस अनुवादक में विषय ज्ञान के साथ ही लक्ष्य-भाषा में सहज गति हो, वही उत्तम तकनीकी अनुवाद कर पाता है

14.9. निष्कर्ष

प्रस्तुत इकाई में वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली के अनुवाद से संबंधित विभिन्न तत्वों का विवेचन किया गया है । इस विवेचन से आप पूर्णतः अवगत हुए हैं कि वैज्ञानिक अनुवाद तभी सफल हो सकता है, जब आप अनूद्य विषय का समग्र ज्ञान रखते हों और इस विषय से संबंधित पारिभाषिक शब्दावली से परिचित हों, अर्थात् अंतरिक्ष विज्ञान का अनुवाद करते समय दो तत्वों का ज्ञान अपेक्षित है । ये हैं - विषय का ज्ञान तथा विषय से संबंधित वैज्ञानिक शब्दावली का पूर्ण परिचय । वैज्ञानिक अनुवाद में विशेषज्ञता, भाषा की स्पष्टता, सरल शैली आदि अपेक्षित हैं । वैज्ञानिक साहित्य तथ्य प्रधान साहित्य है, अर्थात् इसमें सुनिश्चित शब्दावली का ही प्रयोग होता है । वैज्ञानिक साहित्य के सफल अनुवादक बनकर आप समूची मानव जाति का उपकार कर सकते हैं ।

14.10. सारांश

वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली की महत्ता विज्ञान की उन्नति के साथ-साथ बढ़ रही है । अब केवल रसात्मक साहित्य के आधार पर विश्व का प्रगति रथ आगे बढ़ नहीं सकता । जीवन के प्रत्येक क्षण को विज्ञान ने घेर लिया है । दूरदर्शन, विमान, आकाशवाणी, नयी औषधियाँ आदि वैज्ञानिक वरदान हैं जिनका आविष्कार एवं सृजन अधिकतः विदेशों में हुआ है । एतत्संबंधी वैज्ञानिक साहित्य की रचना तथा वैज्ञानिक शब्दावली का गठन विदेशी भाषाओं में अधिक हुआ है । उस साहित्य एवं शब्दावली के अनुवाद से हम अत्यंत लाभान्वित होंगे । विज्ञान के ज्ञान के बिना हमारा जीवन परिपूर्ण नहीं हो सकता । अतः हमारा आद्य कर्तव्य है कि हम अपनी भाषाओं में वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद कर लें ।

प्रस्तुत घटक में वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली के निर्माण से संबंधित समस्याएँ, उन समस्याओं का निवारण, वैज्ञानिक शब्दावली के गठन आदि का पूर्ण विवेचन किया गया है ।

वैज्ञानिक साहित्य विषय प्रधान होता है, न कि शैली प्रधान । अतः इसमें अधिकतः संतुलित शब्दानुवाद का प्रश्रय लेना पड़ता है । भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद आदि से काम नहीं चलेगा ।

इस निबंध में यह तथ्य निरूपित है कि वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद में प्रत्येक संकल्पना के लिए सुनिश्चित एवं सुगठित शब्द का ही प्रयोग करना चाहिए, यथा- फिज़िक्स - Physics के लिए भौतिकी शब्द का ही प्रयोग होना

चाहिए। रासायनिक शब्द के लिए Chemical शब्द का प्रयोग होना चाहिए । इन शब्दों के स्थान पर अन्य शब्दों का प्रयोग पूर्णतः वर्ज्य है । अतः विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में प्रयुक्त होनेवाले शब्दों के समुचित पर्यायों का गठन होना चाहिए । संकल्पनाओं के लिए गठित ये शब्द पारिभाषिक शब्द कहलाते हैं । स्रोत भाषा के शब्दों के समतुल्य पारिभाषिक शब्दों का गठन हिन्दी, तेलुगु, कन्नड, बंगाली आदि भाषाओं में शीघ्र गति से संपन्न हो रहा है ।

वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली का अनुवाद करते समय हमें इस तथ्य का स्मरण रखना चाहिए कि इस प्रकार के अनुवाद में कल्पना, अलंकरण, शैली सुभगता आदि के लिए कोई स्थान नहीं है । इस निबंध में निम्न सूचित विषयों पर भी प्रकाश डाला गया है -

1) वैज्ञानिक साहित्य की आवश्यकता
2) वैज्ञानिक शब्दावली के गठन की समस्याएँ
3) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ
4) रसात्मक साहित्य एवं वैज्ञानिक साहित्य में अन्तर
5) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद में विषय ज्ञान की आवश्यकता
6) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद में विशेषज्ञता
7) वैज्ञानिक अनुवाद की भाषा में स्पष्टता
8) भारत में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की प्रगति
9) वैज्ञानिक क्षेत्र में सहयोगिता अनुवाद
10) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद में शैली का स्थान
11) तथ्य प्रधान साहित्य
12) व्यक्तिवाचक संज्ञाओं की अननुवाद्यता
13) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवादक में आवश्यक गुण ।

वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद में ध्यातव्य विभिन्न तत्वों का आकलन भी इस निबंध में हुआ है ।

14.11. प्रश्न

I] वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की महत्ता निरूपित कीजिए ।

II] वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली के अनुवाद में अपेक्षित गुण एवं ध्यातव्य तत्वों का विश्लेषण कीजिए ।

14.12. उत्तर के अंश अभ्यास के प्रश्नों के संबंध में

I] वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की महत्ता

वैज्ञानिक साहित्य किसी भी भाषा की अद्‌भुत, अक्षय ज्ञान संपत्ति है । चीनी, जापानी, अंग्रेजी, रूसी आदि भाषाओं में वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य का अत्यधिक सृजन हुआ है । हमारी भाषाओं में आधुनिक वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद शीघ्र गति से होना चाहिए, अन्यथा हमारी संतान वैज्ञानिक ज्ञान से वंचित हो जायेगी ।

आज विज्ञान के नये-नये आविष्कार एवं अन्वेषणों की सुगंध धरती और आकाश में छा गयी है । उस सुगंध की उपलब्धि विज्ञान से संबंधित साहित्य तथा शब्दावली के अनुवाद से ही हो सकती है । वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की महत्ता भी बढ़ गई है । अतः विज्ञान की विभिन्न शाखाओं के ग्रंथों का अनुवाद हमारी भाषओं में शीघ्र गति से संपन्न होना चाहिए ।

वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य एवं शब्दावली का अनुवाद शीघ्र गति से न हो तो हम अपनी भाषाओं के माध्यम से विज्ञान तरु द्वारा प्रदेय फलों और फूलों से वंचित हो जायेंगे अर्थात् विज्ञान के आविष्कारों का लाभ उठा नहीं सकेंगे ।

इस प्रश्न के उत्तर को समग्र बनाने हेतु निम्न सूचित अंशों के संबंध में भी प्रकाश डालना आवश्यक है -

1) विज्ञान के बढ़ते हुए चरण
2) विज्ञान के आविष्कार की जानकारी के लिए विज्ञान संबंधी साहित्य के अनुवाद की उपादेयता
3) संकल्पनाओं के लिए पर्याय शब्दों के गठन की आवश्यकता
4) वैज्ञानिक शब्दावली की महत्ता
5) कतिपय शास्त्रों के अनुवाद की महत्ता, यथा -
   - अ) रसायन शास्त्र के ग्रंथों का अनुवाद
   - आ) चिकित्सा शास्त्र से संबंधित साहित्य के अनुवाद की महत्ता
   - इ) अंतरिक्ष अनुसंधान संबंधी साहित्य के अनुवाद की महत्ता
   - ई) अन्य शास्त्रों के अनुवाद की महत्ता
   - उ) भारत में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दशा

III] वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली के अनुवाद में अपेक्षित गुण एवं ध्यातव्य तत्व

इस प्रश्न के उत्तर के लिए अपेक्षित अंश प्रस्तुत घटक के विभिन्न परिच्छेदों में उपलब्ध हैं । वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली में अपेक्षित गुण एवं ध्यातव्य तत्व ये हैं -

1) वैज्ञानिक विषयों का समग्र ज्ञान
2) वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का ज्ञान
3) वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली के पर्यायों का ज्ञान
4) नये पर्यायों के निर्माण का उपक्रम
5) पारिभाषिक शब्दावली का सतत प्रयोग
6) वैज्ञानिक साहित्य एवं उससे संबंधित अनुवाद ग्रंथों का अध्ययन
7) विशेषज्ञता

8) वैज्ञानिक अनुवाद का प्रशिक्षण

9) अनुवाद की भाषा में स्पष्टता लाने का प्रयत्न

10) आवश्यकता के अनुसार सहयोगिता अनुवाद का उपक्रम

11) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद में सटीकता एवं पूर्णता

12) अनुवादक को चाहिए कि वह इस प्रकार के अनुवाद में साहित्यिक शैली का कौशल न दिखाये ।

13) अनुवादक मूल एवं अनुवाद के बीच में अपनी इच्छा, रुचि एवं व्यक्तित्व को न आने दे।

14) अनुवादक को चाहिए कि अभिव्यंजना के सुचारु रूपायन के लोभ में अलंकार, ध्वनि, शब्दशक्ति आदि का प्रयोग न करे ।

15) अनुवाद की भाषा सरल व अभिधा प्रधान होनी चाहिए ।

16) अनुवाद अनिवार्य रूप से गद्य में ही होना चाहिए ।

17) यह ध्यातव्य तत्व है कि अनुवादक कभी इस प्रकार के अनुवाद में शब्द चयन प्रक्रिया न अपनाये ।

18) प्रत्येक संकल्पना के लिए सुनिश्चित पर्याय का ही प्रयोग करे ।

19) शब्द प्रयोग में कभी द्वयता को आने न दे ।

20) स्वीकृत पर्याय शब्द की सहायता से निश्चित सूचना से संबंधित अन्य शब्दों का गठन कर लेना चाहिए ।

21) पारिभाषिक शब्द के गठन के नियमों का पालन करे ।

22) वैज्ञानिक शब्दावली के अनुवाद में प्रचलित अन्य भाषा शब्दों को ग्रहण करें ।

23) प्रतीक चिह्नों का प्रयोग करे ।

24) पारिभाषिक शब्द एवं सिंबल का प्रयोग अपेक्षित है ।

25) व्यक्तिवाचक संज्ञाओं का अनुवाद न करे ।

14.13. शब्दावली

1.	पदबंध	-	Phrase
2.	संकल्पना	-	Concept
3.	अमुक	-	Particular
4.	रासायनिक	-	Chemical

5.	कल्पना	-	Imagination
6.	जीवविज्ञान	-	Biology
7.	सांख्यिकी	-	Statistics
8.	कामिनी	-	Lady
9.	पर्याय	-	Equivalent
10.	सृजन	-	Creation
11.	वस्तुतः	-	Actually, In fact
12.	दूरदर्शन	-	Television
13.	आकाशवाणी	-	Radio
14.	शब्दावली	-	Terminology
15.	मूलभूत	-	Fundamental
16.	अभिव्यंजना	-	Expression
17.	सूचनाएँ	-	Information, Notices
18.	अधिसूचना	-	Notification
19.	परिमित	-	Finite
20.	वैज्ञानिक साहित्य	-	Scientific Literature
21.	तकनीकी अनुवाद	-	Technical Translation
22.	प्रशिक्षित	-	Trained
23.	विशेषज्ञ	-	Expert, Specialist
24.	संगठन	-	Organization
25.	निष्कर्ष	-	Conclusion
26.	स्पष्टता	-	Clarity
27.	वैयक्तिकता	-	Individuality
28.	विकासशील देश	-	Developing Countries

14.14. संदर्भ ग्रंथ एवं निबंध

I] ग्रंथ

1.	अनुवाद विज्ञान	-	डॉ.भोलानाथ तिवारी
2.	अनुवाद	-	डॉ.जी.गोपीनाथन

II] **निबंध**

1.	वैज्ञानिक और तकनीकी साहित्य का अनुवाद	- श्री वेद प्रकाश
2.	पारिभाषिक शब्द और उनकी रचना तथा हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली	- श्री गोपाल शर्मा
3.	मशीनों से संबंधित पारिभाषिक शब्दों का हिन्दी अनुवाद	- श्री विद्यासागर नंदा
4.	अनुवाद की कठिनाइयाँ	- डॉ.वी.एस.नरवणे
5.	अनुवाद	- डॉ.मिताली भट्टाचारजी

NOTES

NOTES

इकाई पंद्रह

अनुवाद एवं भाषा विज्ञान

15.0. प्रस्तावना

15.1. उद्देश्य

15.2. अनुवाद एवं भाषा विज्ञान

15.3. अनुवाद एवं ध्वनि विज्ञान

15.4. अनुवाद और शब्द विज्ञान

15.5. अनुवाद और रूप विज्ञान

15.6. भाषा के विभिन्न स्तरों पर पाठ्य सामग्री की प्रतिस्थापना

15.7. अनुवाद और वाक्य विज्ञान

15.8. अनुवाद और अर्थ विज्ञान

15.9. प्रोक्ति विज्ञान

15.10. निष्कर्ष

15.11. सारांश

15.12. संभव्य प्रश्न

15.13. उत्तर अभ्यास के प्रश्नों के संबंध में

15.14. शब्दावली

15.15. संदर्भ ग्रंथ एवं निबंध

15.0. प्रस्तावना

प्रस्तुत इकाई में अनुवाद एवं भाषाविज्ञान के संबंध की जानकारी आपको प्रदान की जा रही है । अनुवाद एवं भाषा विज्ञान - इन दोनों का संबंध भाषा से है । भाषा विज्ञान के विभिन्न तत्वों के ज्ञान के बिना अनुवादक अपने कार्य में पूर्ण सफलता प्राप्त कर नहीं सकता । भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं का प्रश्रय लेकर अनुवादक स्रोत भाषा के कथ्य को लक्ष्य भाषा में समुचित अभिव्यक्ति प्रदान कर सकता है । प्रस्तुत घटक में भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं के साथ अनुवाद का संबंध स्पष्ट किया जा रहा है । इस संबंध के ज्ञान के बिना आप अनुवाद को सर्वांग सुंदर नहीं बना सकते ।

15.1. उद्देश्य

कोई भी विषय अन्य विषयों से संपूर्णतः मुक्त नहीं है । इसी प्रकार ज्ञान-विज्ञान की कोई भी शाखा अन्य शाखाओं से पूर्णतः असंपृक्त नहीं है । अनुवाद भी ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबद्ध है । भाषा विज्ञान और अनुवाद का संबंध भाषाओं के साथ है । अतः ये दोनों भाषाओं के विभिन्न अंगों के विवेचन में एक-दूसरे से पूर्णतः संबंधित हैं । भाषाओं की विभिन्न इकाइयों का ज्ञान अनुवाद के लिए अत्यंत आवश्यक है । अनुवाद इस पूर्ण ज्ञान को भाषा विज्ञान की शाखाओं का प्रश्रय लेकर प्राप्त करता है । भाषा विज्ञान की निम्न लिखित शाखाओं से अनुवाद का संबंध है - ध्वनि विज्ञान, शब्द विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान एवं प्रोक्ति विज्ञान ।

उपर्युक्त प्रमुख शाखाओं के अतिरिक्त भाषा विज्ञान की गौण शाखाओं के साथ भी अनुवाद का सन्निकट संबंध है । समाज मनोविज्ञान, बोली विज्ञान, बोली सर्वेक्षण आदि के ज्ञान के बिना अनुवाद सफल नहीं हो सकता । स्रोत भाषा में निहित विचारों को सक्षम रूप से लक्ष्य भाषा में प्रतिस्थापित करने हेतु अनुवादक भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों का प्रश्रय ग्रहण करता है । इस निबन्ध में अनुवाद एवं भाषा विज्ञान के पारस्परिक संबंध को निरूपित किया गया है । इस निरूपण के ज्ञान के बिना छात्र अनुवाद कार्य में निष्णात नहीं बन सकते । छात्रों को अनुवाद कला में निष्णात बनाना ही प्रस्तुत घटक का लक्ष्य है ।

15.2. अनुवाद एवं भाषा विज्ञान

ज्ञान-विज्ञान की विभिन्न शाखाओं के साथ अनुवाद का सन्निकट संबंध है । अनुवाद एवं भाषा दोनों ही सामाजिक उपलब्धियाँ हैं । अनुवाद दो भाषाओं के बीच में सम्पन्न होता है । इन भाषाओं की विभिन्न इकाइयों का पूर्ण ज्ञान अनुवादक के लिए अत्यंत आवश्यक है । इन इकाइयों का पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने हेतु अनुवादक को भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं का प्रश्रय ग्रहण करना पड़ता है । भाषा विज्ञान की छः शाखाएँ हैं ।

अनुवाद का संबंध भाषा विज्ञान की शाखाओं के साथ है । अनुवाद का प्रत्यक्ष संबंध भाषा विज्ञान की निम्न लिखित शाखाओं के साथ है -

1) ध्वनि विज्ञान
2) शब्द विज्ञान
3) रूप विज्ञान
4) वाक्य विज्ञान
5) अर्थ विज्ञान
6) प्रोक्ति विज्ञान ।

स्रोत भाषा में व्यक्त विचारों को लक्ष्य भाषा में व्यक्त करने की प्रक्रिया ही अनुवाद है । इस प्रक्रिया रूपी यज्ञ को सफल बनाने हेतु अनुवादक रूपी याज्ञिक को भाषा के विभिन्न अंग-ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य, अर्थ, प्रोक्ति आदि का पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता पड़ती है । इन छः अंगों के पूर्ण विवेचन के बिना अनुवाद सक्षम बन नहीं सकता । इन अंगों की पूर्ण जानकारी के लिए अनुवाद भाषा विज्ञान का दरवाज़ा खटखटता हे । भाषा विज्ञान अनुवाद विज्ञान को यह सूचित करता है कि स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा में वाक्यों का निर्माण किस क्रम से होना चाहिए और स्रोत भाषा की ध्वनि किस प्रकार लक्ष्य भाषा में बदलती है । मूल पाठ के रूपांतरण में अनुवाद भाषा विज्ञान की सहायता ग्रहण करता है । आगे अनुवाद और भाषा विज्ञान की प्रत्येक शाखा के सम्बन्ध का निरूपण किया जा रहा है ।

15.3. अनुवाद और ध्वनि विज्ञान

व्यक्तिवाचक संज्ञा, पारिभाषिक एवं सांस्कृतिक शब्दावली आदि को स्रोत भाषा से लक्ष्य भाषा में लाने में अनुवादक ध्वनि विज्ञान का सहारा लेता है । वर्णनात्मक ध्वनि विज्ञान और तुलनात्मक ध्वनि विज्ञान दोनों की सहायता से यह जानकारी हासिल करता है कि स्रोत भाषा की अमुक ध्वनि के लिए लक्ष्य भाषा में सम तुल्य और प्रतिनिधि ध्वनि कौन सी है । कतिपय ध्वनियाँ दोनों भाषाओं में पूर्णतः समान होती हैं । चन्द ध्वनियाँ लगभग समान होती हैं और कतिपय ध्वनियाँ बिल्कुल अलग होती हैं । चन्द ध्वनियाँ एक भाषा में ही होती हैं । तमिल भाषा में 'ठ' की ध्वनि हिन्दी 'त' से यत्किंचित भिन्न होती है । मराठी, तेलुगु और कन्नड में अतिरिक्त 'ळ' है, जो हिन्दी में नहीं है । तेलुगु का शकट रेफ 'र'

एवं अर्धानुस्वार बंगाली, हिन्दी आदि भाषाओं में नहीं है । इन सब की जानकारी अनुवादक ध्वनि विज्ञान से प्राप्त करता है ।

15.4. अनुवाद और शब्द विज्ञान

शब्द विज्ञान के अन्तर्गत शब्दों का अध्ययन होता है । शब्द में भाषा की सभी इकाइयाँ आती हैं । संबंध तत्व के जुड़ने से शब्द के रूप बनते हैं । इन रूपों से वाक्य बनता है । शब्द रचना विधान की जानकारी शब्द विज्ञान से प्राप्त होती है । शब्द रचना, वाक्य में शब्द प्रयोग, उपसर्ग, प्रत्यय, समास आदि के द्वारा नवीन शब्दों की रचना, शब्द के विभिन्न अर्थ, शब्द का वर्गीकरण आदि का सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त किए बगैर अनुवादक अपने कार्य में सफल नहीं हो सकता ।

15.5. अनुवाद और रूप विज्ञान : डॉ.मिताली जी का मत

अनुवाद में वाक्यों का रूपांतरण होता है । इसमें स्रोत भाषा के रूप एवं रूप समुच्चय के स्थान पर लक्ष्य भाषा के रूप एवं रूप समुच्चय निविष्ट किये जाते हैं । इन रूपों का ज्ञान रूप विज्ञान से प्राप्त होता है । रूप विज्ञान में भाषा के शब्दों की रूप रचना का विश्लेषण किया जाता है । डॉ.मिताली भट्टाचार्जी के शब्दों में भाषा रूपी वृक्ष की शाखाएँ वाक्य हैं तो उपशाखाएँ शब्द हैं । रूप उनमें लगे हुए फूल व पत्ते हैं । डॉ.टी.आर.भट्ट के शब्दों में - "रूप ही वह ईंट है जिससे भाषा के भवन को बनाने वाली वाक्य रूपी दीवार खड़ी होती है ।" अनुवादक भाषा में उपलब्ध रूपों को ही नहीं, वरन् अपनी प्रतिभा के बल पर नए रूप एवं रूप समुच्चय का प्रयोग कर सकता है । रूप रचना का पूर्ण ज्ञान अनुवादक को रूप विज्ञान से प्राप्त होता है ।

15.6. भाषा के विभिन्न स्तरों पर पाठ्य सामग्री की प्रतिस्थापना

पाठ्यक्रम दृष्टिकोण प्रसिद्ध भाषा वैज्ञानिक जे.सी.कैटफोर्ड ने प्रस्तुत किया है । उनके अनुसार अनुवाद स्रोत भाषा की पाठ्य सामग्री के लिए लक्ष्य भाषा की समतुल्य पाठ्य सामग्री द्वारा प्रतिस्थापन है । पाठ्य सामग्री एवं अनुवाद समतुल्यता की व्याख्या करते हुए कैटफोर्ड भाषा के विभिन्न स्तरों को महत्व देते हैं । स्वरः लेखिम, व्याकरण एवं शब्दकोटि के अलावा भाषा के अन्य सूक्ष्म स्तरों तक अनुवाद का जो प्रतिस्थापन होता है, उसका विशद विवेचन उन्होंने अपने 'लिंग्विस्टिक थियोरी ऑफ़ ट्रान्सलेशन' नामक ग्रन्थ में किया है । एम.ए.के.हालीडे जैसे संगठनवादी भाषा वैज्ञानिकों का अनुसरण करते हुए उन्होंने भाषा के रूप तत्वों को अर्थ की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है । हालीड़े द्वारा प्रतिपादित व्याकरण कोटियों का अनुवाद सिद्धांत के संदर्भ में कृत प्रयोग उनका प्रमुख योगदान है । डॉ.जी.गोपीनाथन के अनुसार सिद्धांत की कुछ सीमाओं के कारण वे अनुवाद के अर्थ पक्ष पर अधिक बल नहीं दे पाये हैं । उन के अनुसार नायडा जैसे भाषा वैज्ञानिकों के विचारों के आलोक में कैटफोर्ड के विचारों का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है ।

15.7. अनुवाद और वाक्य विज्ञान

भाषा का अस्तित्व वाक्य में है । शब्दों से वाक्य बनते हैं । रूप एवं रूप-समुच्चय वाक्य में शब्दों का रूपायन करते हैं । वाक्य-रचना-विधान, वाक्य-परिवर्तन आदि की जानकारी के बिना अनुवादक लक्ष्य भाषा में मूल भाषा की इकाइयों का प्रतिष्ठापन नहीं कर सकता । डॉ.मिताली के शब्दों में

अनुवादक लक्ष्य भाषा के वाक्यों में निहित शब्द क्रम जाने बिना अनुवाद कार्य कर ही नहीं सकता । अँग्रेज़ी और हिन्दी में शब्द क्रम अलग-अलग हैं -

I went to Delhi
मैं दिल्ली गया ।

अंग्रेजी में कर्ता और क्रिया के उपरान्त कर्म आता है । हिन्दी में कर्ता व कर्म के उपरान्त क्रिया पद आता है -

I caught a bird
मैंने विहंग को पकड़ा ।

द्रविड़ भाषाओं में क्रिया रहित वाक्य होता है - हिन्दी वाक्य में क्रिया होती ही है ।

उदा : कन्नड - अवनु श्रीमंत
तेलुगु - अतडु श्रीमंतुडु
हिन्दी - वह धनिक है

वाक्य रचना के उपर्युक्त रहस्य अनुवाद वाक्यविज्ञान से ही जान सकता है ।

15.8. अनुवाद और अर्थ विज्ञान

भाषा के अर्थ पक्ष का अध्ययन अर्थ विज्ञान का कार्य है । अर्थ विज्ञान की चार शाखाएँ हैं -

1) एक कालिक अर्थ विज्ञान
2) कालक्रमिक अर्थ विज्ञान
3) तुलनात्मक अर्थ विज्ञान
4) प्रायोगिक अर्थ विज्ञान

डॉ.मिताली भट्टाचारजी के शब्दों में अनुवाद कार्य में इन चारों से

सहायता ली जाती है । अनुवाद करते समय अनुवादक को प्रप्रथमतः अर्थ निर्धारण करना पड़ता है । मूलार्थ का निर्धारण करने के उपरान्त ही अनुवादक लक्ष्य भाषा में मूल पाठ को प्रस्तुत कर सकता है । अनुवादक शब्दों के कोशार्थ, लक्ष्यार्थ, व्यंग्यार्थ आदि को समझकर पदबंध, लोकोक्ति, मुहावरे आदि का अर्थ जानकर आगे बढ़ता है । मूल भाषा एवं लक्ष्य भाषा में निहित अर्थ तत्व की जानकारी के बिना अनुवादक पंगु बन जाता है । एक ही शब्द के भिन्न भिन्न अर्थ विभिन्न भाषाओं में होते हैं, यथा -

1) उपन्यास

तेलुगु और कन्नड में भाषण, हिन्दी और बंगाली में 'नॉवल' (Novel)

2) देवानां प्रिय

संस्कृत में मूलतः इसका अर्थ है देवताओं के लिए प्रिय व्यक्ति । बौद्ध युगीन संस्कृत में इसका अर्थ है - मूर्ख व्यक्ति और आधुनिक भाषाओं में मूर्ख । उपर्युक्त **अर्थ निर्धारण** अर्थ विज्ञान की सहायता से ही किया जा सकता है ।

15.9. प्रोक्ति विज्ञान

डॉ.भोलानाथ तिवारी भाषा विज्ञान की शाखाओं में प्रोक्ति विज्ञान को भी सम्मिलित करते हैं । इसके दो अर्थ है - 1) महा वाक्य विज्ञान 2) संपूर्ण प्रसंग संबंधी विश्लेषण । इसमें महा वाक्य अथवा प्रोक्ति का अध्ययन होता है ।

अनुवाद में मूल विचार

अनुवाद में अभिव्यक्ति सुन्दर हो तो कभी-कभी मूल-विचार ठीक नहीं बैठते । अनुवादक कहीं-कहीं मूल से भिन्न सा अनुवाद कर देता है । लक्ष्य भाषा

से अनूदित अंश को पुनः मूल में अनूदित करें तो यह फर्क मालूम होगा । फिर भी इस विडंबना के बावजूद अनुवाद प्रक्रिया सारे विषय को निकट लाने में सफल है । भाषा विज्ञान का प्रश्रय लेकर ही अनुवाद मूल विचार को सक्षम अभिव्यक्ति प्रदान कर सकता है ।

15.10. निष्कर्ष

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं के ज्ञान के बिना अनुवादक अपने कार्य में प्राण तत्व को भर नहीं सकता ।

"A picture is drawn on the board" का अनुवाद करते समय, संदर्भ एवं काल के विवेकात्मक विवेचन के साथ अनुवादक को 'बोर्ड' शब्द के विभिन्न अर्थों की जानकारी होनी चाहिए, वरना काला पट का नहीं, वरन् बोर्ड के लिए मंडल शब्द का प्रयोग करेगा ।

भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं के साथ अनुवाद का अत्यंत सन्निकट संबंध है । ध्वनि विज्ञान, शब्द विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान, प्रोक्ति विज्ञान आदि की सहायता से अनुवादक अभिव्यक्ति पक्ष को अत्यंत सफल एवं सुंदर बना सकता है । शब्द रचना,वाक्य में शब्द प्रयोग, उपसर्ग, प्रत्यय, समास आदि के द्वारा नवीन शब्दों की रचना, शब्द के विभिन्न अर्थ आदि का ज्ञान प्राप्त किए बिना अनुवाद कार्य में सफलता के क्षितिजों का स्पर्श नहीं किया जा सकता । वाक्यरचना विधान के ज्ञान के बिना अनुवादक लक्ष्य भाषा में मूल भाषा की इकाइयों का प्रतिष्ठापन नहीं कर सकता ।

15.11. सारांश

ज्ञान-विज्ञान की विभिन्न शाखाओं के साथ अनुवाद का अत्यंत सन्निहित संबंध है । भाषा विज्ञान एवं अनुवाद का संबंध भाषा के साथ अत्यंत घनिष्ठ है । अतः इन दोनों के बीच में विद्यमान अद्‌भुत निकट संबंध स्वाभाविक है ।

अनुवादक को स्रोत भाषा के मूल पाठ को लक्ष्य पाठ में प्रतिष्ठापित करने हेतु भाषा की विभिन्न इकाइयों का भाषिक निर्वहण करना पड़ता है । स्रोत भाषा की ध्वनियों की प्रतिस्थापना लक्ष्य भाषा के ध्वनि-विधान के अनुसार करना पड़ता है । इसी प्रकार शब्द, रूप, वाक्य, अर्थ, प्रोक्ति आदि की प्रतिष्ठापना में भाषा विज्ञान के तत्वों का आधार ग्रहण करना पड़ता है । भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं की सहायता के बिना अनुवादक भाषान्तरण के कार्य में सफलता का तट छू नहीं सकता ।

प्रस्तुत घटक में यह निरूपित किया गया है कि अनुवाद एवं भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं के बीच अत्यंत सन्निकट संबंध है । ध्वनि विज्ञान, शब्द विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान, प्रोक्ति विज्ञान, बोली विज्ञान, कोश विज्ञान आदि की सहायता ग्रहण कर अनुवाद सर्वांग सुन्दर बनता है ।

वर्णनात्मक ध्वनि विज्ञान एवं तुलनात्मक ध्वनि विज्ञान के द्वारा अनुवादक यह जान पाता है कि स्रोत भाषा की विशेष ध्वनि के लिए लक्ष्य भाषा में उपलब्ध समतुल्य ध्वनि कौन-सी है ।

इसी प्रकार शब्द रचना विधान की जानकारी अनुवादक शब्द विज्ञान से प्राप्त करता है ।

रूप विज्ञान की सहायता से अनुवादक यह जान पाता है कि वाक्य में रूप की सहायता से ही शब्द सम्पूर्ण बन सकता है । स्रोत भाषा एवं लक्ष्य भाषा के रूपों का ज्ञान अनुवादक के लिए अत्यंत आवश्यक है ।

वाक्य विज्ञान के ज्ञान के बिना अनुवादक अपने कार्य में सफल नहीं हो सकता । अंग्रेज़ी और हिन्दी के वाक्यों के शब्द क्रम में भिन्नता है । अंग्रेजी में कर्ता, क्रिया और कर्म के क्रम से वाक्य निर्माण होता है, जबकि हिन्दी में कर्ता, कर्म और क्रिया के क्रम से वाक्य बनता है, यथा -

Rama sings a song
राम गीत गाता है ।

यह वाक्य-रचना-रहस्य अनुवादक वाक्य-विज्ञान की सहायता से प्राप्त करता है ।

इसी प्रकार अनुवादक भाषा विज्ञान की अर्थ विज्ञान शाखा के ज्ञान के बिना सफल नहीं हो सकता । एक ही शब्द का अर्थ भिन्न-भिन्न भाषाओं में अलग-अलग होता है - जैसे-हिन्दी में उपन्यास का अर्थ Novel है, जबकि तेलुगु और कन्नड में भाषण है । अर्थ विज्ञान की सहायता न ले तो हिन्दी वाक्य "यह उपन्यास सुन्दर है" का अनुवाद कन्नड़ में "ई भाषण सुन्दरवागिदे" के रूप में करेगा ।

इसी प्रकार भाषा विज्ञान की शाखा प्रोक्ति विज्ञान तथा अनुवाद के बीच में घनिष्ठ संबंध है ।

15.12. संभाव्य प्रश्न

1] भाषा विज्ञान और अनुवाद का संबंध निरूपित कीजिए ।

2] **टिप्पणी लिखिए -**

i) अनुवाद और शब्द विज्ञान

ii) अनुवाद और वाक्य विज्ञान ।

15.13. उत्तर अभ्यास के प्रश्नों के संबंध में

I] अनुवाद और भाषा विज्ञान का संबंध

इस प्रश्न के उत्तर में समूचे निबंध के अंशों का उल्लेख होना चाहिए । अनुवाद का संबंध ज्ञान की विभिन्न शाखाओं के साथ दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा है । अनुवाद का सब से अधिक सन्निहित संबंध भाषा विज्ञान के साथ है, क्योंकि अनुवाद एवं भाषा विज्ञान का समन्वय सेतु भाषा है, अर्थात् भाषा इन दोनों को जोड़ती है ।

अनुवाद स्रोत भाषा के मूल पाठ को लक्ष्य भाषा में प्रतिस्थापित करता है । इस प्रतिस्थापना में अनुवाद स्रोत भाषा की सामग्री के लिए लक्ष्य भाषा में प्रयुक्त ध्वनि रूप, शब्द रूप विधान, पद रूप, वाक्य विधान, अर्थ निरूपण, प्रोक्ति आदि का सक्षम ज्ञान भाषा विज्ञान की सहायता से प्राप्त करता है । भाषा विज्ञान अनुवाद को इस तथ्य की जानकारी देता है कि लक्ष्य भाषा के शब्दों का वास्तविक अर्थ क्या है, जैसे Pregnant Lady के लिए हिन्दी पर्याय क्या है ।

संस्कृत 'गर्भिणी' शब्द के हिन्दी में दो रूप हैं -

1) गर्भिणी (तत्सम)
2) गाभिन (तद्भव)

भाषा विज्ञान यह बताता है कि मानवी के लिए गर्भिणी शब्द का प्रयोग होता है और पशुओं के लिए गाभिन शब्द का प्रयोग होता है ।

उत्तर की समग्रता के लिए निम्न सूचित अंशों का विवरण अपेक्षित है -

1) अनुवाद और ध्वनि विज्ञान
2) अनुवाद और शब्द विज्ञान
3) अनुवाद और रूप विज्ञान
4) अनुवाद और वाक्य विज्ञान
5) अनुवाद और अर्थ विज्ञान
6) अनुवाद और प्रोक्ति विज्ञान

उपर्युक्त संबंधों का निरूपण सोदाहरण होना चाहिए ।

2] अ] अनुवाद और शब्द विज्ञान

प्रस्तुत घटक के 'अनुवाद एवं शब्द विज्ञान' परिच्छेद में उल्लिखित अंशों का विश्लेषण इस प्रश्न के उत्तर में अपेक्षित है , यथा -

1) अनुवाद में शब्दों की महत्व
2) भाषा विज्ञान की शब्द विज्ञान शाखा का कार्य क्षेत्र
3) अनुवाद और शब्द विज्ञान में शब्द रूप निर्णय
4) भाषा विज्ञान से अनुवाद की सहायता
   - i) शब्द रूप जानने में
   - ii) वाक्य में शब्द स्थान जानने में
   - iii) शब्द रचना विधान
   - iv) उपसर्ग, प्रत्यय, समास आदि के द्वारा नवीन शब्दों की रचना
   - v) शब्द के विभिन्न अर्थों की जानकारी
   - vi) शब्द वर्गीकरण

आ] अनुवाद एवं वाक्य विज्ञान

इस प्रश्न के उत्तर में निम्न सूचित अंश अपेक्षित हैं -

1) अनुवाद और वाक्य विज्ञान का संबंध
2) भाषा विज्ञान से अनुवाद की सहायता वाक्य निर्माण में
3) वाक्य में शब्द रूप जानने में
4) वाक्य रचना विधान
5) वाक्य परिवर्तन
6) वाक्य में शब्दों का क्रम
7) शब्द क्रम परिवर्तन से वाक्य में अर्थ परिवर्तन
8) क्रिया रहित वाक्य
9) कर्तृ रहित क्रिया
10) वाक्यों के प्रकार
11) वाक्य निर्माण में अन्य भाषा प्रभाव आदि

15.14. शब्दावली

1)	कर्म	-	Object
2)	इकाई	-	Unit
3)	स्रोत भाषा	-	Source Language
4)	लक्ष्य भाषा	-	Target Language
5)	व्यक्तिवाचक संज्ञा	-	Proper Noun
6)	सांस्कृतिक शब्दावली	-	Cultural Terminology
7)	वर्णनात्मक	-	Descriptive
8)	अमुक	-	Particular
9)	वर्गीकरण	-	Classification
10)	उपशाखाएँ	-	Sub branches
11)	स्वन	-	Sound
12)	भाषा वैज्ञानिक सिद्धांत	-	Linguistic Theory
13)	मनोविज्ञान	-	Psychology
14)	कोशार्थ	-	Dictionary Meaning

15) प्रोक्ति - Long Sentence, Discourse
16) विडम्बना - Disappointing, Ridiculousness
17) अनुस्यूत - Closely attached or linked to
18) समझौता - Compromise

15.15. संदर्भ ग्रन्थ एवं निबन्ध

निबन्ध

1. अनुवाद - श्री.पी.के.बाल सुब्रह्मणियन
2. अनुवाद : एक वैज्ञानिक कला (अनुवाद ग्रंथ से)
3. अनुवाद : एक विचार - जैनेन्द्र कुमार
4. अनुवाद कला का भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों के साथ संबंध - डॉ.टी.आर.भट्ट
5. अनुवाद का भाषा वैज्ञानिक पक्ष - श्री सत्य नारायण
6. अनुवाद - डॉ.मिताली भट्टाचारजी

ग्रन्थ

1. अनुवाद विज्ञान - डॉ.भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद कला:कुछ विचार - आनंद प्रकाश खेमणी, वेद प्रकाश
3. भाषा विज्ञान - आचार्य श्याम सुन्दरदास
4. भाषा विज्ञान - डॉ.भोलानाथ तिवारी
5. व्यावहारिक हिन्दी:भाग-1 - डॉ. सोमेश्वर सिंह व प्रो.राजेंद्रप्रसाद श्रीवास्तव

NOTES

NOTES

इकाई सोलह

अनुवाद : अन्य भाषा से हिन्दी में

16.0. प्रस्तावना

16.1. उद्देश्य

16.2. अनुवाद में ध्यातव्य तत्व

16.3. निष्कर्ष

16.4. सारांश

16.5. संभाव्य प्रश्न

16.6. उत्तर के अंश अभ्यास के प्रश्नों के संबंध में

16.7. संदर्भ निबंध व ग्रन्थ सूची

16.8. अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद

16.9. हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद

16.0. प्रस्तावना

पाठक बंधुओ, पूर्व इकाइयों में आपने अनुवाद विज्ञान के विभिन्न आयामों की जानकारी हासिल की है । प्रस्तुत अध्याय में अंग्रेज़ी से हिन्दी में और हिन्दी से अंग्रेजी में कतिपय परिच्छेदों का अनुवाद प्रस्तुत किया जा रहा है । सैद्धंतिक ज्ञान प्रायोगिक क्रिया के द्वारा परिपक्व हो सकता है । 'सत्य कहो' - यह सैद्धांतिक वाक्य है । यह सिद्धांत तभी सफल हो सकता है, जब हम इसे प्रायोगिक रूप देते हैं । इसी प्रकार अनुवाद के सिद्धांतों को जब तक आप व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत नहीं करते तब तक आपका अनुवाद कार्य सफल नहीं हो सकता । अन्य भाषा से हिन्दी में अनुवाद करते समय अनुवादक को यह देखना चाहिए कि मूल पाठ के सभी तत्व अनूदित पाठ में कथ्य और कथन की दृष्टि से सजीव छाया के रूप में अवतरित हो रहे हैं । अनुवाद कार्य वैश्विक बन रहा है । अतः इस कार्य में सावधानी अपेक्षित है । अनुवाद प्रक्रिया समूचे संसार में व्याप्त हो रही है । जीवन जगत की सभी दिशाओं में अनुवाद संव्याप्त हो रहा है । अंग्रेज़ी के कतिपय परिच्छेदों का अनुवाद यहाँ प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे कि पाठक अनुवाद कार्य के व्यावहारिक पक्ष से परिचित हो सकें ।

16.1. उद्देश्य

इतःपूर्व पठित इकाइयों में अनुवाद के सैद्धंतिक तत्वों का विश्लेषण किया गया है । प्रस्तुत घटक में अंग्रेज़ी के परिच्छेदों का अनुवाद हिन्दी में दिया जा रहा है । मूल पाठ एवं अनूदित पाठ की तुलना करते हुए पाठक अनुवाद प्रक्रिया के आयामों से परिचित होंगे और इस प्रकार अनुवाद कार्य को भविष्य में आगे बढ़ायेंगे ।

अनुवाद कार्य मौलिक साहित्य सृजन की तरह अत्यंत महत्वपूर्ण है । कथ्य और कथन की दृष्टि से स्रोत भाषा में निहित समस्त विशिष्टताओं की प्रतिस्थापना लक्ष्य भाषा में संपूर्णतः होनी चाहिए, अन्यथा अनुवाद का उद्देश्य सफल नहीं हो सकता ।

प्रस्तुत घटक में अनुवाद करते समय ध्यातव्य जिन विभिन्न तत्वों का उल्लेख किया गया है, उनके अतिरिक्त और भी कतिपय भाषिक तत्वों का पालन अपेक्षित है ।

अनुवादक सम्पूर्ण श्रद्धा एवं निष्ठा से अनुवाद कार्य को सफल बना सकता है । श्रद्धा के बिना कोई भी कार्य सफलता के शिखरों का स्पर्श कर नहीं सकता ।

प्रस्तुत निबन्ध के अन्त में जो परिच्छेद तथा उनके अनुवाद दिए गये हैं, उनका ध्यान पूर्वक मनन व समीक्षण अपेक्षित है ।

अनुवाद पद्धति के समस्त रहस्यों से छात्रों को परिचित कराना ही प्रस्तुत घटक का उद्देश्य है ।

16.2. अनुवाद में ध्यातव्य तत्व

अनुवाद करते समय निम्नसूचित तत्वों पर ध्यान देना चाहिए -

1. अन्य भाषा से हिन्दी में अनुवाद करते समय इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि हिन्दी वाक्य सरल व सुबोध ढंग से प्रस्तुत किये जा रहे हैं, अर्थात् अन्य भाषा वाक्य पद्धति के अनुसार नहीं, बल्कि हिन्दी भाषा की प्रकृति के अनुसार वाक्यों की रचना हो रही है ।

2. यदि रसात्मक साहित्य से संबंधित अंश का अनुवाद हो रहा हो तो अनुवाद की शैली आलंकारिक हो सकती है ।
3. यदि मूलपाठ वैज्ञानिक, तकनीकी अथवा प्रशासनिक विषय से संबंधित हो तो मूल पाठ का उचित शब्दानुवाद करना चाहिए ।
4. विषय के अनुरूप अनुवाद पद्धति का चयन होना चाहिए, अर्थात् शक्ति साहित्य के अनुवाद में भावानुवाद अपना सकते हैं, जबकि ज्ञान साहित्य के अनुवाद में शब्दानुवाद को अपनाना होगा । किन्तु यह शब्दानुवाद मक्षिका स्थाने मक्षिका वत् नहीं होना चाहिए ।
5. अनुवाद कार्य प्रारंभ करने से पहले स्रोत भाषा के मूल पाठ को ध्यान से पढ़ लेना चाहिए ।
6. अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न आयामों का पालन होना चाहिए, अर्थात् पठन, मनन, भाषांतरण, संयोजन, पुनःपठन, संशोधन आदि प्रक्रिया संबंधी तत्वों का निर्वहण होना चाहिए ।
7. मूल पाठ के शब्दों का अर्थ समझने के उपरांत लक्ष्य पाठ में उपलब्ध पर्यायवाची प्रतिशब्दों का चयन होना चाहिए ।
8. अनुवाद करते समय स्रोत भाषा के नियमों के अनुसार नहीं, लक्ष्य भाषा के नियमों के अनुसार वाक्य रचना होनी चाहिए, अर्थात् लक्ष्य भाषा के नियमों के अनुसार कर्त्ता, कर्म, क्रिया आदि शब्दों का संयोजन क्रम से होना चाहिए ।
9. अनुवाद करते समय विषय तथा भाषा के कोशग्रंथों का अवलोकन अत्यंत आवश्यक है ।
10. सहयोगिता अनुवाद हो तो विशेषज्ञों का सहयोग लेना चाहिए ।
11. यह देखना चाहिए कि लक्ष्य भाषा के व्याकरण के नियमों के अनुसार वाक्यों की रचना हो रही है ।
12. वाक्य रचना में पूर्ण विराम, अर्धविराम आदि विराम चिह्नों का प्रयोग होना चाहिए ।
13. मूल पाठ में प्रयुक्त प्रतीकों के समतुल्य प्रतीकों का चयन लक्ष्य भाषा में करना चाहिए ।
14. स्रोत भाषा के संकेतों का अनुवाद लक्ष्य भाषा में करते समय उस भाषा में उपलब्ध समतुल्य संकेतों का प्रयोग करना चाहिए ।
15. अनुवाद करते समय कठिन शब्दों के पर्याय याद न आयें तो अवश्य कोश ग्रंथ का अवलोकन करना चाहिए ।

16. स्रोत भाषा की प्रकृति के अनुसार नहीं, वरन् लक्ष्य भाषा की प्रकृति के अनुसार अभिव्यंजना प्रक्रिया का निर्वहण होना चाहिए ।

17. मूलपाठ के मुहावरे का अनुवाद करते समय यह देखना चाहिए कि लक्ष्य भाषा में उससे मिलता जुलता समानार्थक मुहावरा कौन-सा है । यदि समानार्थक मुहावरा न मिले तो स्रोत भाषा के मुहावरे का अनुवाद सरल भाषा में कर देना चाहिए ।

18. यह देखना चाहिए कि विषय, शब्द, पदबंध, मुहावरे, लोकोक्ति, अलंकार आदि सभी दृष्टियों से समतुल्यता के धरातल पर अनुवाद मानक रूप धारण कर रहा है ।

19. प्रशासनिक एवं शास्त्रीय विषयों के अनुवाद में लोकमान्य पर्याय, अर्थात् सरकार एवं शास्त्रों द्वारा अंगीकृत पर्यायों का प्रयोग करना चाहिए ।

20. पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग शास्त्र सम्मत होना चाहिए ।

21. अनुवाद कार्य के उपरांत यह देखना चाहिए कि मूल का कोई अंश लक्ष्य पाठ में छूटा तो नहीं है ।

22. डॉ.मिताली जी के अनुसार अनुवाद ऐसा होना चाहिए कि वह अनुवाद न लगे बल्कि मूल पाठ-सा लगे, अर्थात् अनुवाद पढ़कर लक्ष्य भाषा का पाठक वैसा ही आनंद प्राप्त करे, जैसा आनंद कि मूल पाठ का पाठक प्राप्त करता है ।

23. वाक्य विन्यास, शब्दक्रम आदि लक्ष्य भाषा के अनुरूप होने चाहिए ।

24. रसात्मक साहित्य का अनुवाद करते समय मूल के कतिपय शब्द एवं वाक्यों को छोड़ सकते हैं तथा अनुवाद को सक्षम बनाने हेतु चन्द अंशों को जोड़ भी सकते हैं ।

25. यह देखना चाहिए कि छोड़-जोड़ की इस प्रक्रिया में मूल भाव की क्षति नहीं हो रही है ।

26. अनुवादक को यह देखना चाहिए कि अनुवाद सहज और स्वाभाविक है । कहीं भी अस्वाभाविकता अथवा कृत्रिमता नहीं होनी चाहिए । तभी अनुवाद मानक कहला सकता है ।

27. डॉ.मिताली जी के शब्दों में अनुवाद का मूल लक्ष्य मूल अर्थ का स्पष्ट प्रतिपादन है । अतः अनुवादक को यह देखना चाहिए कि उसका यह भाषांतरण शब्द, भाव अर्थात् कथन एवं कथ्य की दृष्टि से सक्षम, समग्र एवं सुन्दर बन रहा है ।

28. व्यक्तिवाचक संज्ञाओं का अनुवाद नहीं करना चाहिए, अर्थात् व्यक्ति या स्थान के नाम का अनुवाद नहीं करना चाहिए ।

16.3. निष्कर्ष

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि किसी भी भाषा के परिच्छेद अथवा ग्रंथ का अनुवाद करते समय हमें अनुवाद सिद्धांतों का पूर्ण निर्वहण करना पड़ता है । व्यावहारिक रूप से जब तक आप स्त्रोत भाषा के मूल पाठ का अनुवाद, लक्ष्य भाषा में नहीं करते, तब तक आप अनुवाद कार्य के व्यावहारिक पक्ष की कठिनाइयों से परिचित नहीं हो सकते ।

'Sita is eating a mango'. इस अंग्रेजी वाक्य का अनुवाद हिन्दी में करते समय आपको यह ज्ञात होगा कि अंग्रेज़ी के 'a' का अनुवाद करने की आवश्यकता नहीं है । 'सीता एक आम खा रही है ' के बदले में आप को हिन्दी की प्रकृति के अनुसार 'सीता आम खा रही है' लिखना चाहिए । इसी प्रकार "He picked up a quarrel with me" का अनुवाद 'उसने मुझसे झगड़ा मोल लिया' या 'वह मुझसे झगड़ने लगा' के रूप में करना चाहिए ।

16.4. सारांश

अन्य भाषा से हिन्दी में अनुवाद करते समय अनुवादक को बहुत ही सावधानी बरतनी पड़ती है । अन्य भाषा से केवल हिन्दी में ही नहीं, बल्कि किसी भी दूसरी भाषा में अनुवाद करते समय अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न आयामों का निर्वहण अनिवार्य रूप से करना पड़ता है । मूल पाठ का पठन, पुनःपठन, स्त्रोत भाषा के पाठ में प्रयुक्त कठिन शब्दों का रेखांकन, उन शब्दों के अनुवाद का

पुनरीक्षण, अपेक्षित संशोधन एवं अनुवाद का अन्तिम रूपायन-इन सभी आयामों का निर्वहण करना पड़ता है ।

इस घटक में यह सूचित किया गया है कि अनुवाद करते समय किन तत्वों पर विशेष ध्यान देना चाहिए । अनुवाद कार्य विभिन्न नियमों के अनुपालन से सफल बनता है । स्रोत भाषा से लक्ष्य भाषा में अनुवाद करते समय निम्न सूचित अंशों का पालन आवश्यक है -

1. अनुवादक को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न तत्वों का समुचित पालन अनुवाद कार्य में किया जा रहा है ।
2. अनुवाद के विभिन्न सिद्धांतों का पालन भी अनुवाद कार्य को नई क्षमता प्रदान करता है ।
3. वाक्य निर्माण स्रोत भाषा के अनुसार नहीं, बल्कि लक्ष्य भाषा की प्रकृति के अनुसार होना चाहिए ।
4. अनुवाद कार्य का सम्बन्ध यदि रसात्मक साहित्य से हो तो शैली को आकर्षक बनाने का उपक्रम होना चाहिए ।
5. अनुवादक का सम्बन्ध वैज्ञानिक साहित्य से हो तो मूल पाठ का उचित सरल, सुबोध शब्दानुवाद करना चाहिए ।
6. विषय के अनुरूप अनुवाद शैली का चयन होना चाहिए ।
7. अनुवाद कार्य से पहले मूल पाठ को पूर्णतः पढ़ लेना चाहिए ।
8. मूल पाठ के शब्द, प्रतीक आदि के लिए लक्ष्य पाठ में उपलब्ध समतुल्य शब्दों का चयन आवश्यक है । इस प्रकार इस घटक में सूचित अन्य ध्यातव्य तत्वों का निर्वहण करने से अनुवाद कार्य सक्षम और सफल बन सकता है ।
9. व्यक्तिवाचक संज्ञाओं का अनुवाद नहीं करना चाहिए ।

ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य, अर्थ, प्रोक्ति आदि स्तरों पर अनुवाद कार्य को सक्षम एवं समग्र बनाने का प्रयत्न करना अत्यंत आवश्यक है ।

16.5. संभाव्य प्रश्न

I] अंग्रेजी से अथवा अन्य भाषा से हिन्दी में अनुवाद करते समय अपेक्षित ध्यातव्य तत्वों का आकलन कीलिए ।

II] हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

15th August is the most auspicious day in the history of India. This is the day when the shackles of Mother India in bondage were broken as under after hundreds of years of foreign yoke and when the sacrifices of crores of sons of the soil bore fruit, this day. The foreign Government notified the end of their rule over India. But this very day our dear mother was cut off into two pieces and this was followed by bloodshed, the like of which is not to be traced in the history of whole world.

16.6. उत्तर के अंश अभ्यास के प्रश्नों के संबंध में

I] अंग्रेज़ी या अन्य भाषा से हिन्दी में अनुवाद करते समय ध्यातव्य तत्व

अंग्रेज़ी से अथवा किसी भी अन्य भाषा से हिन्दी में अनुवाद करते समय निम्न सूचित तत्वों पर ध्यान देना चाहिए -

1. विषय के अनुरूप अनुवाद शैली का चयन होना चाहिए, अर्थात् शक्ति साहित्य का अनुवाद करते समय रोचक शैली का प्रयोग होना चाहिए ।
2. अलंकृत शैली का प्रयोग काव्यानुवाद में होना चाहिए ।
3. वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद करते समय उचित शब्दानुवाद शैली अपनानी चाहिए ।
4. हिन्दी की प्रकृति के अनुसार अनुवाद में वाक्यों का निर्माण होना चाहिए ।
5. मूल पाठ की समस्त विशेषताओं को कथ्य एवं कथन शैली की दृष्टि से पूर्णतः लक्ष्य भाषा में प्रतिष्ठापित करने का प्रयत्न करना चाहिए ।

6. हिन्दी भाषा की प्रकृति के अनुसार मूल पाठ के संश्लिष्ट वाक्य का अनुवाद लक्ष्य पाठ में सरल वाक्यों में भी किया जा सकता है ।
7. प्रतीकों का अनुवाद करते समय लक्ष्य भाषा में उपलब्ध समतुल्य प्रतीकों का चयन करना चाहिए ।
8. प्रशासनिक एवं वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद करते समय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थाओं द्वारा गठित पारिभाषिक शब्दों का ही प्रयोग होना चाहिए ।
9. अनुवाद करते समय यह देखना चाहिए कि मूल पाठ की सामग्री लक्ष्य पाठ में समग्र रूप में प्रस्तुत की जा रही है ।
10. मूल पाठ का पठन, मनन, भाषान्तरण, संयोजन, पुनः पठन, संशोधन, अन्तिम रूपायन आदि अनुवाद प्रक्रिया सम्बन्धी तत्वों का निर्वहण अनुवाद में अपेक्षित है ।
11. वैज्ञानिक एवं प्रशासनिक साहित्य का अनुवाद करते समय अलंकृत शैली, प्रतीक शब्द प्रयोग, श्लेष अलंकार आदि का प्रयोग नहीं होना चाहिए ।
12. मूल पाठ का अर्थ पूर्णतः समझने के उपरान्त ही अनुवाद कार्य प्रारंभ करना चाहिए ।
13. स्रोत भाषा के नियमों के अनुसार नहीं, बल्कि लक्ष्य भाषा के नियमों के अनुसार वाक्य रचना होनी चाहिए ।
14. अनुवाद करते समय विषय तथा भाषाओं से सम्बन्धित कोश ग्रंथों का आवलोकन अत्यंत आवश्यक है ।
15. सहयोगिता अनुवाद में विशेषज्ञों का सहयोग लेना चाहिए ।
16. यह देखना चाहिए कि लक्ष्य भाषा के व्याकरण के नियमों के अनुसार वाक्यों की रचना हो रही है ।
17. मूल पाठ के प्रतीकों के समतुल्य प्रतीकों का चयन लक्ष्य भाषा में करना चाहिए ।
18. मूलभाषा के संकेतों के अनुवाद में लक्ष्य भाषा में उपलब्ध समतुल्य संकेतों का प्रयोग करना चाहिए ।
19. यह देखना चाहिए कि जोड़-तोड़ की प्रक्रिया में कहीं मूल भाव की क्षति तो नहीं हो रही है ।
20. व्यक्तिवाचक संज्ञाओं का अनुवाद नहीं करना चाहिए ।

इस घटक में सम्प्रदत्त अन्य तत्वों का भी उल्लेख अपेक्षित है ।

II] हिन्दी में अनुवाद

भारत के इतिहास में पंद्रह अगस्त एक बहुत महत्वपूर्ण दिन है, जबकि सैकडों वर्षों से अस्वतंत्र भारत माता की बेडियाँ कटीं तथा भारत के करोड़ों सुपुत्रों का परिश्रम सफल हुआ । इस दिन विदेशी सरकार की शासन सत्ता का अन्त हुआ, परन्तु इसी दिन हमारी प्रिय अखण्ड भारत माता के दो टुकड़े कर दिये गये और उसके पश्चात् सारे देश में ऐसा रक्तपात हुआ, जिसका उदाहरण संसार के इतिहास में मिलना कठिन है ।

16.7. शब्दावली

1.	वैश्विक	-	Global, Universal
2.	कतिपय	-	Some, A few
3.	व्यावहारिक	-	Practical
4.	मूल पाठ	-	Original Text
5.	प्रशासनिक	-	Administrative
6.	शक्ति साहित्य	-	Literature of Power
7.	चयन	-	Selection
8.	लक्ष्य भाषा	-	Target Language
9.	पूर्ण विराम	-	Full Stop
10.	कोश ग्रन्थ	-	Dictionary
11.	मुहावरा	-	Idiom
12.	पदबंध	-	Phrase
13.	लोक मान्य	-	Universally recognised
14.	शब्द क्रम	-	Order of words
15.	कृत्रिमता	-	Artificiality

16.8. सन्दर्भ निबंध व ग्रन्थ सूची

अ. ग्रन्थ

1. सरकारी कार्य विधि - डॉ.शिवराज वर्मा शास्त्री
2. अनुवाद विज्ञान - डॉ.भोलानाथ तिवारी
3. व्यावहारिक हिन्दी - भाग-1 - डॉ.कामता कमलेश
4. अनुवाद - डॉ.पी.आर.श्रीनिवास शास्त्री
5. अनुवाद : कला, सिद्धांत व प्रक्रिया - डॉ.रजनीकान्त पाण्डेय
6. व्यावहारिक हिन्दी:भाग एक - प्रो.सोमेश्वर सिंह एवं प्रो.राजेन्द्र प्रसाद यादव

आ] निबंध

1. वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य का अनुवाद - श्री वेदप्रकाश
2. सूचना साहित्य का अनुवाद - श्री अशोक
3. सरकारी अनुवाद - श्री विश्वदेव शर्मा
4. अनुवाद - श्री पी.के.बाल सुब्रह्मणियम
5. अनुवाद के प्रकार - डॉ.मिताली भट्टाचारजी
6. अनुवादः एक विचार - श्री जैनेंद्र कुमार

16.9. अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद

i] A well managed business is generally a reflection of a person or persons who have inherent or acquired qualities of leadership and direction. So a businessman to succeed must be a well-balanced and full-fledged man of talent. He must have a consistent mind for clearness, steadiness and firmness in his dealings with others. Consistency is achieved by self-discipline of high order.

The first main quality in the businessman is that he knows what he is talking about and what he means. Accurate action depends upon accurate thinking. The good businessman must be able to grasp his problems by treating them quantitatively.

एक सुव्यवस्थित व्यापार सामान्यतः ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों की प्रतिच्छाया है, जिनमें नेतृत्व या निर्देशन की योग्यता या तो जन्मजात है या उन्होंने प्राप्त कर ली है । इसलिए सफलता चाहनेवाले व्यवसायी के लिए यह आवश्यक है कि वह पूर्णतः संतुलित और प्रतिभावान हो । उसे दूसरों के साथ स्थिरता, दृढ़ता और स्पष्टता का व्यवहार करने के लिए स्थिर बुद्धि का होना चाहिए । स्थिरता ऊँचे दर्जे के आत्मानुशासन से प्राप्त होती है ।

एक व्यवसायी का प्रमुख और मुख्य गुण यह है कि वह यह जानता हो कि वह किस विषय की चर्चा कर रहा है और उसका क्या आशय है । सही विचार पर ही सही कार्य का होना निर्भर है । एक अच्छे व्यापारी को इतना योग्य होना चाहिए कि वह अपनी समस्याओं को सामूहिक रूप से सुलझा सके ।

2. Warrant of the President of India Appointing

Sri Dharamvira

To be Governor of West Bengal

By virtue of the power vested in me by article 135 of the Constitution of India, I, Radha Krishnan, President of India, hereby appoint Shri Dharamvira to be Governor of West Bengal in succession to Kum.Padmaja Naidu.

Given at Rashtrapati Bhavan, New Delhi, this twenty fourth day of April in the year One Thousand Nine Hundred and Sixty Six.

(Radha Krishnnan)
President of India

भारत के राष्ट्रपति का श्री धर्मवीर को पश्चिमी बंगाल का राज्यपाल नियुक्त करने का अधिपत्र

भारत के संविधान के अनुच्छेद 135 द्वारा मुझमें निहित शक्ति के आधार पर मैं, राधाकृष्णन, भारत का राष्ट्रपति कु.पद्मजा नायडु के उत्तराधिकार में श्री धर्मवीर को एतद्द्वारा पश्चिमी बंगाल का राज्यपाल नियुक्त करता हूँ ।

राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में दिनांक 24 अप्रैल, सन् एक हज़ार नौ सौ छियासठ को दिया गया ।

(राधाकृष्णन)
भारत के राष्ट्रपति

3. In ancient times, even upto a comparitively modern period, Indian Industry, based on handicrafts, was on a much higher level than that of contemporary Europe. The Indian Cotton Industry is as old as Indian Civilisation itself; and right to the beginning of the eighteenth century India continued to be the cotton manufacturer of the civilised world, with her fine products. Dacca Maslines because of their extremely fine texture, were described as "The shadow of a commodity" and the "work of fairies rather than of men". Indian silk fabrics are said to have been sold in Rome in their equivalent weight of gold.

प्राचीन काल में यहाँ तक कि अपेक्षाकृत आधुतिक समय में भारतीय उद्योगों का, जो हस्तशिल्प पर आधारित थे, स्तर समकालीन यूरोप से कहीं अधिक ऊँचा था । भारतीय वस्त्र उद्योग उतना ही पुराना है, जितनी भारतीय सभ्यता । अठारहवीं शतब्दी के आरम्भ तक भारत सभ्य दुनिया के लिए सूती वस्त्र तैयार करता था और उसका कपड़ा बहुत बढ़िया होता था । ढाका की मलमल बहुत बारीक होने के कारण 'वस्तु की छायामात्र' कहलाती थी और उसे 'मनुष्यों का काम' न बतलाकर 'परियों का काम' बतलाया जाता था । कहा जाता है कि भरतीय रेशमी वस्त्र रोम में अपने ही बराबर वजन के सोने में बेचे जाते थे ।

4. Advertising has been differently defined by different people. It is said to be nothing but purely and simply salesmanship in print. Dr. Jones defines it as a sort of machine-made, mass-production method of selling, which supplements the voice and personality of the individual salesman, much as in manufacturing the machine supplements the hands of the craftsman. Simply stated, advertising is the art of influencing human action, the awakening of the desire to possess and possess your product.

विज्ञापन की विभिन्न लोगों ने भिन्न-भिन्न प्रकार से परिभाषा की है । यह स्पष्ट और सरल रूप में विक्रय कला के मुद्रित रूप के अतिरिक्त और कुछ नहीं है । डॉ.जान्स के अनुसार यह उत्पादन को बहुत बड़ी मात्रा में बेचने की एक मशीन है जो एक विक्रय-कर्त्ता की वाणी और व्यक्तित्व की कमी को उसी प्रकार

पूरा करती है, जिस प्रकार उत्पादन कार्य में मशीन दस्तकार के हाथों की कमी को पूरा करती है । सरल रूप में कहें तो विज्ञापन मनुष्य को कार्य करने के लिए प्रेरित करने, उसमें वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा पैदा करने और उस वस्तु को रखने की इच्छा पैदा करने की कला है ।

5. With reference to your application dated 15.9.2002 for the post of an Accountant, I am pleased to offer you the appointment with effect from 1.12.2002 on a salary of Rs.2000/- per month in the grade of Rs.2000-100-3000-200-4000. You will in the first insance be appointed on a probation of six months, after which you will be confirmed, if your work is found satisfactory. After confirmation, you will be entitled to company's provident fund.

If the appointment is acceptable to you, let me hear from you by return of post. In case you decide to join with us, please attend this office on the 1st of December 2002 at 10.00 A.M.

आपके आवेदनपत्र दिनांक 15 सितंबर 2002 के संदर्भ में जो आपने लेखाकार के पद के लिए भेजा था, मुझे उक्त पद पर आपको नियुक्ति पत्र भेजने का हर्ष है, जो कि 1 दिसंबर 2002 से प्रभावी होगा और रु.2000-100-3000-200-4000 के वेतन क्रम में रु.2000 प्रतिमास वेतन दिया जाएगा । सर्वप्रथम आपको छः मास के परिवीक्षण पर रखा जाएगा और यदि आपका कार्य सन्तोषजनक पाया गया तो उस अवधि के अनन्तर आप का पद स्थायी कर दिया जाएगा । स्थायीकरण के बाद कम्पनी के भविष्यनिधि लाभ को आप प्राप्त कर सकेंगे ।

यदि आप को यह नियुक्ति स्वीकार्य है, तो कृपया लौटती डाक से मुझे सूचित करें । यदि आप हमारी कंपनी में काम करने का निश्चय करें तो 1 दिसंबर 2002 के प्रातः 10 बजे उपस्थित हो जाएँ ।

6. Marine insurance, which is the oldest form of insurance and which has existed in its present form for more than 700 years, potects merchants from losses due to sea perils and the importance of a country's overseas trade is largely to be ascribed to the high degree of security given by those specialising in the class of business. Marine insurance has moved hand-in-hand with the overseas trade during the past two centuries and the gradual increase in the volume of this trade has led to a corresponding increase in the importance of marine insurance.

समुद्री बीमा, बीमे का सबसे पुराना रूप है और 700 से अधिक वर्षों से इसी रूप में चला आ रहा है । इसके द्वारा व्यापारियों को समुद्री खतरों से होनेवाली हानि से बचाने का प्रयत्न किया जाता है । ऐसा बीमा करने वालों द्वारा दी गई सुरक्षा का किसी भी देश के विदेशी व्यापार को बढ़ाने में बहुत महत्व होता है । पिछली दो शताब्दियों से समुद्री बीमा और विदेशी व्यापार का घनिष्ठ सम्बन्ध रहा है और व्यापार बढ़ने के साथ-साथ समुद्री बीमे का महत्व भी बढ़ा है ।

7. The Consumers' Co-operatives or Consumers' Co-operative Stores are economic enterprises set up by the consumers for the

distribution of fundamental consumption of goods, primarily among the shareholders, who are called members of such organisations and who, by the virtue of their membership, have an equal voice in the control of organisation. These societies, established by the consumers, have no profit motive. Anyone can become a member by paying a small fee or buying a share.

'उपभोक्ता सहकारी समितियाँ अथवा 'उपभोक्ता सहकारी भंडार' उपभोक्ताओं द्वारा स्थापित आर्थिक प्रयास हैं, जिनका उद्देश्य आवश्यक उपभोगयोग्य वस्तुओं का मुख्य रूप से उन हिस्सेदारों के बीच में वितरण करना है, जो ऐसे संगठन के सदस्य कहलाते हैं । सदस्य के नाते ये संगठन के नियंत्रण में समान अधिकार रखते हैं । उपभोक्ताओं के द्वारा स्थापित इन समितियों का उद्देश्य लाभ प्राप्त करना नहीं होता । कोई भी मामूली शुल्क देकर या शेयर खरीदकर सदस्य बन सकता है ।

8. The importance of storekeeping in modern industry is not always appreciated as it should be. Whilst the production departments are well equipped, the storekeepers are hidden away in quarters, ill-equipped and with poor lighting conditions and are generally underpaid. No wonder, that loss of stock, wrong issue, unexpected running out of stock and incorrect vouchers are a continued source of delay to production and worry to production staff. For adequate and efficient handling, the work of storekeeping should be entrusted to competent persons, few in number, who

have a good memory and a fund of common sense. They should be good at figures.

आधुनिक उद्योगों में माल के भंडार-गृहों में जमा करने के महत्व पर पूरी तरह से ध्यान नहीं दिया जाता । उत्पादन-विभाग तो साज-सज्जा से सुसज्जित होता है, परन्तु भंडारियों को छोटे, अव्यवस्थित तथा अंधेरे क्वार्टरों में रहना पड़ता है और वे प्रायः कम वेतन पाते हैं । माल की हानि, गलत माल देना, अचानक ही माल खंत्म हो जाना गलत वाऊचर बन जाना आदि ऐसी असुविधाओं का, जो माल के उत्पादन में विलम्ब करती हैं और कर्मचारियों के लिए सिर दर्द बनती हैं - होना कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है । भण्डार के काम को सुचारु रूप से चलाने के लिए कुछ ऐसे उपयुक्त व्यक्तियों को नियुक्त करना चाहिए जो योगय और समर्थ हों, जिनकी स्मरण शक्ति अच्छी हो और जो अच्छे समझदार हों । ऐसे लोगों को गणितीय ज्ञान भी होना चाहिए ।

16.10. हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद

1. राज केवल धर्म, नस्ल, जाति और लिंग के अथवा इनमें से किसी एक के आधार पर किसी नागरिक से भेदभाव नहीं बरतेगा । विशेषतः किसी नागरिक पर केवल धर्म, नस्ल, जाति और लिंग के अथवा इनमें से किसी एक के आधार पर निम्नलिखित बातों में किसी तरह की असमर्थता, विवशता, रोक या शर्त नहीं लगाई जाएगी :-

(क) दूकानों, आम भोजनालयों, होटलों और मनोरंजन की आम जगहों में प्रवेश ।

(ख) ऐसे कुओं, तालाबों, सड़कों और आम जगहों का उपयोग, जो सर्वथा या किसी अंश में सरकारी रुपये से चलती हों या जो जनता के उपयोग के लिए लगाई गई हों ।

The State shall not discriminate against any citizen on grounds of religion, race, caste, sex or any of them. In particular, no citizen shall be subject to any disability, liability, restriction or condition with regard to -

(a) Access to shops, public restaurants, hotels and places of public entertainment or

(b) The use of wells, tanks, roads and places of public resort maintained wholly or partly out of the revenues of the State or dedicated to the use of general public.

2. जिस देश में हम निवास करते हैं, वह हमारी मातृभूमि है । हमने इस देश में जन्म लिया है । हम यहाँ रहते हैं । यहाँ बढ़ते हैं तथा अन्त में हम इसी में लीन हो जाते हैं । हमें अपनी भूमि से उतना ही प्रेम करना चाहिए जितना हम अपनी माता से करते हैं । जो अन्य व्यक्ति हमारे साथ रहते हैं, उन्हें भी समान अधिकार प्राप्त हैं तथा वे हमारे बन्धु-बान्धव हैं । जिस प्रकार एक परिवार का मुखिया अपने सारे परिवार के हित का ध्यान रखता है तथा अपने व्यक्तिगत हित को कम महत्व देता है, उसी प्रकार हमें भी अपने मनों में अपने बन्धुओं के हित का ध्यान रखना चाहिए तथा अपने देश की उन्नति के लिए कार्य करना चाहिए । यदि हमें इस अभीष्ट की प्राप्ति में हानि उठानी पड़े तथा कष्ट सहन करने पड़े तो हमें इसकी ओर ध्यान नहीं देना चाहिए ।

The country in which we live, is our motherland. We are born in this country. We live here. We grow here and in the end we are

absorbed in it. We must love our land as much as we love our mother. Those, who live with us, have equal rights in this land and hence they are our brothren. Just as the head of a big family has always the welfare of the whole family rather than his own individual welfare at heart, similarly we must also have in our hearts the welfare of our brothren and the progress of our country. Even if we have to suffer or meet with difficulties in fulfilling this, we should not mind them.

3. यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री राम सिंह तीन वर्ष तक कालेज के छात्र रहे हैं और इस वर्ष बी.ए. की परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं और इन्होंने सारे विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है ।

ये परिश्रमी एवं बुद्धिमान विद्यार्थी हैं और इनका सदा अच्छा ही प्रभाव पड़ता रहा है । ये खेलों में बड़ी रुचि लेते रहे हैं और कॉलेज की हॉकी टीम के कप्तान रहे हैं । ये एक वर्ष पर्यन्त कॉलेज की पत्रिका के सम्पादक भी रहे हैं तथा कॉलेज की वाद-विवाद सभा तथा नाटक क्लब में भाग लेते रहे हैं ।

मुझे विश्वास है कि इनको जो भी कार्य-भार सौंपा जाएगा, उसे ये विवेक-बुद्धि तथा कुशलता से निभायेंगे । ये श्रेष्ठ एवं चरित्रवान हैं और मैं कामना करता हूँ कि इनको जीवन में सफलता प्राप्त हो ।

This is to certify that Mr.Ramsingh has been a student of this college for three years and passed the B.A.examination in the first division securing second position in the University this year. He is an

industrious and intelligent student and has always given a good account of himself. He took a keen interest in games and was a captain of the college hockey team. He acted as the editor of the college magazine for one year and took a leading part in the college debating society and dramatic club etc.

I am confident he would discharge most conscientiously and efficiently whatever duties are entrusted to him. He bears a good moral character and I wish him all success in life.

4. मुझे श्री हरिशंकर की, जो कि हमारी गली में डाक बाँटता है शिकायत करते हुए खेद हो रहा है । किन्तु मैं शिकायत करने के लिए विवश हो गया हूँ । वह कभी समय पर नहीं आता । अन्य डाकिये प्रातः 10 बजे के लगभग पत्र वितरित करते हैं । किन्तु हमारा डाकिया 12 बजे आता है । किसी-किसी दिन तो वह हमारे यहाँ बिलकुल आता ही नहीं और चिट्ठियाँ रख छोड़ता है ताकि दूसरे दिन उन्हें बाँट दे । कई बार वह मेरे पत्रों को मेरे पडोसियों को दे आया है । मैं उसे कई बार सावधान कर चुका हूँ, परन्तु उनका इस पर कुछ भी प्रभाव नहीं हुआ ।

क्या आप कृपा करके इस विषय पर ध्यान देंगे और उसके विरुद्ध उचित कार्यवाही करेंगे ?

I am sorry to have to complain against Shri Harishankar, the postman who delivers letters in our street. He is not punctual. Letters are delivered by other postmen at about 10.00 A.M. But our

postman appears in our street at about 12.00 noon, sometimes he does not come at all and keeps the letters for distribution with him till the next day. Several times, he has delivered my letters to my neighbours. I have warned him many a time with no good result.

Will you kindly look into the matter and take suitable steps against him.

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

इकाई सत्रह

पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद

17.0. प्रस्तावना

17.1. उद्देश्य

17.2. पारिभाषिक शब्दावली

17.3. विभिन्न शास्त्रों की पारिभाषिक शब्दावलियाँ

17.4. वैज्ञानिक साहित्य व शब्दावली का गठन व अनुवाद

17.5. अंतर्राष्ट्रीय शब्दावली

17.6. डॉ.रघुवीर द्वारा प्रतिपादित एवं गठित पारिभाषिक शब्द

17.7. शब्दों के प्रकार

17.8. पारिभाषिक शब्द

17.9. पारिभाषिक शब्द विषयक संप्रदाय

17.9.1. पुनरूद्धारवादी संप्रदाय

17.9.2. शब्द ग्रहणवादी संप्रदाय

17.9.3. हिन्दुस्तानी सम्प्रदाय

17.9.4. लोकवादी सम्प्रदाय

17.9.5. समन्वयवादी सम्प्रदाय

17.9.6. डॉ.भोलानाथ तिवारी का सुझाव

17.10. भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक शब्दावली का गठन

17.10.1. पारिभाषिक शब्दावली के विभिन्न वर्ग

17.10.2. इतिहास के आधार पर बने शब्द

17.10.3. प्रयोग के आधार पर बने हुए शब्द

17.10.4. सूक्ष्मता और स्थूलता के आधार पर बने हुए शब्द

17.10.5. स्रोत के आधार पर बने हुए शब्द

17.11. प्राचीन काल में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली

17.12. आधुनिक युगीन वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का गठन

17.12.1. विशिष्ट पारिभाषिक शब्द

17.13. निष्कर्ष

17.14. सारांश

17.15. संभाव्य प्रश्न

17.16. अभ्यास के प्रश्नों से संबंधित उत्तर के अंश

17.17. शब्दावली

17.18. संदर्भ ग्रंथ एवं निबंध

17.0. प्रस्तावना

प्रस्तुत इकाई में आप पारिभाषिक शब्दावली के विभिन्न तत्वों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे । आधुनिक वैज्ञानिक एवं तकनीकी युग में दिन-ब-दिन पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद का महत्व बढ़ता जा रहा है । पारिभाषिक शब्दावली के अंतर्गत आप ज्ञान-विज्ञान की विभिन्न शाखाओं की शब्दावली से परिचित होंगे । पारिभाषिक शब्द सभी भाषाओं में सुनिश्चित होते हैं । इन सुनिश्चित शब्दों के स्थान पर आप अन्य शब्दों का प्रयोग नहीं कर सकते । पारिभाषिक शब्दों के स्थान पर अन्य पर्यायों का प्रयोग नहीं हो सकता, यथा - Space के लिए 'अंतरिक्ष' शब्द का ही प्रयोग होना चाहिए । रोदसी शब्द का प्रयोग नहीं हो सकता । इसी प्रकार 'पुलिस' के लिए आरक्षक, पुलिस, पुलिस सिपाही, रक्षक भट आदि शब्द प्रयुक्त होते हैं, किन्तु हिन्दी में इस शब्द के लिए स्वीकृत शब्द आरक्षक है । प्रशासनिक साहित्य के अनुवाद में आरक्षक शब्द का ही प्रयोग होना चाहिए । इस घटक में पारिभाषिक शब्दावली, डॉ.रघुवीर द्वारा प्रतिपादित शब्द, शब्दों के प्रकार, पारिभाषिक शब्द विषयक विभिन्न संप्रदाय आदि की जानकारी आप हासिल करेंगे ।

17.1. उद्देश्य

पारिभाषिक शब्दावली भाषा की विशेष संपत्ति है । किसी भी भाषा में ज्यों-ज्यों वैज्ञानिक एवं प्रशासनिक साहित्य बढ़ता जायेगा, त्यों-त्यों उसकी पारिभाषिक शब्द संपत्ति भी बढ़ती जायेगी । पारिभाषिक शब्दावली का गठन अनुवाद के माध्यम से होता है । विदेशी भाषाओं में वैज्ञानिक साहित्य की प्रगति

हो रही है । उन भाषाओं को पढ़कर वैज्ञानिक साहित्य का ज्ञान प्राप्त करना संभव नहीं है । अनुवाद के माध्यम से उस साहित्य को हम अपनी भाषाओं में प्रतिस्थापित कर सकते हैं । पारिभाषिक शब्दों का गठन हमें अपनी भाषाओं में करनी चाहिए । Chemical Reaction पदबंध का अनुवाद अपनी भाषाओं में करते समय हम उन्हीं शब्दों का प्रयोग नहीं कर सकते । इसके लिए 'रासायनिक प्रतिक्रिया' पदबंध का निर्माण हुआ है । यह पारिभाषिक शब्द है । इसी प्रकार वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद करने हेतु हमें लक्षाधिक पारिभाषिक शब्दों का गठन करना है ।कतिपय पारिभाषिक शब्द दिये जा रहे हैं -

Triangle	-	त्रिभुज
Air Craft	-	विमान
Pilot	-	विमानचालक
Director General	-	महानिदेशक
Life Insurance	-	जीवन बीमा

प्रस्तुत घटक में विभिन्न शास्त्रों में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली पर प्रकाश डालते हुए, अद्यावधि गठित पारिभाषिक शब्दावली का परिचय दिया जा रहा है । इस घटक में पारिभाषिक शब्दों के प्रकार, अर्ध पारिभाषिक शब्द, पारिभाषिक शब्दों से सम्बन्धित सम्प्रदाय, पारिभाषिक शब्द निर्माण की प्रक्रिया, पारिभाषिक शब्दावली के वर्ग आदि का पूर्ण विवेचन किया जा रहा है ।

पारिभाषिक शब्दों की महत्ता से छात्रों को अवगत कर अंग्रेज़ी, रूसी आदि भाषाओं में उपलब्ध वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रशासनिक साहित्य के अनुवाद की क्षमता उनमें उत्पन्न करने के लक्ष्य से प्रस्तुत घटक प्रणीत है । पारिभाषिक शब्दावली के ज्ञान के बिना वैज्ञानिक व प्रशासनिक साहित्य की

सम्पत्ति हम अपनी भाषाओं में प्रवर्धित नहीं कर सकते हैं । पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया छात्रों को अनुवाद क्षेत्र में समग्र ज्ञान प्रदान करती है ।

17.2. पारिभाषिक शब्दावली

अनुवाद प्रक्रिया के कारण संसार की विभिन्न भाषाओं की शब्द संपत्ति दिन दूनी रात चौगुनी हो रही है । आधुनिक युग में वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति के कारण प्रत्येक भाषा में कथ्य एवं कथन के क्षेत्रों में अभूतपूर्व उन्नति दृग्गोचर होती है । विज्ञान ब्रह्माण्ड वटवृक्ष की भाँति अपनी शाखाएँ दसों दिशाओं में फैला रहा है । नये-नये आविष्कारों से संबंधित तथ्य, तत्व, कल्पना, संकल्पना आदि को अभिव्यक्ति प्रदान करने के लिए उपलब्ध शब्द संपत्ति की सहायता से नये-नये शब्द गठित किये जा रहे हैं ।

17.3. विभिन्न शास्त्रों की पारिभाषिक शब्दावलियाँ

विभिन्न विज्ञान, यथा - विधि, सांख्यिकी, जीवशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, भूगोल आदि विषयों में जो अभिव्यक्ति प्रधान सृजनात्मक साहित्य में नहीं आते, सूचना, विचार आदि की प्रधानता होती है । इनकी मुख्य समस्या पारिभाषिक शब्दों के गठन, उपलब्धि एवं प्रयोग की होती है । प्रत्येक शास्त्र में अपने अलग अलग पारिभाषिक शब्द होते हैं, जो निश्चित संकल्पनाओं के लिए गठित हैं ।

पाठकों की जानकारी एवं उपयोग के लिए पारिभाषिक शब्द अठारहवें घटक के अंत में दिये जा रहे हैं । कतिपय शब्द नीचे संप्रदत्त हैं ।

University	-	विश्वविद्यालय
United Nations Organisation	-	संयुक्त राष्ट्र संघ
Union Public Service Commission	-	संघ लोक सेवा आयोग
University Gransts Commission	-	विश्व विद्यालय अनुदान आयोग
Prime Minister	-	प्रधान मंत्री
Ministry of Energy	-	ऊर्जा मंत्रालय
Minister of Tourism	-	पर्यटन मंत्री
Ministry of Human	-	मानव संसाधन
Resources Development		विकास मंत्रालय

17.4. वैज्ञानिक साहित्य व शब्दावली का गठन व अनुवाद

वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद में पारिभाषिक शब्दावली की समस्या हमारे सम्मुख आती है ।

पारिभाषिक शब्दावली के पूर्ण ज्ञान के बिना शब्दावली का गठन एवं वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद संभव नहीं है । अंग्रेज़ी, रूसी आदि भाषाओं में पारिभाषिक शब्दावली अत्यधिक संख्या में गठित हैं । वैज्ञानिक प्रगति के साथ उन भाषा भाषियों ने विभिन्न संकल्पनाओं के लिए शब्द गठित कर लिये हैं । भारत में इस प्रकार की वैज्ञानिक उन्नति धीरे-धीरे हो रही है । पारिभाषिक शब्दों की समस्या भारतीय भाषाओं में अधिक गोचर होती है ।

17.5. अंतर्राष्ट्रीय शब्दावली

अंतर्राष्ट्रीय शब्दावली सर्वत्र मान्य हो रही है । डॉ.रघुवीर उन्हें स्वीकारने तैयार नहीं हैं । प्रसिद्ध माप-तौल के शब्दों के लिए भी वे नये शब्द गठित करते हैं । सर्वत्र प्रचलित अंग्रेज़ी शब्दों को भी वे स्वीकारते नहीं । उनके द्वारा प्रतिपादित पर्याय ये हैं -

पी.एच.डी.	-	दर्शन महाविज्ञ
पेट्रोल़	-	मातैल
रडार	-	तेजोन्मेष
रेडियो	-	नभोवाणी
मीटर	-	मान
किलामीटर	-	सहस्त्र मान
रीडर	-	प्रवाचक

17.6. डॉ.रघुवीर द्वारा प्रतिपादित एवं गठित पारिभाषिक शब्द

डॉ.रघुवीर संस्कृत के समर्थक हैं । वे अंग्रेज़ी पारि़भाषिक शब्दों के लिए नये-नये पर्याय शब्द सुझाते हैं, जिनका विवेचन डॉ.भोलानाथ जी ने अनुवाद विज्ञा़न में किया है -

Canal	-	कुल्या	(नहर)
Road	-	रथ्या	(सड़क)
Railway Station	-	स्थाण	(स्टेशन)
Pen	-	मसिपथी	(कलम)
Acre	-	प्रहल	(एकड़)
Mill	-	निर्माणी	(मिल)
Bench	-	पटल	(मेज़)
Bulb	-	विद्युत्कान्द	(बल्ब)
Rickshaw	-	नरयान	(रिक्शा)
Ticket	-	संयान पत्र	(टिकट)
Rail	-	संयान	(रेल)
Tie	-	कण्ठ भूषण	(टाई)

डॉ.रघुवीर द्वारा गठित एवं प्रदिपादित उपर्युक्त शब्दों को डॉ.भोलानाथ तिवारी नहीं स्वीकारते, क्यों कि इनमें समन्वय तत्व का वर्जन है ।

17.7. शब्दों के प्रकार

शब्द चार प्रकार के हैं -

1. सामान्य जीवन संबद्ध शब्द
2. विशेष सामान्य शब्द
3. पारिभाषिक शब्द
4. अर्ध पारिभाषिक शब्द

सामान्य जीवन संबंद्ध शब्द

नित्य व्यवहार से संबंधित वस्तुओं एवं संकल्पनाओं के लिए सभी भाषाओं में ऐसे सामान्य शब्द होते हैं यथा - घर, घोड़ा, हाथी, दीवार आदि ।

व्याकरण से संबंधित सामान्य शब्द

व्याकरण से संबंधित साधारण शब्द ये हैं -

सर्वनाम - मैं, हम, तू, तुम, आप, वह, वे आदि ।
संज्ञा - शादी, पट, पेड़ आदि ।
विशेषण - अच्छा, बुरा आदि ।

विशेष सामान्य शब्द

ये अत्यंत साधारण शब्द हैं जिनका प्रयोग विशेष शास्त्रों में भी होता है, यथा -

शब्द	**शास्त्र जिसमें पारिभाषिक शब्द के रूप में यह शब्द प्रयुक्त होता है**
i) मेज़	काष्ठ कला
ii) कुरसी	काष्ठ कला
iii) धान	कृषि
iv) खाद	कृषि

अर्धपारिभाषिक शब्द : डॉ.मितालीजी एवं डॉ.भोलानाथजी का मत

कतिपय शब्द साधारण तथा पारिभाषिक दोनों ही रूपों में प्रयुक्त होते हैं । डॉ.मिताली भट्टाचारजी के शब्दों में ये शब्द जब सामान्य रूप में प्रयुक्त होते हैं तो सामान्य वर्ग में आते हैं और जब पारिभाषिक रूप में प्रयुक्त होते हैं तब पारिभाषिक शब्द वर्ग में आते हैं । इन्हें डॉ.भोलानाथ तिवारी जी उभयवर्गीय माध्यमिक मध्यस्थ या अर्ध पारिभाषिक नाम देते हैं । ये शब्द हैं -

उदाहरण -

कर	-	हाथ, किरण, 'करना' की धातु (सामान्य)
कर	-	लगान (अर्ध पारिभाषिक) - वाणिन्य शास्त्र में
बल	-	शक्ति (सामान्य)
	-	सेना (युद्ध शास्त्र में) - अर्ध पारिभाषिक
अर्थ	-	माना (साधारण)
	-	धन, भूमि (अर्थ शास्त्र में पारिभाषिक)

अर्धपारिभाषिक शब्द पारिभाषिक एवं सामान्य दोनों में प्रयुक्त होते हैं, यथा -

शब्द	**सामान्य अर्थ में**		**अर्ध पारिभाषिक अर्थ में**
1.स्वर	ध्वनि	=>	भाषा विज्ञान में अ, आ, इ, ई आदि अक्षरों के लिए
2.मत्तेभ	मद माता हाथी	=>	छंद : शास्त्र में एक समवर्ण वृत्त
3.संज्ञा	संकेत	=>	व्याकरण में एक शब्द भेद-नामवाचक पद-राम, भलाई

17.8. पारिभाषिक शब्द

शब्द भेद के अन्तर्गत पारिभाषिक शब्दों की संख्या अनुवाद के इस युग में तीव्र गति से बढ़ रही है । पारिभाषिक शब्द एक निश्चित विज्ञान शाखा में

सुनिश्चित संकल्पना एवं ... के लिए गठित होते हैं । वह शब्द एक ही निश्चित संकल्पना के लिए होता है । उसके पर्याय के लिए नहीं होते । एक निबंध या ग्रंथ में यदि सौ बार वह संकल्पना आये तो सौ बार वही पारिभाषिक शब्द प्रयुक्त होगा, यथा - डाकपाल शब्द का कोई अन्य पर्याय नहीं हो सकता । कतिपय पारिभाषिक शब्द नीचे दिए जा रहे हैं -

आरक्षक	-	Police
डाकिया	-	Post Man
अधिवक्ता	-	Advocate

17.9. पारिभाषिक शब्द विषयक संप्रदाय

पारिभाषिक शब्दावली के संबंध में पाँच सम्प्रदाय प्रचलित हैं -

i) पुनरुद्धारवादी सम्प्रदाय
ii) शब्द ग्रहणवादी सम्प्रदाय
iii) हिन्दुस्तानी सम्प्रदाय
iv) लोकवादी सम्प्रदाय
v) समन्वयवादी सम्प्रदाय

उपर्युक्त सम्प्रदायों के समर्थक अपने-अपने मत के अनुसार पारिभाषिक शब्दावली गठित कर रहे हैं । एक ही संकल्पना के लिए ये संप्रदाय भिन्न-भिन्न शब्द सुझाते है ।

17.9.1. पुनरुद्धारवादी संप्रदाय

पुनरुद्धारवादी यह चाहते हैं कि गर्मी के बदले संस्कृत भाषा के ताप शब्द को अपनाकर उससे नये शब्द बना लें । इस सम्प्रदाय के सदस्य कार्यालय शब्द के पक्ष में हैं । अरबी-फ़ारसी भाषा के दफ़्तर, कानून, गुफ़्तगू

आदि शब्दों के खिलाफ़ हैं । इस सम्प्रदाय के विरोधी चाहते हैं कि पारिभाषिक शब्द केवल संस्कृत से नहीं, बल्कि अरबी फारसी से भी बना लें ।

इस सम्प्रदाय के शब्द इस प्रकार है -

i)	Rail	-	लोह पथ गामिनी
ii)	Socks	-	पाद भूषण
iii)	Tie	-	कंठ भूषण
iv)	File	-	संचिका
v)	Professor	-	आचार्य

इस संप्रदाय के अन्य नाम हैं राष्ट्रीयतावादी सम्प्रदाय और संस्कृतवादी सम्प्रदाय । डॉ.रघुवीर इस सम्प्रदाय के समर्थक हैं । ये समस्त पारिभाषिक शब्द संस्कृत से लेना एवं बनाना चाहते हैं । शब्दों के साथ उपसर्ग, प्रत्यय शब्दांश आदि लगाकर ये नये शब्द गठित करते हैं । इनका तर्क है कि संस्कृत अत्यंत उर्वर है । अतः हमें इसी भाषा की सहायता से पारिभाषिक शब्दों का निर्माण करना चाहिए । वे परभाषा शब्दों को नहीं स्वीकारते । उनके अनुसार परभाषा शब्द अर्द्ध मूल होते हैं । अंग्रेज़ी के थर्म शब्द से करीब 55 शब्द बनते हैं । इन 55 शब्दों को ले नहीं सकते । इनकी भरमार से भाषा का रूप विगड़ जायेगा ।

17.9.2. शब्द ग्रहणवादी संप्रदाय

शब्द ग्रहणवादी संप्रदाय के लिए प्रयुक्त अन्य नाम हैं आदानवादी, स्वीकरणवादी एवं अंतर्राष्ट्रीयतावादी । अंग्रेज़ीवादी लोग इस संप्रदाय के पक्ष में हैं । ये सम्प्रदाय के समर्थक पारिभाषिक शब्दों का गठन केवल संस्कृत से नहीं वरन् अंग्रेजी, रूसी, अरबी, फ़ारसी आदि भाषाओं के शब्दों की सहायता से करने के पक्ष में है । वे इन शब्दों को अन्तर्राष्ट्रीय रूप देना चाहते हैं । उनका तर्क है

कि वैज्ञानिक तथा अन्य शास्त्रीय विषयों की अभिव्यक्ति के लिए अंग्रेज़ी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दों को ग्रहण करना चाहिए । औचित्य की कसौटी पर कसकर इन शब्दों को अपनी भाषा की ध्वनि व्यवस्था के अनुरूप अनुकूलित कर लेना चाहिए, यथा -

1) **अंग्रेज़ी शब्द** **अनुकूलित शब्द रूप**

इंटरियम - अंतरिम

टेकनिकल - तकनीकी

इस सम्प्रदाय के विरोध में यह कहा जाता है कि विदेशी शब्दों के आधिक्य से हमारी भाषा विकृत बन जायेगी ।

17.9.3. हिन्दुस्तानी सम्प्रदाय

हिन्दुस्तानी सम्प्रदाय का अन्य नाम है - प्रयोगवादी सम्प्रदाय । इस संप्रदाय का जन्म स्थान उस्मानिया विश्वविद्यालय है । इसके परम समर्थक हैं पंडित सुंदरलाल । ये हिन्दी में हिन्दी, अरबी व फ़ारसी के समन्वय से शब्दावली बनाना चाहते हैं । डॉ.भोलानाथ तिवारी, सुंदरलालजी द्वारा गठित निम्न सूचित शब्दों का उल्लेख करते हैं -

अंग्रेजी शब्द	**सुंदरलालजी के शब्द**
Acceleration	चाल बढ़ावी
Absolution	आरोकवाद
Reaction	पलटकारी
Incorporate	एकतान करना
Emergency	अचानकी
President	राजपति
Governmental	शासनिक

17.9.4. लोकवादी सम्प्रदाय

यह सम्प्रदाय जनता में प्रचलित शब्दों को ग्रहण करने के पक्ष में है । यह अधिकतर 'आया राम गया राम' शब्द हैं । इस सम्प्रदाय में 'डिफेक्टर' के लिए 'दल बदलू' शब्द है । डॉ.भोलानाथ तिवारी इन शब्दों को हास्यास्पद बताते हैं । वे इस सम्प्रदाय के कतिपय शब्दों का उल्लेख करते हैं, यथा -

मेटर्निटी होम - जच्चा घर

पॉवर हाऊस - बिजली घर

17.9.5. समन्वयवादी सम्प्रदाय

इसका अन्य नाम है मध्यमार्गी । यह संप्रदाय सुविधा एवं औचित्य के अनुसार हिन्दी, अंग्रेजी, मराठी, संस्कृत, बंगाली आदि भाषाओं के शब्द ग्रहण करने के पक्ष में है । प्रमुखतः निम्नसूचित भाषाओं से पारिभाषिक शब्द अपनाने के पक्ष में है -

1. अंग्रेजी
2. प्राकृत
3. संस्कृत
4. प्राचीन एवं मध्यकालीन भाषाएँ
5. आधुनिक भाषाएँ

यह सम्प्रदाय समन्वय की स्फूर्ति से पारिभाषिक शब्दों का निर्माण करना चाहता है ।

17.9.6. डॉ. भोलानाथ तिवारी का सुझाव

डॉ.भोलानाथ तिवारी समन्वयवाद के पक्ष में हैं । उनका सुझाव है कि यथा संभव अन्तर्राष्ट्रीय शब्दावली ली जाए । शब्द यदि मूल रूप से चल सकें

तो वैसें ही ग्रहण करें । वे कहते हैं कि जिन शब्दों में ध्वनि परिवर्तन या अनुकूलन चाहिए उनमें वैसा कर लिया जाये । हमारी भाषाओं में जो अंग्रेज़ी शब्द चल रहे हैं उन्हें स्वीकार करना चाहिए । आकाशवाणी, दूरदर्शन चिकित्सा, वस्त्र उद्योग, रसायन शास्त्र, ऋतु विज्ञान, विद्युत, अणुविज्ञान, कृषि, नक्षत्र शास्त्र, अभियांत्रिकी आदि शास्त्रों में प्रचलि शब्दों को अपनाना चाहिए । डॉ.तिवारीजी कहते हैं कि ग्राम, मीटर, वोल्ट, वाट, क्यालेरी, लीटर आदि मोल तोल की इकाइयाँ यथावत् ग्रहण करनी चाहिए ।

सटीक शब्द प्राचीन एवं आधुनिक सभी भाषाओं से ग्राह्य हैं । सर्वोच्च समितियों ने समन्वय सिद्धांत का समर्थन किया है । वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग इसी सिद्धांत पर शब्द गठन कर रहा है ।

17.10. भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक शब्दावली का गठन

भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक शब्दावली का गठन अब तेज़ी से हो रहा है । संस्कृत भाषा के आधार पर लक्षाधिक पारिभाषिक शब्द गठित हुए हैं । स्रोत भाषा के पारिभाषिक शब्दों को अनुवादक अपनी भाषा प्रकृति के अनुसार अनुकूलित कर अपना रहा है, यथा Interim के लिए अंतरिम, एकाडमी के लिए अकादमी । अंतर्राष्ट्रीय शब्दावली को अनुवादक अपना रहे हैं । अपनी भाषा के शब्दों में धातु, उपसर्ग, प्रत्यय आदि जोड़कर नये शब्दों का गठन कर रहे हैं ।

17.10.1. पारिभाषिक शब्दावली के विभिन्न वर्ग

पारिभाषिक शब्दों को निम्न सूचित वर्गों में विभाजित किया जाता है -

i) ऐतिहासिक आधार पर बने शब्द
ii) प्रयोग के आधार पर बने शब्द
iii) सूक्ष्मता एवं स्थूलता के आधार पर बने शब्द
iv) स्त्रोत के आधार पर बने शब्द

17.10.2. इतिहास के आधार पर बने शब्द

ये शब्द इतिहास के साथ-साथ गृहीत एवं प्रचलित होते हैं यथा -

1) तत्सम

i) Atom - अणु

ii) Electricity - विद्युत

2) तद्भव

i) Acknowledgement - पावती

ii) File - मिसिल

3) विदेशी शब्द

i) किलोग्राम
ii) डॉक्टर
iii) रोड़
iv) बिल

17.10.3. प्रयोग के आधार पर बने हुए शब्द

प्रयोग के आधार पर बने हुए पारिभाषिक शब्दों के तीन वर्ग हैं -

1. पूर्ण पारिभाषिक शब्द

ये विभिन्न शास्त्रों में प्रयुक्त होते हैं -

i) भाषा विज्ञान में - ध्वनिग्राम, रूपग्राम, स्वनिम
ii) नाट्य शास्त्र में - प्रकरी, पताका; सूत्रधार, प्रहरी, कंचुकी

iii) गणित में - बीजगणित, रेखा, त्रिभुज, अंक गणित, त्रिकोण

iv) चिकित्सा शास्त्र में - शल्य चिकित्सा, नाडी परीक्षा

v) अलंकार शासत्र में - रूपक, दीपक, उपमा

vi) छंद : शास्त्र - शार्दूल, आनंद

2. **अर्धपारिभाषिक अथवा मध्यस्थ वर्ग**

ये पारिभाषिक एवं सामान्य दोनों अर्थों में प्रयुक्त होते हैं, यथा -

असंगति - अलांकार शास्त्र में एक अलंकारा सामान्य भाषा में संगति का न होना ।

विधि - विधि में कानून, सामान्य भाषा में रीति

3. **सामान्य वर्ग** - सामान्य शाखा के शब्द हैं - मेज, बीज

ये क्रमशः काष्ठकला व गणित में पारिभाषिक हैं ।

17.10.4. सूक्ष्मता और स्थूलता के आधार पर बने हुए शब्द

सूक्ष्मता और स्थूलता के आधार पर बने हुए शब्दों के दो प्रकार हैं -

संकल्पना बोधक

ये शब्द संकल्पनाओं को व्यक्त करते हैं, यथा -

भौतिकी में - ताप, तापमापी, गति, सूक्ष्मता,

मनोविज्ञान में - विकार, जागृति

दर्शन में - मुक्ति, सृजन, सायुज्य

वस्तु बोधक

ये पारिभाषिक शब्द वस्तुओं को व्यक्त करते हैं -

i) रसायन शास्त्र - पोटाशियम, हैड्रोजन, नैट्रोजन

ii) प्राणि शास्त्र - जीवद्रव्य, नाडी

डॉ.तिवारी का मंतव्य है कि संकल्पना बोधक शब्द यथासाध्य अपनी भाषा के होने चाहिए ।

17.10.5. स्रोत के आधार पर बने हुए शब्द

स्रोत के आधार पर बने हुए शब्द तीन प्रकार के हैं ।

i) **भाषा में पहले से प्रयुक्त शब्द**

इसके अन्तर्गत वे शब्द आते हैं जो भाषा में पहले से प्रयुक्त हो रहे हैं । ये शब्द शुद्ध पारिभाषिक हो सकते हैं और सामान्य भी, यथा - जीव, मीठी आदि ।

ii) **अन्य भाषाओं से गृहीत शब्द**

ये शब्द परभाषा शब्द हैं । इनको अपनी भाषा की ध्वनि व्यवस्था के अनुसार परिवर्तित कर लेना चाहिए । अंग्रेज़ी से गृहीत शब्द -

हाइड्रोजन, ऑक्सिजन, सोडियम

iii) **अंतर्राष्ट्रीय पारिभाषिक शब्द** - विटो

iv) **मराठी शब्द** - सिब्बन्दी

v) **नवनिर्मित शब्द**

दो तीन शब्द, धातु, उपसर्ग आदि से नये शब्द बनते हैं यथा -

मंत्रिमंडल, कुलाधिपति, विश्वविद्यालय, आरक्षक, महानिरीक्षक

vi) **विषय के आधार पर**

विषय के आधार पर सहस्त्रों शब्द गठित हुए हैं - गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र, दर्शन, सांख्यिकी, समाज़ शास्त्र, भूगोल आदि शास्त्रों के आधार पर शब्द बनते हैं ।

17.11. प्राचीन काल में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली

वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली अनादि अनन्त काल से गठित होती आ रही है । आदि कंवि वाल्मीकि के रामायण में वैज्ञानिक शब्दावली उपलब्ध हैं, यथा - विमान, पवन की तरंगें आदि । महाभारत में समर शास्त्र की शब्दावली का विकास दिखाई देता है । 'अग्नि पुराण' में विभिन्न शास्त्रों की शब्दावलियाँ सुरक्षित हैं । संस्कृत में प्रणीत गणित शास्त्र, चिकित्सा शास्त्र, अश्वशास्त्र, गजशास्त्र, युद्धविद्या, खगोल शास्त्र, भूगोल शास्त्र, सस्य शास्त्र आदि के ग्रंथों में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावलियों का बोलबाला है । निस्संदेहतः संस्कृत एवं प्राकृत भाषाओं में पारिभाषिक शब्दावली का कभी न घटनेवाला भंडार उपलब्ध है । इस भंडार के आधार पर आधुनिक युग में नवीन वैज्ञानिक आविष्कारों से संबंधित संकल्पनाएँ गठित की जा रही हैं ।

17.12. आधुनिक युगीन वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का गठन

अंग्रेजी के माध्यम से चमत्कार समंचित; नवीन वैज्ञानिक आविष्कार एवं अन्वेषणों का परिचय जगत के विभिन्न भाषाभाषियों को प्राप्त हुआ है । अंग्रेज़ी माध्यम से प्राप्त यह ज्ञान-सम्पत्ति केवल कतिपय व्यक्तियों को संप्राप्त हुई । विश्व की विभिन्न भाषाओं में नवीन आविष्कारों से संबंधित साहित्य उपलब्ध हैं । उसे

प्राप्त करने का एक मात्र साधन अनुवाद है । इन विषयों का ज्ञान जब तक हम अपनी मातृभाषाओं के माध्यम से समुपार्जित नहीं करते तब तक हमारी भाषा सम्पत्ति बढ़ नहीं सकती और साथ ही पूर्ण ज्ञान की उपलब्धि संभव नहीं है । अतः हमारा कर्त्तव्य है कि हम अनुवाद के माध्यम से अपनी भाषाओं में अर्थात् हिन्दी, कन्नड, तेलुगु, तमिल, मलयालम, बंगाली, पंजाबी, उड़िया, गुजराती आदि में स्रोत भाषाएँ यथा अंग्रेज़ी, रूसी, फ्रांसीसी, जापानी, चीनी आदि में उपलब्ध वैज्ञानिक साहित्य एवं शब्दावली दोनों का सार सर्वस्व प्राप्त कर लें । इस दिशा में ठोस कदम उठाये जा रहे हैं - वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का गठन किया जा रहा है । एतत्परिणामतः भाषा की अभिव्यक्ति क्षमता बढ़ रही है ।

17.12.1. विशिष्ट पारिभाषिक शब्द

डॉ.जी.गोपीनाथन जी ठीक ही कहते हैं कि वैज्ञानिक व तकनीकी अनुवाद की विशिष्टता पारिभाषिक शब्दों के कारण ही संपन्न होती है । पारिभाषिक शब्द किसी विशिष्ट क्षेत्र में किन्हीं विशिष्ट अर्थों या संकल्पनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए गठित किये जाते हैं । इसलिए इनके अनुवाद में भी समस्याएँ उत्पन्न हो जाती हैं । वैज्ञानिक क्षेत्रों में संकेताक्षरों एवं अंतर्राष्ट्रीय शब्दावली का प्रयोग वैज्ञानिक अनुवादक को बहुधा करना पड़ता है । पारिभाषिक शब्दों का निर्माण एवं अनुकूलन वैज्ञानिक व तकनीकी अनुवाद की सबसे बड़ी समस्या है । भारत में शब्दावली निर्माण के प्रारंभिक कार्य हो चुके हैं । लोकप्रिय वैज्ञानिक साहित्य में पारिभाषिक शब्दवली की बहुलता नहीं होती लेकिन विशिष्ट वैज्ञानिक व तकनीकी विषयों के अनुवाद में विशिष्ट पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग आवश्यक होगा । जापान जैसे देशों में शब्दानुकूलन की प्रवृत्ति अधिक

दिखाई पड़ती है । विज्ञान की भाषा प्रमुखतः अन्तर्राष्ट्रीय होती जा रही है । अतः भारत को भी शब्द ग्रहण एवं अनुकूलन की दिशा में उदार नीति अपनानी होगी ।

17.13. निष्कर्ष

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि पारिभाषिक शब्दावली के ज्ञान के बिना हम सूचना-साहित्य का अनुवाद कर ही नहीं सकते । पारिभाषिक शब्दावली का गठन, उसके विभिन्न शास्त्रों के पारिभाषिक शब्दों का अनुवाद, शब्दों के विभिन्न प्रकार, पारिभाषिक शब्द विषयक संप्रदाय आदि का पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर आप वैज्ञानिक साहित्य आदि का सफल अनुवाद कर सकते हैं । आपको यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि पारिभाषिक शब्द, जो वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के द्वारा गठित हैं उन्हीं का प्रयोग करना चाहिए, यथा Income Tax के लिए 'आय कर' शब्द का ही प्रयोग करना अपेक्षित है । इसके बदले में आमदनीकर का प्रयोग नहीं कर सकते । इसी प्रकार Telephone के लिए 'दूरभाष' शब्द का ही प्रयोग करना चाहिए । पारिभाषिक शब्द महापुरूषों के चरित्र के समान हैं । ये नहीं बदलते ।

17.14. सारांश

अनुवाद प्रक्रिया के कारण संसार की सभी भाषाओं में पारिभाषिक शब्दों की संख्या दिन दूनी रात चौगुनी हो रही है । वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रशासनिक साहित्य के अनुवाद के लिए पारिभाषिक शब्दों की अत्यंत आवश्यकता है । पारिभाषिक शब्द का उदाहरण - 'Physical Reaction'

के लिए 'भौतिक प्रतिक्रिया' पदबंध का गठन हुआ है । इसी प्रकार निम्नसूचित पारिभाषिक शब्दों का गठन प्रशासनिक साहित्य के अनुवाद के लिए किया गया है -

1.	Inspector General of Police	-	आरक्षक महा निरीक्षक
2.	Secretary General	-	महासचिव
3.	Ministry	-	मंत्रालय

वैज्ञानिक तथा प्रशासनिक साहित्य का अनुवाद करते समय सरकार द्वारा स्वीकृत पारिभाषिक शब्दों का ही प्रयोग करना चाहिए ।

इस घटक में पारिभाषिक शब्दावली का गठन, उसकी महत्ता, इन शब्दों का स्त्रोत आदि का पूर्ण विवरण दिया गया है । यह सूचित किया गया है कि प्रत्येक शास्त्र के अपने अलग-अलग पारिभाषिक शब्द होते हैं । भिन्न-भिन्न संकल्पनाओं के लिए भिन्न-भिन्न पारिभाषिक शब्द सुनिश्चित हैं । इन शब्दों के ज्ञान के बिना वैज्ञानिक एवं पारिभाषिक शब्दों का अनुवाद नहीं हो सकता । भारत की प्रायः सभी भाषाओं में पारिभाषिक शब्दों की समस्या उत्पन्न हुई है ।

इस घटक में यह तथ्य प्रकाश में लाया गया है कि पारिभाषिक शब्दावली के क्षेत्र में कृत्रिम शब्दों का प्रयोग हो रहा है जिसका निवारण अत्यंत आवश्यक है । अन्तर्राट्रीय शब्दावली, शब्दों के विभिन्न प्रकार, विशेष व सामान्य शब्द, अर्ध पारिभाषिक शब्द, पूर्ण पारिभाषिक शब्द आदि का परिचय प्राप्त करना अत्यंत आवश्यक है ।

पारिभाषिक शब्दों के संबंध में निम्न सूचित पाँच सम्प्रदाय प्रचलित हैं -

i) पुनरूद्धारवादी सम्प्रदाय
ii) शब्द ग्रहणवादी सम्प्रदाय
iii) हिन्दुस्तानी सम्प्रदाय
iv) लोकवादी सम्प्रदाय
v) समन्वयवादी सम्प्रदाय

पारिभाषिक शब्दावली के गठन में समन्वयवादी संप्रदाय सर्वोत्तम है ।

इस घटक में पारिभाषिक शब्दावली के निम्न सूचित वर्गों का परिचय दिया गया है, यथा -

i) ऐतिहासिक आधार पर बने हुए शब्द
ii) प्रयोग के आधार पर बने हुए शब्द - रूप ग्राम, ध्वनिग्राम आदि
iii) सूक्ष्मता और स्थूलता के आधार पर बने शब्द - सृजन, ताप, मुक्ति आदि
वस्तुबोधक शब्द - हाइड्रोजन, जीवद्रव्य आदि
iv) स्त्रोत के आधार पर बने हुए शब्द - नव निर्मित शब्द ।

17.15. संभाव्य प्रश्न

I] पारिभाषिक शब्दवली के गंठन एवं अनुवाद का विश्लेषण कीजिए ।

II] **टिप्पणी लिखिए -**

अ) पारिभाषिक शब्दावली के विभिन्न प्रकार ।

आ) पारिभाषिक शब्दवली से संबंधित विभिन्न सम्प्रदाय ।

17.16. अभ्यास के प्रश्नों से संबंधित उत्तर के अंश

I] पारिभाषिक शब्दवली के गठन एवं अनुवाद का विश्लेषण

पारिभाषिक शब्दावली भाषा के क्षेत्र में प्राप्त हुई नई संपत्ति है । ज्यों-ज्यों वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रशासनिक साहित्य बढ़ रहा है, त्यों-त्यों पारिभाषिक

शब्दावली की आवश्यकता अधिकाधिक हो रही है । विज्ञान के क्षेत्र में जो नये-नये आविष्कार हो रहे हैं, उनके विवरण विदेशी भाषाओं में अधिक उपलब्ध हैं । इन ग्रंथों के अनुवाद के लिए पारिभाषिक शब्दों का गठन होना चाहिए । नई संकल्पनाओं के लिए नये शब्द गठित होते हैं । यथा 0.1= दशमलव एक । Corruption = भ्रष्टाचार, Income Tax = आय कर । प्रस्तुत प्रश्न के उत्तर में निम्न सूचित अंशों का विवरण अपेक्षित है -

i) पारिभाषिक शब्दों की आवश्यकता
ii) पारिभाषिक शब्दों की महत्ता
iii) विदेशी भाषाओं में गठित पारिभाषिक शब्द
iv) वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली
v) प्रशासनिक शब्दावली
vi) विभिन्न शास्त्रों की शब्दावलियाँ
vii) डॉ.रघुवीर द्वारा प्रतिपादित एवं गठित पारिभाषिक शब्दावली
viii) शब्दों के विभिन्न प्रकार
ix) पारिभाषिक शब्दावली से संबंधित विभिन्न संप्रदाय
x) डॉ.भोलानाथ तिवारी का सुझाव
xi) भारतीय भाषाओं में गठित वैज्ञानिक शब्दावली का गठन
xii) पारिभाषिक शब्दावली के विभिन्न वर्ग
xiii) प्राचीन काल में गठित शब्दावली
xiv) आधुनिक युग में गठित शब्दावली

उपर्युक्त अंशों का सोदाहरण परिचय आवश्यक है ।

II] टिप्पणी

अ] पारिभाषिक शब्दावली के विभिन्न प्रकार

पारिभाषिक शब्दावली की संख्या वैज्ञानिक उन्नति के साथ-साथ बढ़ती जा रही है । इन शब्दों के कई प्रकार हैं यथा -

i) अन्तर्राष्ट्रीय शब्द
ii) विशेष व सामान्य शब्द
iii) अर्ध पारिभाषिक शब्द
iv) पूर्ण पारिभाषिक शब्द

पारिभाषिक शब्दावली के विभिन्न वर्ग ये हैं -

i) ऐतिहासिक आधार पर बने हुए शब्द
ii) सूक्ष्मता एवं स्थूलता के आधार पर बने हुए शब्द
iii) स्त्रोत के आधर पर बने हुए शब्द
iv) विषय के आधार पर बने हुए शब्द

उपर्युक्त शब्दों के प्रकारों एवं वर्गों का सोदाहरण विश्लेषण अपेक्षित है ।

आ] पारिभाषिक शब्दावली से संबंधित संप्रदाय

पारिभाषिक शब्दावली का गठन संसार की विभिन्न भाषाओं में तीव्र गति से हो रहा है ।

वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य का अनुवाद करने हेतु वस्तुबोधक एवं संकल्पना बोधक नए शब्दों का गठन अत्यंत आवश्यक है ।

इन शब्दों के निर्माण में निम्न सूचित सम्प्रदाय प्रचलित हैं -

i) पुनरुद्धारवादी सम्प्रदाय
ii) शब्द ग्रहणवादी सम्प्रदाय
यह सम्प्रदाय विभिन्न भाषओं से पारिभाषिक शब्दों को ग्रहण करने के पक्ष में है ।
iii) हिन्दुस्तानी सम्प्रदाय
iv) लोकवादी सम्प्रदाय
v) समन्वयवादी सम्प्रदाय

उपर्युक्त सम्प्रदायों का सोदाहरण विवरण अपेक्षित है ।

17.17. शब्दावली

i)	अद्यावधि	-	Upto this date
ii)	सम्प्रदाय	-	School of thoughts, traditions
iii)	प्रशासनिक	-	Administrative
iv)	भूगोल	-	Geography
v)	समाज शास्त्र	-	Sociology
vi)	प्रशासन	-	Adminisration
vii)	संकल्पना	-	Concept
viii)	आकाशवाणी	-	Radio
ix)	प्रपाठक	-	Reader
x)	सर्वनाम	-	Pronoun
xi)	पारिभाषिक शब्द	-	Technical term
xii)	अर्धपारिभाषिक शब्द	-	Semi Tecnical term
xiii)	प्रयोगवादी	-	Experimentalistic
xiv)	अन्तर्राष्ट्रीय शब्दावली	-	International Terminology
xv)	दूरदर्शन	-	Television
xiv)	चिकित्सा विज्ञान	-	Medical Science
xvii)	वस्त्र उद्योग	-	Textile
xviii)	अणु शक्ति	-	Atomic Energy
xix)	अभियांत्रिकी	-	Engineering

17.18. संदर्भ ग्रंथ एवं निबंध

निबंध

1. पारिभाषिक शब्द और उनकी रचना तथा हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली - श्री गोपाल शर्मा
2. मशीनों से संबंधित पारिभाषिक शब्दों का हिन्दी अनुवाद - श्री विद्यासागर नंदा
3. सरकारी अनुवाद - श्री विश्वदेव शर्मा
4. अखबारी अनुवाद - श्री उग्रसेन गोस्वामी
5. सूचना साहित्य का अनुवाद - श्री अशोकजी

6.	वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य का अनुवाद	- श्री वेद प्रकाश
7.	विधि अनुवाद	- प्रो.बालकृष्ण
8.	अनुवाद की शैली	- आनंद प्रकाश खेमाणी
9.	अनुवाद : एक विचार	- जैनेन्द्र कुमार
10.	अनुवाद	- श्री.पी.के.बालसुब्रह्मणियन
11.	अनुवाद का भाषा वैज्ञानिक पक्ष	- डॉ.सत्यनारायण
12.	हिन्दी उर्दू	- डॉ.सत्येन्द्र
13.	अनुवाद : एक कला	- डॉ.तीर्थ वसंत
14.	अनुवाद	- डॉ.मिताली भट्टाचारजी

ग्रंथ

1. अनुवाद विज्ञान - डॉ.भोलानाथ तिवारी

NOTES

NOTES

NOTES

इकाई अठारह

पारिभाषिक शब्द

18.0. प्रस्तावना

18.1. उद्देश्य

18.2. पारिभाषिक शब्दों के गठन का लक्ष्य

18.3. पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद व गठन में ध्यातव्य तत्व

18.4. पारिभाषिक शब्दों के नमूने

18.5. निष्कर्ष

18.6. सारांश

18.7. प्रश्न

18.8. संभाव्य उत्तर

18.9. शब्दावली

18.10. संदर्भ ग्रंथ एवं निबंध

18.11. प्रशासन शब्दावली

18.12. शिक्षा संबंधी शब्दावली

18.13. पदनाम

18.14. सरकारी कार्यालयों के नाम

18.15. सरकारी पत्राचार में प्रयुक्त पद समुच्चय

18.16. पत्र-व्यवहार में प्रयुक्त होने वाले वाक्यांश

18.0. प्रस्तावना

प्रिय पाठक बंधुओ, प्रस्तुत इकाई का शीर्षक है पारिभाषिक शब्द । इसमें आप पारिभाषिक शब्दों के गठन के विभिन्न तत्वों से अवगत होंगे और साथ ही पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद व गठन में ध्यातव्य विभिन्न तत्वों का ज्ञान हासिल करेंगे । इस घटक में स्पष्टतः आपको यह सूचना दी जा रही है कि अनुवाद कार्य में तथा मूल पाठ में शासन एवं विभिन्न अधिकृत संस्थाओं द्वारा सुनिश्चित पारिभाषिक शब्दों का ही प्रयोग करना चाहिए, जैसे Library के लिए ग्रंथालय शब्द का ही प्रयोग होना चाहिए, न कि ग्रंथ भंडार, ग्रंथागार, पुस्तक भंडार आदि का । इस घटक के अंत में आप लोगों के ज्ञान भंडार को बढ़ाने हेतु विभिन्न पारिभाषिक शब्दों की सूचियाँ दी गई हैं । हमें पूर्ण विश्वास है कि अनुवाद के संबंध में लिखित इन इकाइयों से आप लाभान्वित होंगे तथा सफल सुयोग्य एवं स्तरीय अनुवादक बनकर सरस्वती की आराधना करेंगे । अनुवाद की परिधि आधुनिक वैज्ञानिक युग में श्रीकृष्ण से प्रदत्त पांचाली वसन की तरह अत्यंत विस्तृत बनकर मान व ज्ञान की रक्षा एवं संप्रसरण के सर्वोन्नत उत्तुंग श्रृंग तक पहुँच रही है ।

18.1. उद्देश्य

अनुवाद प्रक्रिया की उन्नति के साथ-साथ पारिभाषिक शब्दावली की प्रगति हो रही है । विभिन्न शास्त्रों में उपलब्ध ग्रंथों का अनुवाद संसार की सभी भाषाओं में हो रहा है । मूल भाषा में उपलब्ध शास्त्रीय एवं प्रशासनिक शब्दों के समतुल्य शब्दों का गठन लक्ष्य भाषाओं में करना चाहिए । प्रस्तुत घटक में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, विभिन्न अनुवाद

विद्यालय, राज्यों की अनुवाद संस्थाएँ आदि के द्वारा निर्मित एवं सरकार द्वारा स्वीकृत पारिभाषिक शब्द निबंध के अन्त में दिये जा रहे हैं । प्रमुखतः पारिभाषिक एवं वैज्ञानिक पारिभाषिक शब्दावली अधिक दी जा रही है । इन शब्दों तथा पर्यायवाची शब्दों के ज्ञान से छात्र अनुवाद कार्य में निष्णात बनेंगे । सरकारी काम काज में इन शब्दों के ज्ञान के बिना प्रशासनिक कार्य तथा अनुवाद कार्य नहीं किये जा सकते । इस घटक में यह भी सूचित किया गया है कि पारिभाषिक शब्दावली का गठन तथा अनुवाद करते समय किन विशेष तत्वों का ज्ञान रखना चाहिए । पाठकों को प्रशासनिक तथा वैज्ञानिक कार्य में दक्ष बनाना ही प्रस्तुत निबंध का उद्देश्य है ।

18.2. पारिभाषिक शब्दों के गठन का लक्ष्य

पारिभाषिक शब्दावली के गठन एवं अनुवाद करते समय कतिपय विशेष तत्वों का ध्यान रखना चाहिए । शास्त्र एवं शासन से संबंधित साहित्य को पूर्ण, सटीक, सरल एवं सुनिश्चित बनाने एवं उसके अनुवाद को मूल के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत करने हेतु पारिभाषिक शब्दों का गठन किया जाता है । प्रत्येक संकल्पना की सुनिश्चित परिभाषा दी जाती है, अर्थात् स्रोत भाषा के एक शब्द के लिए लक्ष्य भाषा का एक सुनिश्चित पर्याय होता है । उसे कोई बदल नहीं सकता ।

18.3. पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद व गठन में ध्यातव्य तत्व

पारिभाषिक शब्दावली का गठन एवं अनुवाद करते समय निम्न सूचित तत्व ध्यातव्य हैं -

1. पारिभाषिक शब्द सरल, सटीक एवं सुबोध हों ।

2. ये शब्द सर्वमान्य हों ।

3. वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग तथा राज्य स्तरीय एवं सरकार से मान्य संस्थाओं के द्वारा निर्धारित शब्दों का प्रयोग हो ।

4. संदर्भ, शास्त्र आदि के अनुसार विभिन्न शास्त्रों में प्रयुक्त शब्द का अर्थ ग्रहण करें, यथा - 'धातु' शब्द भिन्न - भिन्न शास्त्रों में भिन्न - भिन्न अर्थ देता है । शास्त्र विशेष के अनुसार इस शब्द का अर्थ ग्रहण करना चाहिए ।

5. पारिभाषिक शब्दों के अनुवाद एवं गठन में अनुवादक अपनी रुचि एवं व्यक्तित्व को स्थान नहीं दे । राष्ट्र भर में प्रचलित सामान्य अर्थ से समंचित अर्द्ध पारिभाषिक एवं पूर्ण पारिभाषिक शब्दों को ग्रहण करे ।

6. प्रयोग की सुविधा हेतु उच्चारण की दृष्टि से पारिभाषिक शब्द सरल होना चाहिए ।

7. अर्थ की दृष्टि से पारिभाषिक शब्द बहुत ही स्पष्ट होना चाहिए ।

8. प्रत्येक संकल्पना के लिए अलग-अलग पारिभाषिक शब्दों का गठन होना चाहिए अर्थात् किसी को यह शंका नहीं होनी चाहिए कि यह पारिभाषिक शब्द किस संकल्पना के लिए है ।

9. समूचे राष्ट्र में प्रचलित शब्दों को पारिभाषिक शब्दों के रूप में ग्रहण करे, ताकि सबके लिए अर्थ ग्रहण सुविधा जनक हो ।

10. पारिभाषिक शब्द में अतिव्याप्ति एवं अल्पव्याप्ति का दोष नहीं होना चाहिए ।

11. असमान संकल्पनाओं के लिए भिन्न-भिन्न पारिभाषिक शब्दों का गठन होना चाहिए ।

12. पारिभाषिक शब्द ऐसा हो, जिससे उस संकल्पना से संबंधित अन्य शब्दों का निर्माण किया जा सके, यथा - विभाग, विभागीय, राजनीति, राजनीतिक, राजनैतिक, राजनैतिकता आदि ।

13. समान श्रेणी में एकरूपता होनी चाहिए यथा - ध्वनिग्राम, लिपिग्राम, अर्थ ग्राम आदि ।

14. जहाँ तक हो सके पारिभाषिक शब्द व्याख्यात्मक नहीं होना चाहिए ।

15. पारिभाषिक शब्द ऐसा हो कि अवसर पड़ने पर उससे उपसर्ग, प्रत्यय आदि जोड़कर अन्य शब्द गठित किये जा सकें, यथा - अधिकार, अनधिकार, प्राधिकार, प्राधिकरण, अधिकारी, प्राधिकृत, अधिकरण आदि ।

16. हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में पारिभाषिक शब्दों का गठन संस्कृत की सहायता से अधिक हो सकता है, क्योंकि सभी भारतीय भाषाओं में संस्कृत शब्दों का प्रचलन है, यथा एलेक्ट्रिसिटी के लिए विद्युत, बिजली, विद्युत्तंत्री, विद्युन्नालिका, विद्युद्गृह, विद्युत्कार्यालय, अर्थ, अर्थ शास्त्र, आर्थिक, आर्थिकता, रसायन, रासायनिक, रसायन शास्त्र, रसायनवेत्ता, भूगोल, भौगोलिक, भौगोलिकता, भूगोल विभाग ।

17. पारिभाषिक शब्दों का गठन उर्वरता से समंचित संस्कृत, प्राकृत आदि भाषाओं के शब्दों से होना चाहिए, जिससे कि उनसे संबंधित अन्य संकल्पनाओं के लिए पर्यायवाची शब्दों का गठन किया जा सके -

यथा खेल, खिलाड़ी, अध्ययन, अध्येयता, अध्याय, अध्येय, अध्यापन, अध्यापक, अध्यापिका ।

18. उच्चारण की दृष्टि से पारिभाषिक शब्दों को सरल बना लेना चाहिए । ये सरल रूप जनता में प्रचलित हो गये हों तो शीघ्र सर्वजन स्वीकृत हो जायेंगे । जनता में प्रचलित रूपों को अपनाना चाहिए, यथा -

सिगनल - सिंगल, हास्पिटल - अस्पताल ।

19. विदेशी पारिभाषिक शब्दों को ग्रहण करते समय ग्रहण करने वाली भाषा की ध्वनि-व्यवस्था के अनुसार, उन शब्दों का अनुकूलन कर लेना चाहिए, यथा -

सैकल - Cycle = साइकल
हैस्कूल - High School = हाई स्कूल

20. अंतर्राष्ट्रीय शब्दों में विभिन्न भाषाएँ अपनी ध्वनि व्यवस्था, उच्चारण भंगिमा एवं प्रकृति के अनुसार ध्वनि परिवर्तन कर लेती हैं ।

डॉ.भोलानाथ तिवारी जी ने अनुवाद विज्ञान में अंग्रेजी, स्पेनी आदि भाषाओं के उदाहरण दिये हैं, यथा -

अंग्रेजी - Isotope
स्पैनी - Isotopo
रूसी - Izatop

Mother, Father, Brother आदि शब्दों को मूल भाषा की ध्वनि व्यवस्था में परिवर्तन कर विभिन्न भाषाओं में ग्रहण किया गया है ।

21. नये शब्दों का गठन करते समय भी ध्वनि-व्यवस्था में उच्चारण सुविधा, अर्थद्योतन आदि को दृष्टि में रखकर परिवर्तन करना चाहिए, यथा -

मंत्री + आलय = मंत्रालय
सचिव + आलय = सचिवालय
देव + आलय = देवालय
देवी + आलय = देवालय

22. डॉ.मिताली भट्टाचारजी का संतुलित विचार है कि पारिभाषिक शब्दों का गठन करते समय हमें ध्यान देना चाहिए कि एक शब्द का अर्थ किसी एक अमुक शास्त्र में एक संकल्पना या वस्तु के लिए एक ही होना चाहिए, जैसे चिकित्सा शास्त्र में बल = शक्ति । अन्य शास्त्र में बल का अर्थ अन्य संकल्पना के लिए भिन्न हो सकता है, यथा - युद्ध विज्ञान में बल = सेना । इसी प्रकार विभिन्न शास्त्रों में निम्न सूचित शब्दों के अर्थ भिन्न - भिन्न हैं - Schedule, Minor, Major, Bank, धातु, वीर्य आदि ।

23. पारिभाषिक शब्द, जहाँ तक हो सके, छोटा होना चाहिए, यथा -

File - मिसिल, संचिका ।
Fees - शुल्क
Electricity - विद्युत, बिजली

24. अनिवार्य परिस्थितियों में पारिभाषिक शब्द दो शब्दों में बनाया जा सकता है, जैसे -

Registrar	-	कुलसचिव
Vice chancellor	-	कुलपति
Chancellor	-	कुलाधिपति

25. पारिभाषिक शब्द सर्वजन सुविधा एवं सुचारु प्रयोग के लिए है । अतः यह व्याख्यात्मक नहीं होना चाहिए, यथा - Station - थाना, स्टेशन - । इस शब्द के लिए 'धूमशकट विश्रामनिलय' अथवा 'आरक्षक भट कार्य निलय 'नहीं होना चाहिए । हाँ, ऐसे संदर्भों में पूर्व शब्द के

रूप में शब्द ग्रहण हो सकता है, यथा - Police Station-पुलिस थाना ।

26. सुविधा, सरलता, सुलभ अर्थद्योतन आदि के लिए अन्य भाषाओं से विशेष परिस्थितियों में पारिभाषिक शब्दों को ग्रहण किया जा सकता है, यथा - रेल, स्टेशन, स्कूल, कॉलेज आदि ।

27. हमें याद रखना चाहिए कि पारिभाषिक शब्द प्राधिकृत संस्थाओं के द्वारा गठित किये जाते हैं । हमें उन्हीं शब्दों को ग्रहण करना चाहिए । हम उपनी ओर से नये शब्दों का गठन नहीं कर सकते ।

28. पारिभाषिक शब्द में विद्यमान व्यक्तिवाचक संज्ञा का अनुवाद नहीं होना चाहिए । उदाहरण -

Sara Bhai's Laboratory - साराभाई प्रयोगशाला

18.4. पारिभाषिक शब्दों के नमूने

शासन एवं विभिन्न अधिकृत संस्थाओं द्वारा निर्मित कतिपय पारिभाषिक शब्द पाठकों की सुविधा के लिए नीचे दिये जा रहे हैं :-

1.	प्रयोग	-	Experiment
2.	प्रयोग शाला	-	Laboratory
3.	प्रायोगिक	-	Practical
4.	प्रयोगवाद	-	Experimentalism
5.	प्रयोगवादी	-	Experimentalist
6.	ग्रंथालय	-	Library
7.	मुक्त विश्व विद्यालय	-	Open University
8.	निदेशालय	-	Directorate
9.	लेखा परीक्षण	-	Audit
10.	लेखा परीक्षक	-	Auditor

18.5. निष्कर्ष

प्रिय सज्जनो, पाठक बंधुओ, अनुवाद विज्ञान का यह अंतिम घटक है । इसमें पारिभाषिक शब्दों के लक्ष्य, गठन विधान, इस शब्दावली के गठन व अनुवाद में ध्यातव्य तत्व आदि का विश्लेषण किया गया है । विभिन्न शब्दावलियों तथा ग्रंथों से गृहीत पारिभाषिक शब्दों की सूचियाँ यथा प्रशासनिक शब्दावली, शिक्षा संबंधी शब्दावली, पदनाम, सरकारी कार्यालयों के नाम, हिन्दी की प्रशासनिक शब्दावली, सरकारी पत्राचारों में प्रयुक्त पद समुच्चय एवं पत्र व्यवहार में प्रयुक्त वाक्यांश घटक के अंत में दिये गये हैं । ज्ञान-विज्ञान के संप्रसरण में अनुवाद रोदसी कुहर में निविष्ट उपग्रह समुच्चय की तरह काम कर रहा है । हम आपको मूल लेखकों और सफल अनुवादको के रूप में देखना चाहते हैं ।

18.6. सारांश

प्रस्तुत घटक में पारिभाषिक शब्दों के अनुवाद एवं गठन में ध्यातव्य तत्वों का विवेचन किया गया है । ज्ञान-विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में उपलब्ध साहित्य में सहस्त्रों पारिभाषिक शब्द प्रयुक्त होते हैं । उस साहित्य का अनुवाद वे ही कर सकते हैं, जो पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान रखते हैं। स्त्रोत भाषागत पारिभाषिक शब्द के लक्ष्य भाषा में उपलब्ध पर्याय अथवा समतुल्य शब्द का प्रयोग करना पड़ता है । ये पारिभाषिक शब्द वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग एवं अन्य मान्य संस्थाओं के द्वारा गठित हैं । अनुवाद में इन्हीं शब्दों का प्रयोग अपेक्षित है यथा - Post Master के लिए डाकपाल, Postman के लिए डाकिया, Telegraph Office के लिए तारघर, Chemistry के लिए रसायन

शास्त्र, Ministry of Tourism के लिए पर्यटन मंत्रालय । अनुवाद में सदा इन्हीं शब्दों का प्रयोग होना चाहिए ।

इस निबंध में पारिभाषिक शब्दों के गठन में ध्यातव्य तत्वों का भी आकलन हुआ है, यथा - पारिभाषिक शब्द सरल एवं सटीक होना चाहिए । ये शब्द सर्वमान्य होने चाहिए । वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग एवं अन्य मान्य संस्थाएँ इन शब्दों को गठित करती हैं । संदर्भ, शास्त्र आदि के अनुसार विभिन्न शास्त्रों में प्रयुक्त शब्दों का अर्थ ग्रहण करना चाहिए । सरलता पारिभाषिक शब्द की नाड़ी है । अन्य भाषा शब्दों को ग्रहण करते समय लक्ष्य भाषा की ध्वनियों के अनुसार अनुकूलन कर लेना चाहिए । अन्य ध्यातव्य तत्वों का भी विश्लेषण किया गया है ।

कई पारिभाषिक शब्द इस निबंध के अन्त में छात्रों के उपयोग के लिए दिये गये हैं ।

18.7. प्रश्न

I] पारिभाषिक शब्दों के अनुवाद एवं गठन में ध्यातव्य तत्वों का आकलन कीजिए ।

II] निम्नलिखित अंग्रेज़ी शब्दों के हिन्दी पर्याय शब्द लिखिए -

1. Physics
2. Statistics
3. University Grants Commission
4. Ministry of Energy
5. Director General of Police
6. Prime Minister
7. Economics
8. Bangalore Development Authority
9. Official Language Act
10. Supreme Court

18.8. संभाव्य उत्तर

I] पारिभाषिक शब्दों के अनुवाद एवं गठन में ध्यातव्य तत्व

पारिभाषिक शब्दों के अनुवाद एवं गठन में निम्नसूचित तत्वों पर ध्यान देना चाहिए -

1. पारिभाषिक शब्द सरल व सुबोध हों ।
2. इन शब्दों को स्पष्टतः पारिभाषित करना चाहिए ।
3. पारिभाषिक शब्द सर्वमान्य हों अर्थात् सरकार द्वारा मान्य शब्दों का ही प्रयोग करना चाहिए ।
4. पारिभाषिक शब्द का रूप बृहत् या दीर्घ नहीं होना चाहिए ।
5. प्रत्येक संकल्पना के लिए पृथक् शब्द गठित हो ।
6. पारिभाषिक शब्द स्तरीय होना चाहिए ।
7. शास्त्र एवं संदर्भ के अनुसार विभिन्न शास्त्रों में प्रयुक्त शब्दों का अर्थ ग्रहण करना चाहिए ।
8. पारिभाषिक शब्दों के गठन में अनुवादक अपनी इच्छा एवं व्यक्तित्व को स्थान न दे ।
9. उच्चारण की दृष्टि से ये शब्द सरल हों ।
10. अर्थ की दृष्टि से पारिभाषिक शब्द स्पष्ट होना चाहिए ।
11. पारिभाषिक शब्द के अर्थ में अतिव्याप्ति अथवा अल्पव्याप्ति का दोष नहीं होना चाहिए ।
12. असमान संकल्पनाओं के लिए भिन्न-भिन्न शब्द गठित हों ।

इस निबंध में उल्लिखित अन्य तत्वों का भी उल्लेख होना चाहिए ।

II] पर्यायवाची शब्द

1.	Statistics	-	सांख्यिकी
2.	Physics	-	भौतिकी
3.	University Grants Commission	-	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
4.	Ministry of Energy	-	ऊर्जा मन्त्रालय
5.	Director General of Police	-	आरक्षक महानिदेशक
6.	Prime Minister	-	प्रधान मन्त्री
7.	Economics	-	अर्थ शास्त्र

8. Bangalore Development Authority - बेंगलूर विकास प्राधिकरण
9. Official Language Act - राजभाषा अधिनियम
10. Supreme Court - सर्वोच्च न्यायालय

18.9. शब्दावली

1.	पारिभाषिक शब्दावली	-	Technical Terminology
2.	आयोग	-	Commission
3.	संकल्पना	-	Concept
4.	स्तरीय	-	Of high standard
5.	व्यक्तित्व	-	Personality
6.	विभाग	-	Department
7.	विभागीय	-	Departmental
8.	राजनीति	-	Politics
9.	प्राधिकारण	-	Authority
10.	प्राधिकृत	-	Authorised
11.	भूगोल	-	Geography
12.	रासायनिक	-	Chemical
13.	उर्वरता	-	Fertility
14.	अंतर्राष्ट्रीय शब्दावली	-	International Terminology
15.	मंत्रालय	-	Ministry
16.	सचिवालय	-	Secretariat

18.10. संदर्भ ग्रंथ एवं निबंध

I] ग्रंथ

1. अनुवाद विज्ञान - डॉ.भोलानाथ तिवारी
2. सरकारी कार्य विधि - डॉ.शिवराज वर्मा शास्त्री
3. व्यावहारिक हिन्दी - I भाग - डॉ.कामता कमलेश
4. पारिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएँ - सं.डॉ.भोलानाथ तिवारी एवं महेंद्र चतुर्वेदी

II] निबंध

1. पारिभाषिक शब्द और उनकी रचना तथा हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली - डॉ.गोपाल शर्मा
2. मशीनों से संबंधित पारिभाषिक शब्दों का हिन्दी अनुवाद - श्री विद्यासागर नन्दा
3. सरकारी अनुवाद - श्री विश्वदेव शर्मा
4. विधिक अनुवाद - प्रो.बालकृष्ण
5. अनुवाद - डॉ.मिताली भट्टाचारजी

18.11. प्रशासनिक - शब्दावली

Abandonment	-	परित्याग
Abolition	-	उन्मूलन
Abridgement	-	संक्षेप
Abstract	-	सार
Abstract of Tender	-	निविदा का सार
Absurd	-	अर्थहीन
Abuse	-	दुरुपयोग
Academic	-	विद्या-संबंधी, शैक्षणिक
Accede	-	मान लेना, शामिल होना
Accept	-	स्वीकार करना
Acceptance	-	स्वीकृति
Access	-	प्रवेश, पहुँच
Accession	-	राज्यारोहण, अधिमिलन
Accessory	-	उप साधन
Accommodation	-	वास-निर्वाह
Accord	-	देना, अनुकूल होना
Accordingly	-	तदनुसार
Account	-	लेखा, खाता
Accredited	-	प्रत्यायित
Accretion	-	उपचय, जमा होना

Accurate	-	यथार्थ
Acknowledge	-	अभिस्वीकार करना, मानना
Acquire	-	अर्जन करना
Acquisition	-	अर्जन
Act	-	कार्य, अधिनियम
Acting	-	कार्यकारी
Action	-	क्रिया, कार्यवाही
Active	-	सक्रिय
Activity	-	सक्रियता
Act of Misconduct	-	कदाचार
Actuals	-	वास्तिविक आँकड़े
Adaptation	-	रूपान्तर, अनुकूलन
Addendum	-	अनुशेष, अनुपूरक
Additional	-	अतिरिक्त, अपर
Address	-	पता, अभिभाषण
Addressee	-	पानेवाला
Ad-hoc	-	तदर्थ
Adhoc-Indent	-	तदर्थ माँगपत्र
Ad infinitum	-	निरवधि
Adjourn	-	स्थगित करना
Adjustment	-	समायोजन
Administer	-	प्रशासन करना
Administrative	-	प्रशासकीय, प्रशासनिक
Admissibility	-	स्वीकार्यता, ग्राह्यता
Admission	-	प्रवेश/स्वीकृति
Admonition	-	भर्त्सना
Adopt	-	अंगीकार करना, अपनाना
Adult	-	वयस्क, प्रौढ
Adult Franchise	-	वयस्क-मताधिकार
Advance	-	अग्रिम
Advance Increment	-	अग्रिम वेतन वृद्धि
Advancement	-	उन्नति

Adverse	-	प्रतिकूल
Advertisement	-	विज्ञापन
Advice	-	परामर्श, सूचना
Advocacy	-	पक्ष-समर्थन, वकालत
Affairs	-	कार्य, मामले
Affidavit	-	शपथ पत्र
Affiliate	-	संबद्ध करना
Affiliation	-	संबंधन
Affirm	-	पुष्टि करना
Affirmation	-	पुष्टि, प्रतिज्ञान (विधि)
Affirmative	-	स्वीकारात्मक
Affix	-	जोड़ना, लगाना
Afforestation	-	वन-रोपण
Affranchise	-	मताधिकार देना
Aforesaid	-	पूर्वोक्त
Age Limit	-	वय - सीमा
Agency	-	एजेंसी, अभिकरण
Agenda	-	कार्य-सूची
Age of Retirement	-	सेवा-निवृत्तिवय
Aggregate	-	कुल, पूर्ण योग, जोड़
Aggrieved	-	असन्तुष्ट, व्यथित
Agitation	-	आन्दोलन
Agrarian	-	भूमि संबंधी
Agree	-	सहमत होना, करार करना
Agreement	-	अनुबंध करार करना
Agricultural Holding	-	जोत क्षेत्र
Agriculture	-	कृषि
Aid	-	सहायता
Aided	-	सहायता-प्राप्त
Aircraft	-	वायुयान
Air Force	-	वायुसेना
Allegiance	-	निष्ठा

Allocate	-	बाँटना, विभाजन करना
Allot	-	आबंटन करना
Allow	-	मंजूर करना
Allowance	-	भत्ता
Alteration	-	परिवर्तन, हेरफेर
Alternative	-	विकल्प, वैकल्पिक
Ambiguous	-	संदिग्ध
Amendment	-	संशोधन
Amenity	-	सुख-सुविधा
Amount	-	राशि, परिमाण
Anchorage	-	लंगरगाह, लंगर-शुल्क
Ancillary	-	आनुषंगिक
Annex	-	जोड़ना, अनुबद्ध करना
Annexure	-	अनुबंध, अनुलग्न
Announcement	-	आख्यापन, ऐलान
Annual Accounts	-	वार्षिक लेखा
Annual Review	-	वार्षिक समीक्षा
Annuity	-	वार्षिकी
Annul	-	रद्द करना
Antecedents	-	पूर्व वृत्त
Ante-dated	-	पूर्व तारीखी
Anticipated Expenditure	-	प्रत्याशित व्यय
Anticipated Revenue	-	प्रत्याशित राजस्व
Appeal	-	अपील
Appellation	-	पदवी अभिधान
Appellate powers	-	अपीलीय अधिकार
Appendage	-	संलग्न
Appendix	-	परिशिष्ट
Appliance	-	साधन, उपकरण
Applicability	-	प्रयोज्यता, लागू होना
Application	-	आवेदन, अर्जी, अर्जी लागू होना
Appoint	-	नियुक्त कारना

Appointing Authority	-	नियुक्ति प्राधिकारी
Appointment	-	नियुक्ति
Apportion	-	प्रभाजन
Appropriate	-	उपयुक्त, उचित
Appropriation	-	विनियोजन
Approval	-	अनुमोदन
Appurtenance	-	उपाबंध, अनुलग्नक
Arbitrator	-	मध्यस्थ
Architecture	-	वास्तुकला, स्थापत्यकला
Arrangement	-	प्रबन्ध, विन्यास
Arrears	-	बकाया
Article	-	अनुच्छेद, नियम, वस्तु
Articles	-	नियमावली
Assemble	-	जुड़ना, जोड़ना
Assembly	-	सभा, सम्मेलन
Assent	-	अनुमति
Assessed value	-	निर्धारित मूल्य
Assessment	-	कर-निर्धारण, निर्धारण
Assets	-	परिसंपत्ति
Assign	-	सौंपना, नियत करना
Assignment	-	समनुदेशन, नियत कार्य
Assume	-	ग्रहण करना, कल्पना करना
Assumption of charge	-	भार ग्रहण
Assurance	-	आश्वासन, बीमा
At par	-	सममूल्य
Attached	-	संलग्न
Attendance	-	उपस्थिति
Attest	-	अनुप्रमाणित करना
Auction	-	नीलामी
Audit	-	लेखापरीक्षा
Audited account	-	परीक्षित लेखा
Audit objections	-	लेखापरीक्षा आपत्तियाँ

Authentic	-	अधिप्रमाणित
Authentication	-	अधिप्रमाणन
Authorised	-	प्राधिकृत
Authority	-	प्राधिकारी
Autograph	-	स्वाक्षर
Automatic numerator	-	स्वचालित नम्बर-मशीन
Autonomous	-	स्वायत्त
Auxiliary	-	सहायक अतिरिक्त
Average	-	औसत
Aviation	-	विमानन
Axiom	-	स्वयंसिद्ध
Backward Classes	-	पिछड़े वर्ग
Backward Tribes	-	पिछड़ी जनजातियाँ
Badge	-	बिल्ला, बैज
Balance	-	बाकी, तराजू
Balance Sheet	-	तुलन-पत्र
Ballot	-	मतपत्र, मतपर्ची
Ban	-	प्रतिबंध
Bar	-	रोध, रुकावट
Basic Year	-	आधार वर्ष
Basic	-	आधारभूत, मूल, बुनियादी
Below par	-	अवमूल्य
Benefit	-	हित, लाभ, सुविधा
Bibliography	-	संदर्भ ग्रंथ सूची
Bicameral	-	द्विसदनी
Bidding Sheet	-	बोली पत्र
Biennial	-	द्विवार्षिक
Bilateral	-	द्विपक्षीय
Bill	-	बिल
Bill of exchange	-	हुंडी, विनिमय-पत्र
Bill of loading	-	लदान-पत्र
Binding	-	बंधनकारी

Bipartite	-	द्विदलीय, उभयपक्षीय
Biweekly	-	अर्ध साप्ताहिक
Blue Print	-	रूपरेखा, नीला नक्शा
Bonafide	-	वास्तविक, सद्भाव
Bond	-	बंध-पत्र
Bonus	-	बोनस
Booth, Polling	-	मतदान कोष्ठ
Breach of Contract	-	संविदा-भंग
Breach of Law	-	कानून तोड़ना
Breach of Privilege	-	विशेषाधिकार भंग
Breach of Trust	-	विश्वास-भंग, न्यास-भंग
Breakage	-	टूट-फूट
Bribe	-	घूँस, रिश्वत
Brief	-	संक्षेप, पक्ष कथन
Brokerage	-	दलाली
Budget	-	बजट
Budget, Balanced	-	संतुलित बजट
Budget, Deficit	-	घाटे का बजट
Budget, Revised	-	संशोधित बजट
Budget, Supplementary	-	पूरक बजट
Budget, Surplus	-	बचत का बजट
Budget, Estimate	-	बजट अनुमान
Bulk-purchase	-	थोक खरीद
Bulletin	-	बुलेटिन, परिपत्र
Bureau	-	ब्यूरो
Bureaucracy	-	नौकरशाही
Business	-	कार्य, कारोबार
Bye-law	-	उपविधि
Cablegram	-	केबल-तार
Cadre	-	संवर्ग, काडर
Calculation	-	गणना, गिनती
Calculator	-	गणक, गणक यंत्र

Calender Month	-	कैलेण्डर मास
Calender Year	-	कैलेण्डर वर्ष
Call book	-	विलंबित मामलों की बही
Cancel	-	रद्द करना
Canvass	-	वोट माँगना, प्रचार करना
Capacity	-	क्षमता, धारिता
Capita per	-	प्रति व्यक्ति
Capital Account	-	पूंजीगत लेखा
Capitation fee	-	प्रति व्यक्ति शुल्क
Case	-	मामला, विषय, प्रकरण
Cash	-	नकद, रोकड़
Cash Balance	-	रोकड़ बाकी
Casting vote	-	निर्णायक मत
Casual labour	-	नैमित्तिक श्रम
Casual leave	-	आकस्मिक अवकाश
Catalogue	-	सूचीपत्र
Censure	-	निन्दा प्रस्ताव
Census of Population	-	जनगणना
Central Government	-	केन्द्रीय सरकार
Central Registry	-	केन्द्रीय रजिस्ट्री
Central Revenue	-	केन्द्रीय राजस्व
Central Secretariat	-	केन्द्रीय सचिवालय
Cess	-	उपकर
Cessation	-	समाप्ति, विराम
Challan	-	चालान
Channel	-	माध्यम
Chapter	-	अध्याय
Character Roll	-	चरित्र-पुस्तक
Charge	-	खर्च, प्रभार, कार्यभार
Charge Assumption	-	कार्यभार - ग्रहण
Charge sheet	-	आरोप पत्र
Chart	-	चार्ट

Check	-	पड़ताल, रोक
Cheque	-	चेक
Chronological order	-	काल-क्रम
Cipher	-	बीज लेख, शून्य
Circular	-	परिपत्र
Circulate	-	घुमाना, परिचालित करना
Citation	-	उद्धरण, बिरुद - पत्र
City (Compensatory) Allowance	-	नगर भत्ता
Claim	-	दावा
Claimant	-	दावेदार
Clarification	-	स्पष्टीकरण
Class	-	वर्ग, कक्षा, श्रेणी
Classified Advertisement	-	वर्गीकृत विज्ञापन
Clause	-	खण्ड
Clear Day	-	पूरा दिन
Clear Vacancy	-	स्पष्ट रिक्त
Closing Balance	-	रोकड़ बाकी
Coastal	-	तटवर्ती
Code	-	संहिता, संकेत
Code,penal	-	दंड़ सहिता
Codification	-	संहिताकरण
Collective Responsibility	-	सामूहिक उत्तरदायित्व
Comment	-	टीका, टिप्पणी
Commission	-	आयोग, कमीशन
Communication	-	संचार
Communique	-	विज्ञप्ति
Commutation	-	परिवर्तन
Comparative statement	-	तुलनात्मक विवरण
Compendium	-	सार
Compensatory Allowance	-	प्रतिपूरक भत्ता
Competence	-	सामर्थ्य
Competitive Examination	-	प्रतियोगिता परीक्षा

Compilation	-	संकलन
Complaint	-	परिवाद, शिकायत
Complimentary	-	मानार्थ
Compulsory	-	अनिवार्य
Compulsory Retirement	-	अनिवार्य सेवा निवृत्ति
Concession	-	रियायत
Conclusive	-	निर्णयात्मक
Concurrence	-	सहमति
Concurrent list	-	समवर्ती सूची
Conditions of Contract	-	ठेके की शर्तें
Condone	-	माफ़ करना
Conduct	-	आचरण
Confirmation	-	पुष्टि
Consent	-	सहमति, सम्मति
Consignment	-	परेषण
Consolidated Fund	-	संचित निधि
Constituency	-	निर्वाचन-क्षेत्र
Contract	-	ठेका, संविदा
Contradictory	-	विरोधी
Contribution	-	अंशदान, योगदान
Convention	-	परिपाटी, समागम
Conveyance	-	सवारी
Co-opted	-	सहयोजित
Co-ordination	-	समन्वय, तालमेल
Copy	-	प्रतिलिपि, प्रति
Correspond	-	पत्र व्यवहार करना
Corruption	-	भ्रष्टाचार
Cost	-	लागत
Court of law	-	न्यायालय
Covering letter	-	प्रावरण पत्र
Credit	-	श्रेय, उधार, जमा
Criminal Offence	-	दंडनीय अपराध

Current	-	चालू
Custody	-	अभिरक्षा
Customs Department	-	सीमा-शुल्क विभाग
Daily Allowance	-	दैनिक भत्ता
Damages	-	क्षति, हर्जाना
Data	-	आधार, सामग्री, आंकड़े
Dearness Allowance	-	महंगाई भत्ता
Death cum Retirement Gratuity	-	मृत्यु तथा निवृत्ति उपदान
Declare on oath	-	सशपथ घोषित करना
Decree	-	डिगरी, डिक्री
Deduction	-	कटौती
Deed	-	विलेख
De facto	-	वस्तुतः
Default	-	त्रुटि, बकाया
Deficit	-	घाटा
De Jure	-	विधितः
Delegation of Powers	-	शक्तियों का प्रत्यायोजन
Delivery	-	परिदान, वितरण
Demand	-	माँग, यांचना
Demurrage	-	विलंब शुल्क
Deputation	-	प्रतिनियुक्ति, शिष्टमंडल
Designation	-	पदनाम
Despatch	-	प्रेषण, रवाना करना
Detail	-	ब्यौरा
Diary	-	दैनिकी
Direction	-	निदेशन
Disapprobation	-	नापसंदी
Discharge	-	पालन, उन्मोचन, सेवामुक्ति
Disciplinary Action	-	अनुशासनिक कार्यवाही
Disposal	-	निपटान, व्ययन
Division	-	प्रभाग, विभाजन
Dock	-	गोदी

Document	-	प्रलेख, दस्तावेज
Draft	-	प्रारूप, मसौदा
Due	-	देय, प्राप्त, नियत
Duly	-	यथाविधि
Duplicate	-	अनुलिपि
Duty	-	काम, कर्तव्य, भार, शुल्क
Eligibility	-	पात्रता, अर्हता
Emergency	-	आपात स्थिति
Employee	-	कर्मचारी
Employment	-	रोजगार
Encashment	-	भुनाना, तुड़ाना
Enclosure	-	अनुलग्नक
Endorsement	-	पृष्ठांकन, समर्थन
Engineering	-	इंजीनियरी, अभियांत्रिकी
Enquiry	-	पूछताछ, जाँच
Estimates of Expenditure	-	व्यय अनुमान
Evidence	-	साक्ष्य, गवाही
Excise Duty	-	उत्पादन शुल्क
Executive Council	-	कार्य परिषद
Ex-gratia payment	-	अनुग्रहपूर्वक अदायगी
Ex-Officio	-	पदेन
Exparte	-	एकपक्षीय, एक तरह
Expert	-	विशेषज्ञ
Explanation	-	स्पष्टीकरण, व्याख्या
Export	-	निर्यात
Expost facto	-	कार्योत्तर
Extension	-	विस्तार, बढ़ाना
Facsimile	-	अनुलिपि, प्रतिकृति
Fact	-	तथ्य
Family Allowance	-	परिवार भत्ता
Fee	-	शुल्क, फीस
File	-	संचिका, मिसिल

Finance	-	वित्त, रुपया लगाना
Fiscal	-	राजस्व संबंधी
Fixed Deposit	-	सावधिक जमा
Follow-up-action	-	अनुवर्ती कार्यवाही
Foreign Exchange	-	विदेशी मुद्रा
Formula	-	सूत्र
Forward	-	अग्रेषित करना
Freight	-	भाड़ा
Fund	-	निधि
Gazettee	-	राजपत्र, गेज़ट
Global Tender	-	विश्व टेंडर
Glossary	-	शब्दावली
Grant-in-aid	-	सहायक अनुदान
Guarantor	-	गारंटीकर्त्ता
Guardian	-	अभिभावक
Handicraft	-	दस्तकारी
Harbour dues	-	बन्दरगाह के देय
Hard and Fast Rules	-	पक्के नियम
Head quarters	-	मुख्यालय
Hereditary	-	पैतृक, मौरूसी
Holograph	-	स्वलेखन
Honorary	-	अवैतनिक
Honorarium	-	मानदेय
Hospitality	-	आतिथ्य, सत्कार
Hours of Business	-	कार्य समय
Identification	-	शनाख्त, पहचान
Identity	-	पहचान
Illegal	-	अवैध
Impersonation	-	प्रतिरूपण
Implement	-	कार्यान्वित करना, अमल में लाना
Import	-	आयात
Imprest	-	अग्रदेय

Incharge	-	भार साधक
Incidental	-	आनुषंगिक, प्रासंगिक
Incompetency	-	अक्षमता
Increment	-	वेतन-वृद्धि
Indent	-	मांगपत्र, इंडेण्ट
Index	-	अनुक्रमणी
Initial	-	आरम्भिक
Initials	-	आद्यक्षर
Instalment	-	किश्त
Instruction	-	अनुदेश, हिदायत
Inter alia	-	साथ-साथ
Interim	-	अंतरिम
Interpretation	-	अर्थ लगाना, निर्वचन
Interpreter	-	दुभाषिया
Interview	-	साक्षात्कार
Invoice	-	बीजक
Ipso facto	-	यथातथ्यतः
Ipso Jure	-	विधितः
Issue	-	निर्गम, वादपद
Item	-	मद
Joint representation	-	संयुक्त प्रतिनिधान
Judicial	-	न्यायिक, अदालती
Judiciary	-	न्यायपालिका
Jurisdiction	-	अधिकार क्षेत्र
Laboratory	-	प्रयोगशाला
Last Pay Certificate(L.P.C)	-	अन्तिम वेतन पत्र
Leave	-	छुट्टी
Ledger	-	खाता
Letter of Credit	-	साख-पत्र
Liaison	-	सम्पर्क
Licence	-	अनुज्ञप्ति
Lien	-	पुनर्ग्रहणाधिकार

Majority	-	बहुमत, वयस्कता
Malafide	-	कदाशय
Management	-	प्रबन्ध
Manifesto	-	घोषणा पत्र
Maternity	-	प्रसूति, मातृत्व
Member	-	सदस्य
Memorandum	-	ज्ञापन
Minor	-	अवयस्क, नाबालिग, लघु, गौण
Misappropriation	-	दुर्विनियोग
Money Bill	-	धन - विधेयक
Nationality	-	राष्ट्रीयता
Nepotism	-	भाई-भतीजावाद
No demand certificate	-	बेबाकी पत्र
No Confidence Motion	-	अविश्वास प्रस्ताव
Nomination	-	नामनिर्देश, नामजदगी
Non-gazetted	-	अराजपत्रित
Non-recurring expenditure	-	अनावर्त्ती व्यय
No objection certificate	-	अनापत्ति पत्र
Notification	-	अधिसूचना
Noting and Drafting	-	टिप्पणी और मसौदा लेखन
Oath of allegiance	-	निष्ठा शपथ
Oath of Office	-	गोपनीयता-शपथ
Octroi Duty	-	चुंगी
Office Memorandum	-	कार्यालय ज्ञापन
Official	-	सरकारी, शासकीय
Officiating	-	स्थानापन्न
On probation	-	परिवीक्षाधीन, परखाधीन
Ordinance	-	अध्यादेश
Overtime Allowance	-	समयोपरि भत्ता
Pact	-	समझौता
Passport	-	पार - पत्र
Payment	-	भुगतान

Pension	-	पेंशन
Plaintiff	-	वादी, मुद्दई
Postal Certificate	-	डाक प्रमाणपत्र
Postpone	-	स्थगित करना, मुल्तवी करना
Power of attorney	-	मुख्तारनामा
Preamble	-	प्राभावना, उद्देशिका
Premium	-	बीमा किश्त
Press communique	-	प्रेस विज्ञप्ति
Priority	-	अग्रता प्राथमिकता
Private	-	निजी, गैर सरकारी
Privilege	-	विशेषाधिकार
Probation	-	परिवीक्षा, परख
Proceedings	-	कार्यवाही
Proforma	-	प्रपत्र
Promotion	-	पदोन्नति
Proposal	-	प्रस्थापना
Provident Fund	-	भविष्य-निधि
Proviso	-	परन्तुक, शर्त
Public	-	सार्वजनिक, सरकारी
Ratification	-	सत्यांकन
Rebate	-	घटौती
Receipt	-	आय/आवती / रसीद
Recommendation	-	सिफारिश / संस्तुति
Record	-	अभिलेख / दर्ज करना
Recruitment	-	भर्ती
Reference	-	संदर्भ / निर्देश / हवाला
Refresher Course	-	पुनश्चर्या
Refund	-	धन वापसी
Registration	-	पंजीकरण / रजिस्ट्री
Regulation	-	विनियम
Reminder	-	अनुस्मारक
Report	-	प्रतिवेदन

Reservation	-	आरक्षण
Resignation	-	त्यागपत्र / इस्तीफा
Resolution	-	संकल्प
Returns	-	विवरणी
Revenue	-	राजस्व
Review	-	समीक्षा, पुनरीक्षण
Revise	-	परिशोधित करना / दोहराना
Revision	-	पुनरीक्षण, दोहराना
Sales Tax	-	विक्रय-कर
Sanction	-	संस्वीकृति, मंजूरी
Schedule	-	अनुसूची, सारणी पत्र
Scrutiny	-	संवीक्षा / छानबीन
Security	-	प्रतिभूति, सुरक्षा
Senior	-	ज्येष्ठ / वरिष्ठ
Seniority	-	वरिष्ठता
Sine die	-	अनिश्चित काल के लिए
Specification	-	विशिष्टि
Specimen	-	प्रतिरूप / नमूना
Statistics	-	सांख्यिकी/आँकड़ा
Status	-	स्थिति / हैसियत / प्रतिष्ठा
Status quo	-	यथापूर्व स्थिति
Subsistance Allowance	-	निर्वाह अनुदान
Substitute	-	एवजी
Superannuation Allowance	-	निवर्तन भत्ता
Supervision	-	पर्यवेक्षण
Superme Court	-	सर्वोच्च न्यायालय
Surety	-	प्रतिभू, जमानत
Taxation	-	कराधान
Technique	-	तकनीकी
Technical	-	तकनीकी / प्राविधिक
Technology	-	प्रौद्योगिकी
Telegram	-	तार

Temporary	-	अस्थायी
Tender	-	निविदा
Terminal Tax	-	चुंगी
Testimonial	-	शंसा - पत्र
Time Table	-	समय - सारणी
True Copy	-	सही प्रतिलिपि
Trust	-	न्यास, विश्वास
Under	-	अधीन / अवर / न्यून
Under consideration	-	विचाराधीन
Vacancy	-	रिक्त
Veto	-	वीटो / निषेधाधिकार
Visa	-	वीजा, प्रवेश पत्र
Viva voce	-	मौखिक परीक्षा
Vote	-	मत / वोट
Watch and Ward	-	पहरा व निगरानी
Wear and Tear	-	टूट-फूट
Withdrawal	-	वापसी
Zone	-	क्षेत्र / अंचल

प्रशासन शब्दावली

अंशकालिक	-	Part time
अगाऊ (अग्रिम)	-	Advance
अग्रता	-	Priority
अग्रेषित	-	Forwarded
अटल	-	Irrevocable
अधिकरण	-	Tribunal
अधिनियम	-	Act
अधिभार	-	Surcharge
अधिवक्ता	-	Advocate
अधिवेशन	-	Session
अधिसूचना	-	Notification
अधीक्षक	-	Superintendent

अधोलिखित	-	Undermentioned
अध्यादेश	-	Ordinance
अनापत्तिपत्र	-	No Objection Certificate
अनिश्चित काल के लिए	-	Sine die
अनुकूलन	-	Adaptation
अनुक्रिया	-	Response
अनुज्ञप्ति	-	Licence
अनुदान	-	Grant
अनुदेश	-	Instruction
अनुपालन	-	Compliance
अनुपूरक नियम	-	Supplementary Rules
अनुभाग	-	Section
अनुमोदन	-	Approval
अनुलिपि	-	Duplicate Copy
अनुवर्ती	-	Succeeding
अनुशासन	-	Discipline
अनुसूचित जाति	-	Scheduled Caste
अनुस्मारक	-	Reminder
अन्तर्राष्ट्रीय	-	International
अन्तरिम	-	Interim
अन्वेषण	-	Investigation
अपर सचिव	-	Additional Secretary
अपालन	-	Non -compliance
अभिग्रहण	-	Acquisition
अभियंता	-	Engineer
अभिरक्षक	-	Custodian
अभिलिखित मिसिल	-	Recorded file
अभिलेखपाल	-	Record Keeper
अभिवेदन	-	Representation
अयोग्यता	-	Disqualification
अराजपत्रित	-	Non-gazetted
अराजादिष्ट	-	Non-Commissioned

अर्जित	-	Earned,Acquired
अर्थनिर्णय	-	Interpretation
अर्धवेतन अवकाश	-	Half pay leave
अर्धसरकारी	-	Demi Official
अवैध	-	Illegal,Invalid
अस्थायी	-	Temporary
आँकड़े	-	Data,Statistics
आकस्मिक छुट्टी	-	Casual Leave
आकाशवाणी	-	All India Radio
आणविक	-	Atomic
आधिकारिक	-	Authoritative
आपातकालीन स्थिति	-	State of Emergency
आम सभा	-	General Body
आयकर अधिकारी	-	IncomeTax Officer
आय-व्ययक	-	Budget
आयुक्त	-	Commssioner
आरक्षण	-	Reservation
आबंटन	-	Allotment
आवती	-	Receipt
आशुटंकक	-	Steno Typist
आसूचना शाखा	-	Intelligence Branch
उच्च श्रेणी लिपिक	-	Upper Division Clerk
उच्चायुक्त	-	High Commissioner
उत्तरदायित्व	-	Responsibility
उत्पाद शुल्क	-	Excise Duty
उत्प्रवास	-	Emigration
उद्योग	-	Industry
उपकुलपति	-	Vice Chancellor
उपचार	-	Remedy
उपदान	-	Gratuity
उपभोक्ता	-	Consumer
उपसचिव	-	Deputy Secretary

उपस्ताव	-	Motion
एकक	-	Unit
एकाधिकार	-	Monopoly
एवजी	-	Substitute
औचित्य	-	Justification
कूट	-	Forged.code
कृते	-	For
कृषि	-	Agriculture
केन्द्रीय सचिवालय	-	Central Secretariat
क्रियाविधि	-	Procedure
क्षतिपूर्ण बन्ध	-	Indemnity Bond
गुमनाम पत्र	-	Anonymous Letter
गोपनीय	-	Confidential
चयन बोर्ड	-	Selection Board
चुंगी	-	Terminal Tax, Octroi
जनजातियाँ	-	Tribes
ज्ञापन	-	Memorandum
टिप्पण और मसौदा लेखन	-	Noting and Drafting
टिप्पणी	-	Note,Comment
डाकपाल	-	Post Master
तकनीकी	-	Technical
तदर्थ समिति	-	Adhoc Committee
दलित वर्ग	-	Oppressed Class
दस्तावेज	-	Document
दूत	-	Envoy
दूरमुद्रक	-	Teleprinter
दूरसंचार	-	Tele-Communication
दैनिक	-	Diary
द्रुत	-	Express
धारा	-	Clause
नगर भत्ता	-	City Compensatory Allowance
नमूना	-	Specimen,Sample

नामजदगी	-	Nomination
निजी सचिव	-	Private Secretary
निदेशक	-	Director
निदेशालय	-	Directorate
निधि	-	Fund
निम्न श्रेणी लिपिक	-	Lower Division Clerk
निरीक्षक	-	Inspector
निर्यात	-	Export
निर्वाचन	-	Election
निर्वाह भत्ता	-	Subsistence Allowance
निलंबन	-	Suspension
निविदा सूचना	-	Tender Notice
निवृत्ति लाभ	-	Retirement benefits
नौसेनापति	-	Admiral
न्यायांग	-	Judiciary
न्यायेतर	-	Non-Judicial
पंजीकरण	-	Registration
पंजीयक	-	Registrar
पदनाम	-	Designation
पदेन	-	Ex-Officio
परम अग्रता	-	Top Priority
परम गोपनीय	-	Top Secret
परिपत्र	-	Circular
परिरक्षक	-	Custodian
परिवीक्षा	-	Probation
परिषद	-	Council
पर्यवेक्षक	-	Supervisor
पहचान पत्र	-	Identity Card
पारपत्र	-	Passport
पारिश्रमिक	-	Remuneration
पार्षद	-	Councillor
पावती	-	Receipt,Acknowledgement

पुनर्वास	-	Rehabilitation
पूर्व उदाहरण	-	Precedent
पूर्वव्यापी	-	Retrospective
पृष्ठांकन	-	Endorsement
प्रकल्पना	-	Presumption
प्रकीर्ण	-	Miscellaneous
प्रक्रिया	-	Procedure
प्रतिपूरक अवकाश	-	Compensatory leave
प्रतिभू	-	Surety
प्रतिलिपि	-	Copy
प्रतिवेदन	-	Report
बँटवारा	-	Allocation
बंधपत्र	-	Bond
बीजक	-	Invoice
भविष्य निधि	-	Provident Fund
भू-राजस्व	-	Land Revenue
मंत्रिमंडल	-	Cabinet
मत	-	Vote,Opinion
महँगाई भत्ता	-	Dearness Allowance
महानिदेशक	-	Director General
महानिरीक्षक	-	Inspector General
महान्यायवादी	-	Attorney General
महालेखाकार	-	Accountant General
मुद्रा	-	Currency
मुद्रास्फीति	-	Inflation
यांत्रिक	-	Mechanic
याचिका	-	Petition
यात्रा भत्ता	-	Travelling Allowance
राजदूत	-	Ambassador
राजनयिक	-	Diplomatic
राजपत्र	-	Gazette
राजस्व	-	Revenue

राज्यपाल	-	Governor
राष्ट्रपति	-	President
लिपिक	-	Clerk
लेखापरीक्षक	-	Auditor
लोक निर्माण विभाग	-	Public Works Dept.
लोक सेवा आयोग	-	Public Service Commission
वातानुकूलित	-	Airconditioned
वित्त विभाग	-	Finance Department
विदेशी मुद्रा	-	Foreign Exchange
विधायक	-	Legislator
विधि	-	Law
विधेयक	-	Bill
विमानन	-	Aviation
विधेयक पत्र	-	Bill
वेतन वृद्धि	-	Increment
शपथ पत्र	-	Affidavit
संयुक्त सचिव	-	Joint Secretary
संवर्ग	-	Cadre
संविधि	-	Statute
संविभाग	-	Port-folio
संवीक्षा	-	Scrutiny
संसद सदस्य	-	Member of Parliament
संस्ताव	-	Resolution
संस्थान	-	Institution
संस्वीकृति	-	Sanction
संहिता	-	Code
सचिव	-	Secretary
सचिवालय	-	Secretariat
सत्यापन	-	Verification
समायोजना	-	Adjustment
समेकित	-	Consolidated
सम्पर्क	-	Liaison

सर्वोच्च न्यायालय	-	Supreme Court
सहयोजित	-	Co-opted
स्वायत्त	-	Autonomous

18.12. ''शिक्षा संबंधी'' शब्दावली

Academic	-	शैक्षिक
Academy	-	अकादमी
Administration	-	प्रशासन
Admission	-	प्रवेश
Advisory Committee	-	सलाहकार समिति
Arts	-	कला
Attendance	-	उपस्थिति
Authenticate	-	अधिप्रमाणित करना
Board of Education	-	शिक्षा मंडल
Candidate	-	उम्मीदवार, अभ्यर्थी
Career, Educational	-	शैक्षिक जीवन
Certificate	-	प्रमाणपत्र
Code	-	संहिता
Course, Basic	-	बुनियादी पाठ्यक्रम
Curriculum	-	पाठ्यचर्या
Degree	-	उपाधि
Examination, Competitive	-	प्रतियोगिता परीक्षा
Examination, Diploma	-	सनद परीक्षा
Faculty	-	संकाय
Fellow	-	मान्य सदस्य
Governing Body	-	शासी निकाय
Identity Card	-	परिचय पत्र
Index	-	सूची
Institute	-	संस्थान, पीठ
Intervene	-	हस्तक्षेप
Internal Co-ordination	-	आन्तरिक समन्वय

Invigilator	-	निरीक्षक
Kindergarten	-	बालवाडी
Leave, Casual	-	आकस्मिक अवकाश
Leave, Earned	-	अर्जित अवकाश
Leave, Compensatory	-	एवज़ी अवकाश
Lecturer	-	प्राध्यापक
Library, Mobile	-	चल पुस्तकालय
Marks, Minimum	-	न्यूनतमांक
Method, Graphic	-	रेखाचित्र प्रणाली
Output	-	उत्पादन की मात्रा
Professor	-	प्रोफेसर, आचार्य
Proficiency	-	कुशलता, निपुणता
Prospectus	-	विवरण पत्रिका
Question Paper	-	प्रश्नावली, प्रश्नपत्र
Register, Admission	-	प्रवेश पंजी
Register, Withdrawal	-	निकासी पंजी
Registration	-	पंजीयन
Report, Annual	-	वार्षिक विवरण
School, Middle	-	माध्यमिक विद्यालय
School, Higher Secondary	-	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
Scientific Equipment	-	वैज्ञानिक उपकरण
Subject, Elective	-	वैकल्पिक विषय
Subject, Optional	-	ऐच्छिक विषय
Tabulator	-	सारणीयन्त्र
Tantamount	-	बराबर
Teacher, Council	-	अध्यापक परिषद
Theory	-	सिद्धांत
University Affiliation	-	विश्वविद्यालय संबद्धता
Utopia	-	काल्पनिक बात, काल्पनिक समाज
Vacation, Summer	-	ग्रीष्मावकाश
Vocabulary	-	शब्दावली
Zoology	-	पशुविज्ञान

18.13. पदनाम (Designations)

Accountant	-	महालेखापाल
Accounts Officer	-	लेखा अधिकारी
Additional Secretary	-	अपर सचिव
Administrator	-	प्रशासक
Admiral	-	एडमिरल
Advertising Manager	-	विज्ञापन प्रबन्धक
Advisor	-	सलाहकार
Advocate General	-	महा अधिवक्ता
Agent	-	अभिकर्त्ता, एजेंट
Aid.de.Camp(A.D.C.)	-	ए.डी.सी.परिसहायक
Ambassador	-	राजदूत
Appellate Authority	-	अपीलकर्त्ता
Applicant	-	आवेदक
Apprentice	-	प्रशिक्षु
Arbitrator	-	मध्यस्थ
Archaeologist	-	पुरातत्वज्ञ
Assessment Officer	-	कर निर्धारण अधिकारी
Assignee	-	निर्धारक
Assessor	-	अधिन्यासी
Attache	-	आसंगी
Attesting Officer	-	तसदीक अधिकारी
Attorney General	-	महा न्यायवादी
Audit Officer	-	लेखा-परीक्षा अधिकारी
Auditor General	-	महालेखा परीक्षक
Bailor	-	अमानती
Barrister	-	विधिवक्ता
Block Development Officer	-	खंड विकास अधिकारी
Body Guard	-	अंगरक्षक
Booking Clerk	-	टिकट बाबू
Calculator	-	गणक

Chairman	-	सभापति, अध्यक्ष
Chancellor	-	कुलाधिपति
Charge d Affairs	-	कार्यदूत
Cashier	-	रोकड़िया
Chemist	-	रसायनज्ञ
Chief Commissioner	-	मुख्य आयुक्त
Chief Justice	-	मुख्य न्यायमुर्ति
Chief Labour Commissioner	-	मुख्य श्रम आयुक्त
Chief of Air Staff	-	वायु सेनाध्यक्ष
Chief of Army Staff	-	स्थल सेनाध्यक्ष
Chief of Naval Staff	-	नौ सेनाध्यक्ष
Chief of Protocol	-	नयाचार प्रमुख
Chief Whip	-	मुख्य सचेतक
Cipher Officer	-	बीजेलेख अधिकारी
Civil Engineer	-	सिविल इञ्जीनियर, नागरिक अभियंता
Collector	-	कलक्टर, समाहर्ता
Commander-in-Chief	-	प्रधान सेनापति
Commercial Superintendent	-	वाणिज्य अधीक्षक
Commissioner	-	आयुक्त
Commissioned Chief	-	आयुक्त अधिकारी
Common Wealth, Secretary	-	राष्ट्रमण्डल सचिव
Comptroller and Auditor General	-	नियंत्रक और महालेखा परीक्षक
Computer	-	संगणक
Conciliation Officer	-	सुलह अधिकारी
Consolidation Officer	-	चकबन्दी अधिकारी
Controller General	-	महानियंत्रक
Co-operative Officer	-	संयोजक
Co.operative Officer	-	सहकारिता अधिकारी
Co-opted Member	-	सहयोजित सदस्य
Co-ordinating Officer	-	समन्वय अधिकारी
Councillor	-	पार्षद
Counter Clerk	-	पटल लिपिक

Currency Officer	-	मुद्रा अधिकारी
Custodian	-	अभिरक्षक
Custom Officer	-	सीमा शुल्क अधिकारी
Dealing Assistant	-	संबंधित सहायक
Demonstrator	-	निदर्शक
Deputy Director	-	उपनिर्देशक
Designer	-	रूपकार
Despatch Clerk	-	प्रेषण लिपिक
Diarist	-	दैनिकी लेखक
Director General	-	महानिदेशक
Disbursing Officer	-	संवितरण अधिकारी
District Judge	-	जिला न्यायाधीश
District Magistrate	-	जिलाधीश
District Superintendent of Police	-	जिला पुलिस अधीक्षक
Divisional Superintendent	-	मण्डल अधीक्षक
Draftsman	-	प्रारूपकार
Education Officer	-	शिक्षा अधिकारी
Electrical Engineer	-	बिजली इञ्जीनियर, बिजली अभियन्ता
Emergency Officer	-	आपात अधिकारी
Enquiry Clerk	-	पूछताछ लिपिक
Establishment Officer	-	स्थापना अधिकारी
Estate Officer	-	संपदा अधिकारी
Evaluation Officer	-	मूल्यांकन अधिकारी
Excise Commissioner	-	उत्पादन शुल्क आयुक्त
Executive Authority	-	कार्यकारी अधिकारी
Extention Officer	-	विस्तार अधिकारी
Finance Minister/Advisor	-	वित्त मंत्री / सलाहकार
Food Minister	-	खाद्यमंत्री
Foreign Minister	-	विदेशमंत्री
Forest Officer	-	वन अधिकारी
Functionary	-	कार्यकर्त्ता
Gatekeeper	-	द्वारपाल, दरबान

Gazetted Officer	-	राजपत्रित अधिकारी
General Manager	-	महाप्रबन्धक, जनरल मेनेजर
Geologist	-	भू-विज्ञानी
Granter	-	अनुदाता
Guard	-	गार्ड, रक्षक
Guardian	-	अभिभावक
Guide	-	मार्गदर्शक
Health Officer	-	स्वास्थ्य अधिकारी
Her/His Excellency	-	परम श्रेष्ठ
Hindi Officer	-	हिन्दी अधिकारी
Home Minister	-	गृहमंत्री
Honorary Secretary	-	अवैतनिक सचिव
Hostess	-	सत्कारिणी
In Charge	-	कार्यभारी, प्रभारी
Income Tax Officer	-	आयकर अधिकारी
Information Officer	-	सूचना अधिकारी
Inspector/ Inspectoress	-	निरीक्षक / निरीक्षिका
Inspector of Police	-	पुलिस निरीक्षक
Installation Engineer	-	संस्थापन इञ्जीनियर / अभियन्ता
Instructor	-	शिक्षक, अनुदेशक
Interpreter	-	दुभाषिया
Investigator	-	अन्वेषक
Inward Clerk	-	आवक लिपिक
Issue Clerk	-	निर्गम लिपिक
Joint Secretary	-	संयुक्त सचिव
Judge	-	न्यायाधीश
Judicial Officer	-	न्यायिक अधिकारी
Junior Accountant	-	कनिष्ठ लेखापाल
Justice	-	न्यायमुर्ति
Labour Officer	-	श्रमिक अधिकारी
Land Acquisition Officer	-	भूमि अर्जन अधिकारी
Land Holder	-	भूमिधर

Legal Advisor	-	विधि सलाहकार
Lessee	-	पट्टेदार
Liaison Officer	-	सम्पर्क अधिकारी
Librarian	-	पुस्तकालयाध्यक्ष
Licencee	-	लाइसेन्सदार
Lineman	-	लाईनमैन
Liquidation Officer	-	परिसमापन अधिकारी
Litigation Officer	-	मुकद्दमा अधिकारी
Lower Division Clerk	-	निम्न श्रेणी क्लर्क, लिपिक
Machineman	-	मशीन चालक, मशीनमैन
Magistrate	-	मजिस्ट्रेट
Maintenance Superintendent	-	अनुरक्षण अधीक्षक
Manager	-	प्रबन्धक, मैनेजर
Managing Editor	-	प्रबन्ध सम्पादक
Marine Officer	-	समुद्री अफसर / अधिकारी
Marketing Officer	-	पणन अधिकारी
Mechanical Engineer	-	यांत्रिक अभियंता
Medical Officer	-	चिकित्सा अधिकारी
Member	-	सदस्य
Member of Parliament	-	संसद सदस्य
Meteorologist	-	मौसम विज्ञानी
Mid-wife	-	दाई, धात्री
Minister	-	मन्त्री
Monitoring Officer	-	अनुश्रवण अधिकारी
Mover	-	उपस्तावक
Municipal Commissioner	-	नगरपाल
Mutuation Clerk	-	दाखिल- खारिज क्लर्क
News Editor	-	समाचार सम्पादक
News Paper Agent	-	समाचार पत्र एजेण्ट
News Reporter	-	संवाददाता
Non - gazetted Officer	-	अराजपत्रित अधिकारी
Oath Commissioner	-	शपथ आयुक्त

Octroi Inspector	-	चुंगी निरीक्षक
Officer In charge	-	प्रभारी अधिकारी
Officer on Special Duty	-	विशेष कार्याधिकारी
Officiating Superintendent	-	संस्थानापन्न अधीक्षक
Operating Superintendent	-	प्रचालन अधीक्षक
Operator	-	प्रचालक
Orderly	-	अर्दली
Organiser	-	आयोजक
Overseer	-	ओवरसियर
Pay-Master	-	वेतन मास्टर
Parliamentary Secretary	-	संसदीय सचिव
Part-time worker	-	अंशकालिक कार्यकर्त्ता
Peon	-	चपरासी
Personal Assistant	-	वैयक्तिक सहायक
Personal Officer	-	कार्मिक अधिकारी
Planning Officer	-	योजना अधिकारी
Pressman	-	पत्रकार, प्रेस मैन
President	-	राष्ट्रपति, प्रधान
Polling Officer	-	मतांकन अधिकारी
Presiding Officer	-	पीठासीन अधिकारी
Prime Minister	-	प्रधान मन्त्री
Principal	-	प्रधानाचार्य
Private Secretary	-	निजी सचिव
Probationer	-	परखाधीन, परिवीक्षाधीन
Pro-chancellor	-	सम कुलाधिपति
Project Officer	-	परियोजना अधिकारी
Proof Reader	-	प्रूफ रीडर
Psychologist	-	मनोवैज्ञानिक
Public Relation Officer	-	जनसम्पर्क अधिकारी
Public servant	-	लोकसेवक
Purchase Officer	-	क्रय अधिकारी
Realising Officer	-	वसूली अधिकारी

Receptionist	-	स्वागती
Record keeper	-	अभिलेखपाल
Regional Officer	-	क्षेत्रीय अधिकारी
Registrar	-	रजिस्ट्रार, पंजीयक, कुलसचिव
Research Assistant	-	अनुसंधान सहायक
Resident Offficer	-	निवासी अधिकारी
Returning Officer	-	निर्वाचन अधिकारी
Routine Clerk	-	नेमी कार्य क्लर्क
Sales Tax Officer	-	बिक्रीकर अधिकारी
Sanitary Inspector	-	सफाई निरीक्षक
Secretary General	-	महासचिव
Section Officer	-	अनुभाग अधिकारी
Security Officer	-	सुरक्षा अधिकारी
Sentry	-	सन्तरी
Singal Telecommunication Engineer	-	सिगनल व दूरसंचार इञ्जीनियर
Solicitor General	-	महा सालीसिटर
Speaker	-	अध्यक्ष
Statistician	-	सांख्यिक
Stenographer	-	आशुलिपिक
Steno Typist	-	आशुटंकक
Store keeper	-	भण्डारी
Sub-Inspector	-	उप निरीक्षक
Superintendent	-	अधीक्षक
Superintending Engineer	-	अधीक्षक अभियन्ता
Supervisor	-	पर्यवेक्षक
Surveyer	-	सर्वेक्षक
Tabulator	-	सारणीकार, तालिकाकार
Taxation Officer	-	कराधान अधिकारी
Tax Collector	-	कर समाहर्ता
Techinician	-	प्रविधिज्ञ, तकनीकी
Technologist	-	शिल्प विज्ञानी

Tourist Officer	-	पर्यटन अधिकारी
Tracer	-	अनुरेखक
Traffic Manager	-	यातायात प्रबन्धक
Translator	-	अनुवादक
Transportation Inspector	-	परिवहन निरीक्षक
Treasurer	-	कोषपाल
Treasury Officer	-	कोषाधिकारी
Trustee	-	न्यासी, ट्रस्टी
Under Secretary	-	अवर सचिव
Upper Division Clerk	-	उच्च श्रेणी लिपिक
Verification Officer	-	सत्यापन अधिकारी
Vice President	-	उपराष्ट्रपति
Vigilance Officer	-	सतर्कता अधिकारी
Wage Inspector	-	मजदूरी निरीक्षक
Wagon Controller	-	मालड़िब्बा नियंत्रक
Warder	-	वार्डर
Watch and Ward Inspector	-	पहरा निगरानी अधिकारी
Welfare Officer	-	कल्याण अधिकारी
Wireless Operator	-	बेतार प्रचालक
Worker	-	कामगार
Workman	-	कर्मकार
Works Manager	-	कर्मशाला प्रबन्धक
X-Ray Assistant	-	एक्स-रे सहायक
Yard Supervisor	-	यार्ड पर्यवेक्षक
Yarn Inspector	-	सूत निरीक्षक

18.14. सरकारी कार्यालयों के नाम

Accountant General, Central Revenues	-	महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व
All India Handicraft Board	-	अखिल भारतीय हस्तकला बोर्ड
All India Institute of Medical Sciences	-	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

All India Radio	-	आकाशवाणी
Archeological Survey ofIndia	-	भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
Armed Forces Head Quarters	-	सशस्त्र सेना मुख्यालय
Atomic Energy Department	-	परमाणु ऊर्जा विभाग
Atomic Mineral Division	-	परमाणु खनिज प्रभाग
Audit Directorate of, Commercial	-	वाणिज्यिक लेखा परीक्षा निदेशालय
Backward Classes Commission	-	पिछड़े वर्गों का आयोग
Cabinet Affairs,Deptt.	-	मंत्रिमंडलीय कार्यविभाग
Hindi Directorate	-	हिन्दी निदेशालय
Telegraph Office	-	तार घर
Civil Aviation, Director	-	सिविल विमानन के निदेशक
Civil Supplies, Director	-	सिविल पूर्ति के निदेशक
Commissioner for Scheduled Castes/Scheduled Tribes	-	अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति का कमिश्नर
Defence Ministry	-	रक्षा मंत्रालय
Economic Affairs,Deptt	-	अर्थ विभाग
Education Ministry	-	शिक्षा मंत्रालय
Election Commission	-	निर्वाचन आयोग
Employees State Insurance Co-operation	-	कर्मचारी राज्य बीमा निगम
Employment Exchange	-	रोजगार कार्यालय
Finance,Ministry	-	वित्त मंत्रालय
Geological Survey of India	-	भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण
Health Ministry	-	स्वास्थ्य मंत्रालय
Home Affairs,Ministry	-	गृह मंत्रालय
Indian Bureau of Mines	-	भारतीय खान ब्यूरो
Indian Council of Agricultural Research	-	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Industry & Supply, Ministry	-	उद्योग तथा पूर्ति मंत्रालय
Information & Broadcasting Ministry	-	सूचना और प्रसारण मंत्रालय
International Trade, Ministry	-	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्रालय

Iron & Steel, Deptartment	-	लोहा तथा इस्पातल विभाग
Irrigation & Power, Ministry	-	सिंचाई और बिजली मंत्रालय
Law Commission	-	विधि आयोग
Law Ministry	-	विधि मंत्रालय
Life Insurance Corporation	-	जीवन बीमा निगम
Meteorological Deptt.	-	मौसम विज्ञान विभाग
Naval Head Quarters	-	नौसेना मुख्यालय
Parliamentary Affairs, Deptt	-	संसदीय कार्य विभाग
Passport Office	-	पारपत्र कार्यालय
Petroleum & Chemicals Ministry	-	पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय
Planning Commission	-	योजना आयोग
Ports Department	-	पत्तन विभाग
Prime Minister's Sectt.	-	प्रधान मंत्री का सचिवालय
Publication Division	-	प्रकाशन विभाग
Railway Board	-	रेल बोर्ड
Steel & Mines, Ministry	-	इस्पात तथा खान मंत्रालय
Supreme Court of India	-	भारत का सर्वोच्च न्यायालय
Survey of India	-	भारतीय सर्वेक्षण
Telephones, Office of the General Manager	-	टेलीफोन के महाप्रबन्धक का कार्यालय
Tourism Ministry	-	पर्यटन मन्त्रालय
Transport Ministry	-	परिवहन मन्त्रालय
Union Public Service Commission	-	संघ लोक सेवा आयोग
University Grants Commission	-	विश्व विद्यालय अनुदान आयोग
Works & Housing Ministry	-	निर्माण तथा आवास मंत्रालय

18.15. पत्राचार में प्रयुक्त पद समुच्चय

अंग्रेजी पद समुच्चय के हिन्दी पर्याय

Above cited / Above quoted	-	ऊपर उद्धृत / ऊपर दिया हुआ
A brief note is placed below	-	संक्षिप्त नोट नीचे रखा है

Acting in good faith	-	सद्भाव से कार्य करते हुए
Action may be taken as proposed	-	यथा प्रस्तावित कार्यवाही की जाए
Adjourn sine die	-	अनिश्चित काल के लिए स्थगित करना
Admission with permission	-	आज्ञा लेकर भीतर आइए
After adequate Consideration	-	समुचित विचार के बाद
After Consultation with	-	से परामर्श करके
A list of cases disposed off is placed below	-	निपटाये गये मामलों की एक सूची नीचे रखी है
Approved as proposed	-	यथा-प्रस्ताव अनुमोदित
As above	-	जैसा ऊपर दिया है
As a matter of fact	-	यथार्थतः
As before	-	पूर्ववत् / यथापूर्व
As directed	-	निदेशानुसार
As is where is	-	जैसा है और जहाँ है
As may be necessary	-	जैसा आवश्यक हो
As modified	-	यथाशोधित
As of right	-	साधिकार
As per details below	-	नीचे लिखे विवरण के अनुसार
As the case may be	-	जैसी स्थिति हो
Attention is invited to	-	की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है
Background of the case	-	मामले की पृष्ठभूमि
Beg to state	-	निवेदन है
Best of knowledge and belief	-	जहाँ तक मुझे पता है और विश्वास है
By authority of	-	के प्राधिकार से
By command	-	के समादेश से
By order	-	के आदेश से
By virtue of office	-	पद के नाते / पद की हैसियत से

Come into force	-	लागू होना
Copy enclosed	-	प्रतिलिपि संलग्न है
Copy forwarded for information / necessary action.	-	सूचना / आवश्यक कार्यवाही के लिए प्रतिलिपि को प्रेषित
Day to day administrative work	-	नित्य का प्रशासनिक कार्य
Delay regretted	-	विलंब के लिए खेद है
Detrimental in the interest of	-	के हित में हानिकर/के लिए अहित कर
Discrepancy may be reconciled	-	विसंगति का समाधान कर लिया जाए
Draft as amended is put up	-	यथासंशोधित प्रारूप / मसौदा प्रस्तुत है
Draft for approval	-	अनुमोदनार्थ प्रारूप / मसौदा
During the course of discussion	-	विचार-विमर्श के दौरान
Early orders are solicited	-	शीघ्र आदेशों की प्रार्थना है
Exigencies of public service	-	लोक-सेवा की आवश्यकताएँ
Expedite action	-	कार्यवाही शीघ्र करें
Explanation from the defaulter may be obtained	-	बकायादार से स्पष्टीकरण माँगा जाये
Follow up action	-	अनुवर्ती कार्यवाही
For and on behalf of	-	के लिए और उनकी ओर से
For consideration	-	विचारार्थ
For disposal	-	निवर्तन के लिए / निपटाने के लिए
For favourable action	-	अनुकूल कार्यवाही के लिए
For favour of doing the needful	-	यथावश्यक कार्यवाही की कृपा के लिए
For favour of orders	-	आदेशार्थ
For future action	-	आगे की कार्यवाही के लिए
For guidance	-	मार्ग - दर्शन के लिए
For perusal	-	अवलोकनार्थ
For sympathetic consideration	-	सहानुभूतिपूर्वक विचार के लिए
Fresh receipt (F.R.)	-	नई आवती (न.आ)
From	-	प्रेषक
Further orders will follow	-	आगे और आदेश भेजे जाएँगे

Hard and fast rule	-	पक्का नियम
Has no comments to make	-	को कोई टीका नहीं करनी है
His request be acceded to	-	उनकी प्रार्थना स्वीकार की जाए
Hold in abeyance	-	रोक रखना
Hold lien on post	-	पद पर पुनर्ग्रहणाधिकार होना
I agree with 'A' above	-	मैं ऊपर 'क' से सहमत हूँ
I am desired to say	-	मुझे निवेदन करने के लिए कहा गया है
I am directed to	-	मुझे निदेश हुआ है
I beg to submit	-	निवेदन है कि
I have the honour to say	-	सादर निवेदन है
In accordance with	-	के अनुसार
In anticipation of	-	की प्रत्याशा में
In as much as	-	जहाँ तक कि
In compliance with	-	का पालन करते हुए
In confirmation of	-	की पुष्टि में
In connection with	-	के संबंध में
In continuation of	-	के आगे । के क्रम में
In course of business	-	काम के दौरात
In course of time	-	यथासमय
In due course	-	यथावधि
In force	-	लागू / प्रवृत्त
In general	-	सामान्य रूप में
In his discretion	-	स्वविवेक से / अपनी समझ से
In lieu of	-	के बदले में
In like manner	-	समान रीति से
In lump sum	-	एक मुश्त
In modificaiton of	-	का आशोधन करते हुए
In order	-	यथाक्रम / क्रम से
In order of merit	-	गुणानुक्रम से
In order of priority	-	अग्रता क्रम से

In other respects	-	अन्य बातों में
In part	-	अंशतः
In particular	-	विशेषतः
In perpetuity	-	सदैव के लिए
In practice	-	व्यवहार में
In preference to	-	की अपेक्षा
In prosecution of	-	के चलाने में
In public interest	-	लोकहित में
In persuance of	-	के अनुसरण में
In regard to	-	के विषय में
In reply to	-	के उत्तर में
In respect of	-	के लिए / के विषय में
In so far as	-	जहाँ तक कि
In supersession of	-	का अधिक्रमण करते हुए
In the aggregate	-	कुल मिलाकर
In the case of	-	की स्थिति में
In the circumstances of	-	की परिस्थितियों में
In course of	-	के दौरान
In the event of	-	के होने पर
In the interest of	-	के हित में
In the light of	-	को ध्यान में रखते हुए
In the prescribed manner	-	निर्धारित ढंग से
In toto	-	पूर्णतः
In view of	-	को ध्यान में रख कर
Initiate action	-	कार्यवाही आरंभ करना
Instance, in the first	-	प्रथमतः / पहले तो
Instance of, at the	-	की प्रेरणा पर / के कहने से
Inter alia	-	और बातों में । साथ - साथ
Intimation to us, under	-	हमें सूचना देते हुए
Irrespective of the fact	-	इस बात का विचार किए बिना
It is requested	-	यह निवेदन है
It is suggested	-	यह सुझाव दिया जाता है

It may further be added	-	यह भी बताया जाता है / यह भी बता दिया जाए
It will be construed	-	इसका यह अर्थ समझा जायेगा
Just below	-	ठीक नीचे
Justification for the proposal	-	प्रस्ताव का औचित्य
Keep in abeyance	-	मुल्तवी रखा जाए
Keep pending	-	लंबित रखना/निर्णयार्थ रोक रखा जाये
Laid down in	-	में निर्धारित
Lay before	-	सामने रखना
Lay down	-	निर्धारित करना
Leave not due	-	छुट्टी बाकी नहीं है
Madam	-	महोदया
Matter is under consideration	-	विषय विचाराधीन है
May be considered	-	विचार किया जाए
May be excused	-	क्षमा कर दिया जाए
May be filed	-	फाइल कर दिया जाए
May be informed accordingly	-	तदनुसार सूचित कर दिया जाए
May be treated as urgent	-	इसे अति आवश्यक समझा जाए
Means, by any	-	किसी भी प्रकार से
Mentioned above	-	उपर्युक्त / उपरिलिखित
Necessary steps should be taken	-	आवश्यक कार्यवाही की जाए
Needful, Do the	-	आवश्यक कार्यवाही करें
Needful done	-	आवश्यक कार्यवाही की जा चुकी है
Needs no comments	-	टिप्पणी की आवश्यकता नहीं
No bar	-	कोई रोक नहीं
No objection certificate	-	अनापत्ति पत्र
Nota Bene (N.B.)	-	विशेष ध्यान दीजिए (वि.ध्यान)
Notified for general information	-	जनसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित
Objectionable action	-	आपत्तिजनक कार्य
Obliged, I shall be	-	मैं अनुगृहीत होऊँगा
Okey (O.K)	-	सब ठीक / अच्छा

On compassionate grounds	-	दया के आधार पर
On deputation	-	प्रतिनियुक्ति पर
On or after the day	-	उस दिन या उसके पश्चात्
Ordered that a copy of the above resolution be published in the Gazette of India and Communicated to all concerned	-	आदेश दिया जाता है कि उपर्युक्त संकल्प की एक प्रति भारत के राजपत्र में प्रकशित की जाए और सेभी संबंधितों को भेज दी जाए ।
orders are solicited	-	कृपया आदेश दें
Passed for payment	-	भुगतान के लिए पास किया
Per bearer	-	पत्रवाहक द्वारा
Please acknowledge receipt	-	कृपया पावती भेजें
Please comply before due	-	कृपया नियत समय से पहले इसका पालन करें
Please expedite compliance	-	शीघ्र अनुवर्तन कीजिए
Please treat this as strictly confidential	-	कृपया इसे सर्वथा गोपनीय समझा जाए
Post script (P.S.)	-	पुनश्च / पश्चलेख
Preceding notes	-	पूर्वगामी टिप्पणियाँ
Question does not arise	-	प्रश्न नहीं उठता
Referred to above	-	उपरिनिर्दिष्ट
Reluctant to do	-	करने को अनिच्छुक
Reminder may be sent	-	अनुस्मारक भेजा जाए
Retrospective effect, with	-	पूर्वव्याप्ति सहित
Sanctioned as proposed	-	प्रस्ताव के अनुसार मंजूर
Seen and spoken	-	देख लिया और बात कर ली
Self - explanatory	-	स्वतः स्पष्ट
Sitting over the papers	-	कागज दबाकर बैठना
So far as possible	-	यथासंभव
So long as	-	जब तक कि
Status Quo	-	यथापूर्व स्थिति
Subject to approval	-	बशर्ते का अनुमोदन प्राप्त हो

Subject to the condition that	-	इस शर्त पर कि
Submitted for order	-	आदेशार्थ प्रस्तुत
The proposal is quite in order	-	प्रस्ताव बिल्कुल ठीक है
Then and there	-	वहीं तत्काल
This is to inform	-	सूचना दी जाती है
Till further orders	-	अन्य आदेश होने तक
To the point	-	विषयानुकूल
Under consideration	-	विचाराधीन
Verified and found correct	-	पड़ताल की और ठीक पाया
Whichever is earlier	-	जो भी पहले हो
With due regard	-	का सम्यक् ध्यान रखते हुए
With effect from	-	से
Without fail	-	अवश्य
With regard to	-	के बारे में
With regards	-	सादर
With respect to	-	के संबंध में
With respects	-	सादर
Yours faithfully	-	भवदीय
Yours sincerely	-	आपका
Yours truly	-	आपका

18.16. पत्र-व्यवहार में प्रयुक्त होने वाले वाक्यांश

1. मुझे आपके पत्र की पावती भेजने का निदेश हुआ है ।
   I am directed to acknowledge the receipt of your letter
2. अपने पत्र (अथवा इस मंत्रालय के पत्र) संख्या.....दिनांक.....
   का प्रसंग जारी रखते हुए.....।
   In continuation of my letter (or to this Ministry's letter) No. ..... dated.....
3. पत्र संख्या.....दिनांक.....की पुष्टि में ।
   In confirmation of letter No. .....dated.....

4. आपने अपने पत्र-संख्या.....तारीख.....में जो अनुरोध किया था उसके अनुपालन में उसको मानते हुए.....।
In compliance with the request contained in your letter No. ..... dated .....

5. कृपया मेरे पृष्ठांकन संख्या.....तारीख.....की ओर ध्यान दें ।
Please refer to my endorsement No. ..... dated .....

6 मुझे.....को हवाला देने का सम्मान मिला है ।
I have the honour to refer to .....

7. इसके बारे में यह और लिखना है कि.....।
It may further be added .....

8 इस कार्यालय को सूचना देते हुए ।
Under intimation to this office

9 राष्ट्रपति निदेश देते हैं ।
President is pleased to direct

संक्षिप्त आदेश

1. कृपया मामले का संक्षिप्त सार तैयार कीजिए ।
Please prepare a precise of the case.

2. यथा-प्रस्तावित कार्यवाही की जाए ।
Action may be taken as proposed.

3. कृपया स्वतः पूर्ण नोट तैयार कीजिए ।
Please prepare a self-contained note

4. अनुस्मारक तुरन्त भेजिए ।
Issue reminder urgently.

5. कृपया सबको दिखाकर फाइल कर दीजिए ।
Please circulate and file.

6. मैं सहमत हूँ ।
I agree.

7. यथा - संशोधित भेज दीजिए ।
Issue as amended.

8. उपमंत्री महोदय को कष्ट देने की आवश्यकता नहीं है ।
Deputy Minister need not be bothered.

9. जाँच पूर्ण की जाए तथा उसकी रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत की जाए ।
Enquiry may be completed and its report submitted at an early date.

10. उपर्युक्त सुझावों के अनुसार उत्तर का प्रारूप तैयार कीजिए ।
Draft reply on the lines suggested above may be put up.

11. कार्यालय इसे सावधानी से नोट कर ले ।
Office may note it carefully.

12. भारत सरकार से विनिर्णय प्राप्त किया जाए ।
Ruling from Government of India should be obtained.

13. कृपया इस निर्णय को विशेष रूप से नोट कर लें ।
Please make a special note of this decision.

14. सभी संबंधित व्यक्तियों को तदनुसार सूचित कर दिया जाये ।
All concerned should be informed accordingly.

15. जो आदेश दिया जा चुका है, उसमें संशोधन करने का कोई कारण नहीं है ।
There is no cause to modify the order already passed.

16. उत्तर की प्रतीक्षा करें ।
Await reply.

17. स्पष्टीकरण माँग लिया जाए ।
Explanation may be called for.

18. जो कारण अब बतलाए गए हैं, उन्हें दृष्टि में रखते हुए मैं इस प्रस्ताव से सहमत हूँ ।
For the reasons now explained, I concur in the proposal.

19. मैं कार्यालय की टिप्पणी से पूर्णतया सहमत हूँ -
I fully agree with the office note.

20. मैंने मंत्री महादय से इस संबंध में बातचीत कर ली है ।
I have discussed the matter with Honourable Minister.

21. मसौदा अब भेज दिया जाए / जारी करने की आवश्यकता नहीं है ।
Draft may now be issued/need not be issued.

22. इस मामले में निदेशक द्वारा की गई सिफारिश को हमें स्वीकार कर लेना चाहिए ।

We may agree with the Director's recommendation in this case.

वित्तीय एवं प्रशासनिक

1. इस व्यय के लिए चालू वित्तीय वर्ष के बजट में व्यवस्था है ।

Provision exists in the budget for incurring the expenditure during the current financial year.

2. वित्त मंत्रालय अपनी सहमति के लिए कृपया देख ले ।

Finance Ministry may please see for concurrence.

3. इस आदेश को पीछे की तारीख से लागू नहीं किया जा सकता है ।

Retrospective effect cannot be given to this order.

4. अभिवेदन विधिवत् प्राप्त नहीं हुआ है । हमें इस पर कोई कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं ।

The representation has not been received through proper channel. We need not take any action on it.

5. अनुमति देना लोकहित में नहीं होगा । यह प्रार्थना स्वीकार न की जाए ।

It would be against public interest to give the permission. The request may be rejected.

6. बिल की जाँच-पड़ताल कर ली गई है । यह ठीक है । भुगतान के लिए पास कर दिया जाए ।

The bill has been verified. This is in order. May be passed for payment.

7. आवेदक को सूचित कर दिया जाए कि राजपत्रित पदों पर उन्हीं प्रार्थियों की नियुक्तियाँ की जाती हैं, जिनके नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा भेजे जाते हैं ।

We may inform the applicant that recruitment against all gazetted posts is made out of candidates sponsored by the U.P.S.C.

8. इसे अत्यन्त विशेष मामला समझ कर हम इस पर अपनी सहमति देते हैं । किन्तु भविष्य में इसका उदाहरण के रूप में उल्लेख न किया जाए ।

We agree as a very special case. This should not however be quoted as a precedent.

NOTES

NOTES

NOTES

ಆದೇಶ ಸಂಖ್ಯೆ : ಕರಾಮುವಿ/ಅಸಾವಿ/4-060/2013-2014 ದಿನಾಂಕ : 24-09-2013
ಒಳಪುಟ : 60 GSM MPM ವೈಟ್ ಪ್ರಿಂಟಿಂಗ್ ಪೇಪರ್ ಮತ್ತು ಹೊರಪುಟ: 170 GSM ಆರ್ಟ್‌ಕಾರ್ಡ್.
ಮುದ್ರಕರು : ಅಭಿಮಾನಿ ಪಬ್ಲಿಕೇಷನ್ ಲಿ., ಬೆಂಗಳೂರು-10 ಪ್ರತಿಗಳು : 1,200

Karnataka State Open University

Manasagangotri Mysore - 570 006

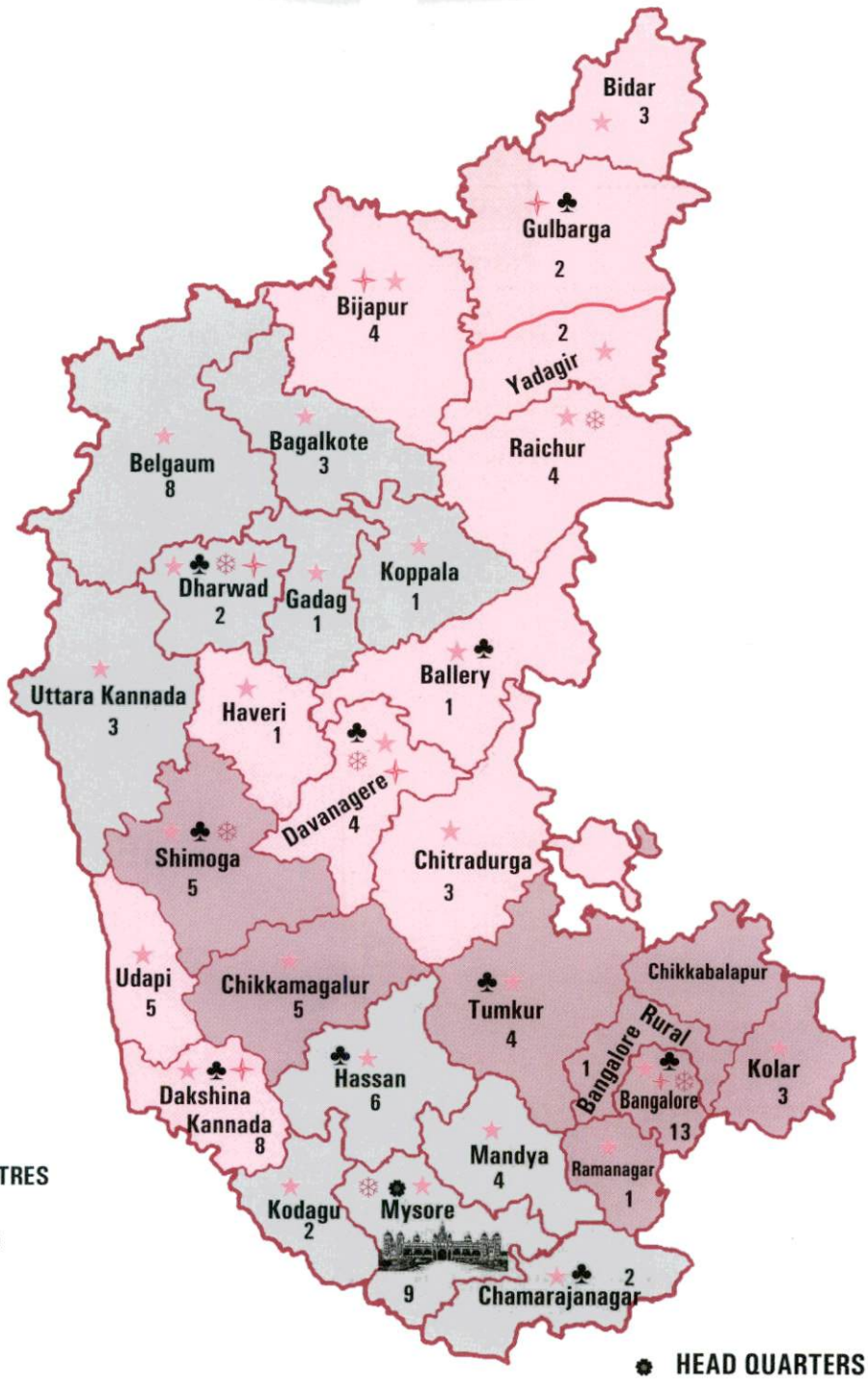

♣ **REGIONAL CENTRES**

Bangalore
Davanagere
Gulbarga
Dharwad
Shimoga
Mangalore
Tumkur
Hassan
Chamarajanagar
Bellary

● **HEAD QUARTERS**

★ Total Study Centres : 111

♣ Regional Centres : 10

❄ B.Ed Study Centres : 10

✦ M.Ed Study Centres : 08

Karnataka State Open University

Manasagangothri, Mysore - 570 006.